3 | राजधानी
सजे मंदिर, जले दीपक की गई विशेष पूजा

6 | अभिमत
भारत के उत्थान का प्रतीक राम मंदिर

10 | स्पोर्ट्स
चुनौतियों से भरा होगा आईपीएल 2020: रैना

11 | विदेश
बेरूत में विस्फोट, सौ से ज्यादा मरे

RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 270
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 6 अगस्त, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

कोविड 19 से संक्रमित हुए बालासुब्रमण्यम
विविध-12

www.dailypioneer.com

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन हरण भवभय दारुणं

उत्साह से उमगती सरयू के तीर पर सजी-धजी अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों पूरे विधि विधान से संपन्न भूमि पूजन के साथ करोड़ों हिंदुओं की आस्था और विश्वास के प्रतीक श्री राम का एक और वनवास खत्म हुआ। पहला वनवास उन्होंने पिता के वचन का मान रखने और रावण वध के लिए अपने मानव अवतार का लक्ष्य साधने के लिए सहर्ष स्वीकार किया था तो दूसरा वनवास भी उनका ही चुना हुआ था। बहस करने वाले लाख कहें कि ये हुआ-वो हुआ, इसने किया-उसने किया लेकिन राम को जानने और मानने वाले यही कहेंगे कि होइ हैं सोई जो राम रचि राखा-को करि तर्क बढ़ावहि साखा। राम निर्गुण भी हैं और सगुण भी। लोगों के रोम-रोम और प्रकृति के कण कण में बसने वाले निर्गुण राम ने यही चाहा था कि चाहे सदियां बीत जाएं, वे सगुण मूरत बनकर मंदिर में तभी स्थापित होंगे जब देश और दुनिया को फिर से सही मार्ग पर ले जाना आवश्यक हो उठेगा। आज के वैश्विक हालात पर नजर डालें तो यह समझते देर नहीं लगेगी कि मर्यादा पुरुषोत्तम दशरथ नंदन राम ने साक्षात नजर आने के लिए इस कल्प और इस पहर को क्यों चुना? राम मंदिर का शिलान्यास या भव्य मंदिर का निर्माण तो महत्वपूर्ण है ही लेकिन इससे भी ज्यादा खास है इस घटनाक्रम से पैदा हुई वह असीम ऊर्जा जिसने भारतवर्ष को ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को सकारात्मक भाव से भर दिया है। यही राम की शक्ति है, यही उनका योग और यही, कलियुग में लड़ती-भिड़ती, भटकती मानवता की जरूरत भी। तो हमारे, आपके-हम सबके राम आ गए हैं। उन्हें धर्म-संप्रदाय के खांचे में बांटे नहीं बल्कि जानने की कोशिश करें-जीना आसान हो जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी राम मंदिर निर्माण की आधारशिला

कमलेश श्रीवास्तव। अयोध्या

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैसे ही राम मंदिर के लिए भूमि पूजन किया तो मानो त्रेता युग धरती पर उतर आया हो। पूरा वातावरण राममय हो गया। राम नगरी में चारों ओर जय श्री राम के जयकारे लगने लगे। इससे पहले पारंपरिक धोती-कुर्ता पहने प्रधानमंत्री जैसे ही अवध की धरती पर उतरे भगवान श्रीराम की जन्मस्थली के 492 साल पुराने इतिहास की यादें तरोताजा हो गईं। 1528 में राम मंदिर को गिरा कर बाबरी मस्जिद बना दी गई थी और आजादी के 70 साल बाद भी इस विवाद का पटाक्षेप नहीं हो रहा था। 9 नवंबर 2019 को जब सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुना कर विवाद का पटाक्षेप कर दिया तो सबसे अयोध्या के लोग राममंदिर के शिलान्यास की बाट जोह रहे थे। 5 अगस्त 2020 को 12:44 पर वह समय भी पूरा हो गया और दुनियाभर के रामभक्तों ने इस पल को अपने हृदय में हमेशा-हमेशा के लिए सुरक्षित कर लिया।

दोपहर में 11:30 बजे प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर साकेत महाविद्यालय में लैंड किया और वहां से वह सीधे भगवान राम के सबसे अनन्य भक्त और अयोध्या के राजा हनुमान जी के दरबार पहुंच कर पूजन अर्चन कर राम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। सबसे पहले प्रधानमंत्री ने भगवान श्री राम के चरणों में साष्टांग दंडवत प्रणाम किया। वह दृश्य ऐसा लग रहा था कि भक्त अपने आराध्य के चरणों में सब कुछ न्योछावर कर रहा हो। उसके उपरांत मोदी जी रामलला के पूजन अर्चन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ पूजा स्थल की ओर रवाना हुए। पूजन स्थल पर संघ प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ और महंत नृत्यगोपालदास मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने यहां अपने संबोधन में विस्तार से जहां मर्यादा पुरुषोत्तम राम के मर्यादित जीवन का बखान किया वहीं उन्होंने कहा कि राम का पूरा जीवन मर्यादा रहकर जिया हुआ पूरा दर्शन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राम मंदिर की आज नींव पड़ गयी है। राम मंदिर भव्य और दिव्य अब बन कर रहेगा लेकिन 130 करोड़ लोगों के मन में जो अयोध्या का स्वरूप है उस मन की अयोध्या को अब बनाना है। अयोध्या (शेष पेज 9)

अयोध्या में बुधवार को श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य के शुभारंभ के पुनीत अवसर पर परंपरागत विधि से भूमि पूजन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जय सियाराम का उद्घोष, साथ में संदेश भी-भय बिनु होइ न प्रीति

● राम मंदिर भक्ति में मगन भए मोदी

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या पहुंचते ही राम भक्ति में लीन हो गए। श्री राम जन्म परिसर में बने अस्थाई राम मंदिर में उन्होंने साष्टांग दंडवत कर प्रभु राम का आशीर्वाद लिया। जय सियाराम का उद्घोष किया और साथ ही यह संदेश भी दिया-भय बिनु होइ न प्रीति।

इसके बाद भूमि पूजन कर श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी और कहा कि आज सदियों का इंतजार खत्म हुआ है। राम मंदिर को राष्ट्रीय एकता व भावना का प्रतीक और भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत का द्योतक बताते हुए उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ आने वाली पीढ़ियों को आस्था और संकल्प की प्रेरणा देगा, बल्कि अनंतकाल तक पूरी मानवता को प्रेरित करेगा। दशकों तक हिन्दू-मुस्लिम समुदायों के बीच विवाद का केंद्र रहे श्री राम जन्मभूमि स्थल पर जब मोदी पूजा-अर्चना कर रहे थे, उस वक्त देशभर के लोग अपने घरों में टेलीविजन से चिपके रहे और इस पल के गवाह बने। पिछले साल उच्चतम न्यायालय ने इस विवाद का निपटारा कर दिया था। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर यह भी कहा कि जिस प्रकार स्वतंत्रता दिवस लाखों बलिदानों और स्वतंत्रता की भावना का प्रतीक है, उसी तरह राम मंदिर का निर्माण कई पीढ़ियों के अखंड तप, त्याग और संकल्प का प्रतीक है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर का शिलान्यास करने के (शेष पेज 9)

40 मिनट में पूरा हुआ भूमि पूजन

अयोध्या। भगवान राम लला के भव्य पूजन के लिए बकुल की लकड़ी से बना पात्र जिसे शंकु कहते हैं, इसमें सोना-चांदी समेत नौ रत्न भरे गए। भूमि पूजन के लिए जमीन में जो गड्ढा किया गया, उसके मूल में इसी बकुल के शंकु को रखा गया। यह पूजन विधि कांचीपुरम पीठ के शंकराचार्य जयेन्द्र सरस्वती जी महाराज ने बताई थी। इसी के साथ नाग-नागिन का जोड़ा, चांदी की ईंट और पावन जल रखा गया। 32 सेकंड के मुहूर्त में प्रधानमंत्री से पूर्णाहुति करवाई गई। पूरा भूमि पूजन कार्यक्रम वैदिक विद्वानों के निर्देशन में 40 मिनट तक चला। जिसमें (शेष पेज 9)

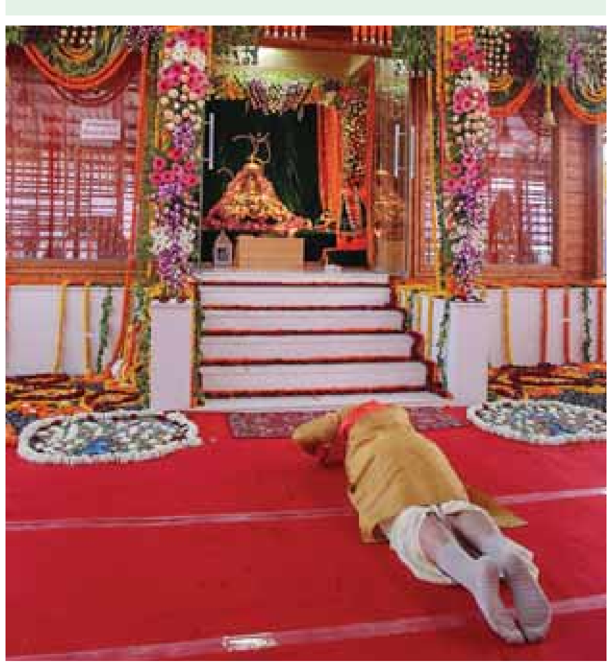

भगवान राम को साष्टांग दंडवत प्रणाम करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

राम सबके और सबमें हैं रामः भागवत

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

भगवान श्री राम के भव्य मंदिर की आधारशिला व भूमि पूजन के बाद आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा आज हमें इस संकल्प पूर्ति का आनंद मिल रहा है। बहुत लोगों ने बलिदान दिए हैं जो सूक्ष्म रूप से उपस्थित हैं। कुछ ऐसे हैं जो यहां आ नहीं सकते। आडवाणी जी अपने घर पर बैठे यह कार्यक्रम देख रहे होंगे। सबसे बड़ा आनंद है, भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिस विश्वास और आत्मभाव की जरूरत थी, वह अधिष्ठान पूर्ण हो रहा है। उन्होंने कहाकि राम सबके हैं और सबमें राम हैं। वे बोले कि मुझे याद है कि तब के सरसंघचालक बाला साहब देवरस ने कदम बढ़ाने से पहले यह बात याद दिलाई थी कि 20-30 साल लगेंगे और उनकी बात पूरी हुई। उन्होंने कहा हमें राम के जीवन चरित्र को अपने मन में डालना होगा। भगवान राम सब को लेकर चले थे। आज हमें उनके आदर्शों को आगे बढ़ाना है और जितना हो सके सबको साथ लेकर आगे चलने की विधि एक बनती है। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर सबको साथ लेकर चलने का अधिष्ठान बन रहा है। भागवत ने राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा अशोक सिंघल और रामचंद्र परमहंस जी महाराज को याद करते हुए कहा कि अगर राम जन्मभूमि आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले यह लोग भी होते तो और अच्छा होता। उन्होंने कहा कि हम सब लोगों को अपने मन की अयोध्या को सजाना है। इस भव्य कार्य के लिए प्रभु श्रीराम जिस धर्म के विग्रह माने जाते हैं वह सबको जोड़ने वाला, सबकी उन्नति मांगने वाला धर्म है। उसकी ध्वजा को फहराकर हम सबकी उन्नति चाहने वाला भारत बना सकें। मन मंदिर कैसा हो, हमारे हृदय में भी राम का बसेरा होना चाहिए। यह सभी दोषों, विकारों और शत्रुता से मुक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रभु श्रीराम हमारी रग-रग में हैं, उनको हमने खोया नहीं है। सब राम के हैं और सबमें राम हैं। इसलिए यहां अब मंदिर बनेगा और भव्य मंदिर बनेगा। संघ प्रमुख ने कहा, सारी प्रक्रिया शुरू हो गई है, दायित्व बांटे गए हैं जिसका जो काम है, वह करेंगे।

भूमि पूजन मेरे लिए उत्साह और उमंग का क्षणः योगी

● मस्जिद की नींव रखने को न मुझे बुलाया जाएगा और न ही मैं जाऊंगा

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राम मंदिर की आधारशिला रखना नवीन युग का प्रारंभ है और यह युग रामराज्य तथा नए भारत के निर्माण का है।

योगी ने कहाकि यह मेरे लिए भावुक उत्साह, उमंग गौरव का भी क्षण है। दूसरी ओर एक समाचार चैनल से बातचीत में योगी से सवाल किया गया कि राम मंदिर के भूमि पूजन पर आपने सभी धर्मों के लोगों को बुलाया, वे कार्यक्रम में शामिल भी हुए। ऐसे में कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में जब मस्जिद की नींव रखी जाएगी तो सीएम योगी वहां नहीं जाएंगे। इस पर योगी ने कहाकि मेरा जो भी काम है, वह मैं करूंगा। बाकी मुझे न तो वहां बुलाया जाएगा और मैं वहां जाऊंगा भी नहीं। योगी ने कहाकि मुझे पार्टी और प्रधानमंत्री ने जो दायित्व दिया है, उस काम को करने के लिए मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं। मेरी गुरु परंपरा ने यह संकल्प दशकों पूर्व देखा था, यह आज साकार हुआ है। उन दिव्य आत्माओं को इससे असीम शांति मिल रही होगी।

मंच पर जितने भी महानुभाव थे, ये सभी राम जन्मभूमि के साथ बहुत आत्मीय रूप से जुड़े रहे हैं। स्वाभाविक रूप से यह दिन हमारे लिए उमंग-उत्साह का दिन भी है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने लोकतांत्रिक तरीके से राम मंदिर निर्माण का समाधान निकाला। इस घड़ी की प्रतीक्षा में कई पीढ़ियां गुजर चुकी हैं। हमने तीन साल पहले अयोध्या में (शेष पेज 9)

अधिकांश विपक्षी दलों ने स्वागत किया लेकिन ओवैसी नाराज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विपक्षी दलों ने राम मंदिर निर्माण के शुभारंभ पर सधी हुई प्रतिक्रियाएं दीं और अधिकांश ने इसका स्वागत किया है। कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन होने पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान राम मन की गहराइयों में बसी मानवता की मूल भावना हैं और वह कभी घृणा एवं अन्याय में प्रकट नहीं हो सकते।

राहुल गांधी ट्वीट किया, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम सर्वोत्तम मानवीय गुणों का स्वरूप हैं। वह हमारे मन की गहराइयों में बसी मानवता की मूल भावना हैं। राम प्रेम हैं। वह कभी घृणा में प्रकट नहीं हो सकते। शिवसेना ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भूमि पूजन से पार्टी संस्थापक बाल ठाकरे का सपना साकार हुआ है। वहीं, उसकी सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने इसे खुशी का मौका करार दिया। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने ट्वीट किया, बाला साहेब का सपना साकार हुआ। इससे पहले (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	37,663	↓	24
निफ्टी	11,101	↑	6
सोना	56,181	↑	1365/10g
चांदी	72,726	↑	5972 /kg

क्विक न्यूज

भारत ने लगाई चीन को कड़ी फटकार

नई दिल्ली। भारत ने जम्मू कश्मीर के 2019 में किए गए पुनर्गठन को अवैध एवं अमान्य बताने को लेकर बुधवार को चीन की आलोचना करते हुए कहा कि इस विषय पर बीजिंग का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है और उसे दूसरे देशों के अंदरूनी मामलों में टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने जम्मू कश्मीर पर भारत के फैसले के एक साल पूरा होने के मौके पर चीन की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस विषय पर चीन के पास कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। इसे कुछ ही घंटे पहले, बीजिंग में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि जम्मू कश्मीर की यथास्थिति में कोई भी एकतरफा बदलाव अवैध एवं अमान्य है।

वायरस ने बढ़ाई रफ्तारः लगातार सात दिन से आ रहे 50 हजार केस

● बीते 24 घंटों में देश में 52,509 मामले, 857 मौतें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में बुधवार को कोरोना वायरस के 52,509 मामले सामने आए और 857 मौतें हुईं। इसी के साथ देश में कुल मरीजों की संख्या 19,08,255 पहुंच गई। इनमें 5,86,244 का इलाज चल रहा है और 12,82,216 ठीक हो चुके हैं जबकि 39,795 लोग जान गंवा चुके हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह लगातार सातवां दिन है जब देश में प्रतिदिन 50 हजार या इससे अधिक केस आ रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार राजधानी में बुधवार को 1,076 नए संक्रमित मिले और 11 लोगों की मौत हुई। अच्छी बात यह है कि एक जुलाई के बाद यहां सबसे कम मौतें दर्ज की गई हैं। यहां कुल संक्रमित मरीज 1.4 लाख से अधिक हो गए, जबकि बीमारी से मरने वालों की संख्या 4,044 हो गई। महाराष्ट्र अभी भी सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में शामिल है, जहां बुधवार को 4,866 केस आए।

यहां कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 142458 है और 2,99,356 ठीक हो चुके हैं जबकि 16,142 की मौत हो गई। तमिलनाडु में एक दिन में सबसे अधिक 112 मौतें हुईं। इस तरह यहां मरने वालों की संख्या 4,461 हो (शेष पेज 9)

स्वस्थ होने की दर 67.19 फीसद, मृत्यु दर में कमी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना से एक दिन में सबसे ज्यादा पिछले 24 घंटे में कुल 51,706 लोग ठीक हुए हैं। इससे बुधवार को संक्रमण से ठीक होने की दर 67.19 फीसद हो गई और मृत्यु दर गिरकर 2.09 फीसद पर आ गई। मंत्रालय ने बताया कि देश में 12,82,216 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं और संक्रमण के मौजूदा मामलों से दोगुना लोग स्वस्थ हो चुके हैं। वर्तमान में 5,86,244 संक्रमित मरीज हैं। यह कोविड-19 के कुल मामलों का 30.72 फीसद है। मंत्रालय ने कहा कि मंगलवार को लगातार दूसरे दिन कोरोना के छह लाख से (शेष पेज 9)

सीबीआई करेगी सुशांत सुसाइड केस की जांच

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिनेता की मौत की सच्चाई सामने आनी चाहिए

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई/पटना

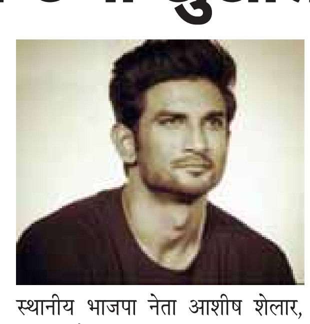

हर तरफ से उठती मांग के बीच केंद्र सरकार ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले की जांच बुधवार को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी।

इस संबंध में प्रशिक्षण विभाग और केंद्र सरकार के कर्मियों द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई। केंद्र के कदम से महाराष्ट्र सरकार को झटका लगा है। क्योंकि, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और गृह मंत्री अनिल देशमुख कहते आ रहे थे कि मामले को सीबीआई को सौंपने की कोई जरूरत नहीं है। बिहार सरकार के अलावा, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और स्थानीय भाजपा नेता आशीष शेलार, भाजपा के राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी, मुजफ्फरपुर से भाजपा सांसद अजय निषाद समेत हर तबके से होनहार अभिनेता सुशांत की मौत की असली वजह जानने के लिए सीबीआई जांच की मांग की जा रही थी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मंगलवार को सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। नीतीश ने कहा कि उनकी सरकार ने सुशांत के पिता की सहमति के बाद मामला केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपने का फैसला किया। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुशांत सिंह राजपूत जैसे प्रतिभाशाली कलाकार की असामान्य परिस्थितियों में मौत हो गई। मामले में सच्चाई सामने आनी चाहिए। न्यायाधीश ऋषिकेश रॉय ने सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती की मामले को पटना से मुंबई स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका पर बहस को सुनते हुए कहा कि बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है।

न्यायाधीश रॉय ने कहा कि जिन परिस्थितियों में मौत हुई है, उनकी जांच-पड़ताल करने की आवश्यकता है। इसी से हकीकत सामने आएगी। हमें कानून के मुताबिक आगे बढ़ने की जरूरत है। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र, बिहार और सुशांत राजपूत के पिता कृष्ण किशोर सिंह को राजपूत की दोस्त रिया चक्रवर्ती की याचिका पर तीन दिन के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। रिया ने पटना में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को मुंबई स्थानांतरित करने की मांग की थी।

ईडी ने रिया को कल पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उनके पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत से उत्पन्न धनशोधन मामले के सिलसिले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को सात अगस्त को पूछताछ के लिए सम्मन किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि चक्रवर्ती से पूछताछ की जाएगी और उनके बयान को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया जाएगा। यह पूछताछ उस धनशोधन मामले से जुड़ी है, जो पिछले हफ्ते ईडी ने बिहार पुलिस की प्राथमिकी के आधार पर दर्ज किया था, जिसमें राजपूत के पिता ने चक्रवर्ती और उनके परिवार पर बॉलीवुड अभिनेता को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था।

सेवानिवृत्त सरकारी कर्मी साइबर जालसाजों से रहें सावधान

हरियाणा पुलिस ने जारी एडवाइजरी में कहा, बैंक की निजी जानकारी मोबाइल पर किसी को न बताएं

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस ने नागरिकों विशेषकर हाल ही में सेवानिवृत्त हुए सरकारी कर्मियों को एडवाइजरी जारी करते हुए उन्हें मोबाइल फोन पर आने वाली कॉल से सतर्क रहने और बैंक संबंधित निजी जानकारी किसी अनजान को न बताने का अनुरोध किया है, क्योंकि ऐसा करने से वे सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभ के बहाने साइबर फ्रॉड का शिकार हो सकते हैं।

नागरिकों को साइबर जालसाजों से सतर्क रहने की सलाह देते हुए हरियाणा के एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर नवदीप सिंह विर्क ने बुधवार को बताया कि साइबर अपराध का एक नया चलन सामने आया है, जिसमें ऐसे जालसाज लॉकडाउन प्रतिबंधों का फायदा उठाते हुए सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों को टारगेट कर रिटायरमेंट के बाद मिलने वाले पेंशनरी लाभ के बहाने उन्हें ठगने का प्रयास कर सकते हैं।

साइबर अपराध के तरीके बारे बताते हुए, एडीजीपी ने कहा कि साइबर जालसाज सबसे पहले सेवानिवृत्त कर्मियों के बारे में कुछ बुनियादी व्यक्तिगत जानकारी जुटाते हैं और फिर सरकारी खजाना विभाग के नाम से अपने टारगेट को फोन करते हैं। इसके बाद, वे फोन पर जन्मतिथि, सेवानिवृत्ति की तिथि और अधिकारी की अंतिम पोस्टिंग आदि का सही उल्लेख कर पीड़ित का विश्वास जीतने की कोशिश करते हैं।

विश्वास में लेने के बाद, ऐसे जालसाज पेंशन से संबंधित डेटा अपडेट करने के लिए बैंक खाता नंबर, पासवर्ड और लेन-देन का विवरण जैसी व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करके साइबर ठगी का प्रयास करते हैं।

ऐसे साइबर अपराधियों से बेहद सतर्क रहने का सुझाव देते हुए विर्क ने कहा कि सेवानिवृत अधिकारी, कर्मचारी सहित अन्य नागरिक भी अपनी गोपनीय जानकारी जैसे बैंक खाता नंबर, पासवर्ड, ओटीपी और लेनदेन का विवरण किसी भी अनजान व्यक्ति या कॉलर से साझा न करें।

साइबर क्राइम से निपटने की क्षमता होगी तीन गुणा

विर्क ने बताया कि हरियाणा सरकार ने बढ़ते साइबर अपराध की समस्या को गंभीरता से लिया है। प्रदेश में जल्द ही छह और नए साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन आने वाले हैं, जो फरीदाबाद, रोहतक, करनाल, अंबाला, हिसार और रेवाड़ी में स्थापित होंगे। ये पंचकूला और गुरुग्राम में वर्तमान में मौजूद दो साइबर अपराध पुलिस थानों के अतिरिक्त होंगे। साइबर अपराध से लडने् के लिए हरियाणा पुलिस की मौजूदा क्षमता को तीन गुना तक बढ़ा सकेंगे।

मंदिर निर्माण शुरू होने पर साईं भक्तों ने चंडीगढ़ तक की पैदल यात्रा

चंडीगढ़। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शुरू होने के अवसर पर बुधवार को श्रद्धा और सबुरी परिवार की तरफ से पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। जीरकपुर से साईं भक्त सोनिया शर्मा, सौरभ शर्मा, रमन सेठी, रितिका कौल समेत भारी संख्या में पैदल यात्रा शुरू की। यह यात्रा चंडीगढ़ के सेक्टर-29 स्थित साईं मंदिर में संपन्न हुई। साईं भक्तों ने कहा कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शुरू हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

इनसो कार्यकर्ताओं ने शहर में किया सेनेटाइजर का छिड़काव

रादौर। इनसो स्थापना दिवस के अवसर पर कोरोना वायरस की बीमारी के चलते इनसो कार्यकर्ताओं ने शहर के मेन बाजार, काम्बोज धर्मशाला, बस स्टैंड, थाना रादौर, नगरपालिका, बीडीपीओ कार्यालय, मार्केट कमेटी आदि में सैनिटाइजर का छिड़काव किया। इस अवसर पर इनसो के जिला चेयरमैन अजय राव के नेतृत्व में सैनिटाइजर अभियान चलाया गया। इस अवसर पर अजय राव ने कहा कि सिर्फ स्वच्छता से ही कोरोना पर विजय पाई जा सकती है तथा इनसो अपने पूरे दल बल कर साथ इस कार्य में जुटी हुई है। इस अवसर पर राजेश पायलट, गौरव करतारपुर, हिमांशु कंबोज, मोहित, प्रीत चहल, प्रज्वल काम्बोज, अंशुल, रोबिन, पुनीत, शुभम, नयन, यश शर्मा, अमित करतारपुर, संग्राम राव आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री 9 अगस्त को पाढा में विकास कार्यों का करेंगे निरीक्षण

करनाल। आगामी 9 अगस्त को मुख्यमंत्री मनोहर लाल का पाढा गांव में प्रस्तावित दौरा है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर गांव के पंचदेव तीर्थ पर मॉडल पौंड और पंचदेव तीर्थ के सौंदर्यकरण करवाने की घोषणा की थी। अब तीर्थ पर चल रहे विकास कार्य अंतिम चरणों में है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले अतिरिक्त उपायुक्त ने बुधवार को पाढा में चल रहे विकास कार्यो का निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि पौंड पर चल रहे कार्य में तेजी लाई जाए और जल्द से जल्द रास्तों का काम पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं अपनी घोषणाओं पर चल रहे कार्य की प्रगति देखेंगे। निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही ना हो, निर्माण कार्य में प्रयोग होने वाली सामग्री में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

शिक्षा में ऑनलाइन तकनीक अब सबसे बड़ी जरूरत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीता खन्ना ने कहा है कि वर्तमान में पूरा विश्व कोरोना महामारी से पीड़ित है। इसने शैक्षणिक जगत के समक्ष चुनौती एवं अवसर दोनों प्रस्तुत किए हैं। कोरोना के समय में शिक्षा व्यवस्था में हर दिन तकनीकी परिवर्तन हो रहे हैं। इसलिए आनलाइन तकनीक अब शिक्षा प्रणाली में सबसे बड़ी जरूरत साबित हो रही है। उन्होंने ये विचार बुधवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संकाय विकास केन्द्र द्वारा आयोजित वर्चुअल कार्यशाला नेविगेशन ऑन गूगल क्लासरूम को सम्बोधित करते हुए कहीं। कुलपति ने कहा कि आगामी वर्षों में पूरी दुनिया में व्यापक बदलाव होंगे। इसमें शिक्षा भी शामिल हैं। हमें यह तय करना होगा कि समाज के अंतिम व्यक्ति का नुकसान न हो तभी शैक्षिक रूप से भारत आत्मनिर्भर बन सकेगा। इस अवसर पर पंजाब विश्वविद्यालय से यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तेजिन्द्र सिंह ने विशेषज्ञ की भूमिका निभाई। उनके द्वारा शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए गूगल क्लासरूम की उपयोगिता के बारे में बताया गया। इसके साथ-साथ रूबरिक असाईनमेंट, क्विज और गूगल क्लासरूम में गूगल मीट के उपयोग पर भी प्रकाश डाला गया। प्रो. नीरा वर्मा ने विशेषज्ञ व प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. तरूणा चौधरी ढल ने कार्यक्रम संचालक की भूमिका निभाते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

प्रदेशाध्यक्ष से मिले सर्वजातीय कंडेला खाप के प्रतिनिधि

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ से मिलने के लिए सर्वजातिय कंडेला खाप का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को भाजपा के पंचकूला स्थित उनके आवास पर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में सर्वजातिय कंडेला खाप के प्रधान व सर्वजातीय खाप पंचायत के राष्ट्रीय संयोजक टेकराम कंडेला समेत खाप के अन्य सदस्य मौजूद थे। खाप के पदाधिकारियों ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से मिलकर मुख्यमंत्री कोरोना रिलीफ फंड के लिए एक लाख की राहत राशि चेक से भेंट की।सर्वजातिय खाप ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष धनखड़ से कंडेला खाप के ऐतिहासिक चबूतरें के निर्माण कार्य को पूरा करवाने, जींद जिले के अन्य विकास कार्यों और प्रदेश के किसानों से जुडी समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने खाप के सदस्यों को आश्वस्त करते हुए सभी बातों पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल चर्चा करते हुए जल्द समाधान की बात कही। प्रतिनिधिमंडल ने उक्त समस्याओं और कामों के प्रति भाजपा प्रदेशाध्यक्ष द्वारा दिखाई गई गंभीरता की प्रशंसा भी की।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वर्कशॉप आयोजित

रादौर। जेएमआईटी इंजिनियरिंग कालेज में बुधवार को तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र में प्रोफेसर सुशील कुमार ने उपग्रह व्यवस्थित करने के लिए एवं डॉक्टर देवेंद्र सिंह ने आकाशीय विद्युत के निर्वहन से संबंधित अपने अपने व्याख्यान दिए। दूसरे सत्र में हिंदू विश्वविद्यालय बनारस के भौतिकी विभाग में प्रोफेसर अभय कुमार सिंह ने सुदूर संवेदन पर अपने व्याख्यान के साथ-साथ शोध पत्रों से संबंधित परिणामों को भी सभी श्रोताओं के साथ साझा किया। इसी सत्र में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से डॉ जयंती ने पौधों के अवशेष से प्राकृतिक एवं उपयोगी खाद्यान्न के विषय पर संबोधन दिया।

कोविड-19 : पहली बार चंडीगढ़ में मनेगा स्वतंत्रता दिवस

कोरोना के कारण किसी भी कार्यक्रम में नहीं जुटेगी भीड़

राजभवन में इस बार नहीं होगा एटहोम कार्यक्रम

आत्मनिर्भर भारत की थीम पर ऑनलाइन होंगे कार्यक्रम

कहां कौन करेगा ध्वजारोहण

मुख्य अतिथि का नाम	पद का नाम	जिला का नाम
ज्ञान चंद गुप्ता	स्पीकर विधानसभा	अंबाला
रणबीर गंगवा	डिप्टी स्पीकर	भिवानी
मनोहर लाल	मुख्यमंत्री	पंचकूला
दुष्यंत चौटाला	उप मुख्यमंत्री	गुरुग्राम
कंवर पाल	शिक्षा मंत्री	फरीदाबाद
मूलचंद शर्मा	परिवहन मंत्री	पलवल
रणजीत सिंह	ऊर्जा मंत्री	हिसार
जयप्रकाश दलाल	कृषि मंत्री	नारनौल
बनवारी लाल	सहकारिता मंत्री	कुरूक्षेत्र
ओम प्रकाशयादव	राज्य मंत्री	रेवाड़ी
कमलेश ढांडा	राज्य मंत्री	जींद
अनूप धानक	राज्य मंत्री	रोहतक
संदीप सिंह	राज्य मंत्री	करनाल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में स्वतंत्रता दिवस समारोह पर कोरोना का असर दिखाई देगा। पचास साल में पहली बार हरियाणा का राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह हरियाणा की बजाए चंडीगढ़ में होगा।

कोरोना के चलते इस बार 15 अगस्त को जहां राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य राजभवन में आयोजित राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान ध्वजारोहण करेंगे, वहीं पहली बार एट होम कार्यक्रम का आयोजन नहीं होगा। हरियाणा की मुख्य सचिव ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर गाइडलाइन जारी कर दी है। जिसके तहत प्रदेश में होने वाले किसी भी कार्यक्रम में पहले की तरह भीड़ नहीं जुटेगी।

प्रदेश में जिला, मंडल, उपमंडल से लेकर गांव स्तर तक कार्यक्रमों का आयोजन तो किया जाएगा लेकिन स्कूली विद्यार्थियों द्वारा किसी तरह के लाइव कार्यक्रम प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे।

सरकार व प्रशासन द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों पुलिस, मिल्ट्री तथा सामान्य श्रेणी का बैंड भाग नहीं लेगा। अलबत्ता रिकार्डिंग वाली देशभक्ति धुनें बजाई जाएंगी। आम लोगों की सुविधा के लिए बड़ी स्क्रीन, डिजीटल प्लेटफार्म पर कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा पेश किए जाने वाले कार्यक्रम भी स्क्रीन आदि के माध्यम से पूर्व रिकार्डिड प्रस्तुत किए जाएंगे। लाइड एंड सांउड शो का आयोजन किया जा सकता है। हर तरह के कार्यक्रम का मुख्य थीम आत्मनिर्भर भारत होगा।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पौधारोपण, सामूहिक गीत संगीत कार्यक्रम, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आदि किए जाते हैं। इस बार इस तरह के सभी कार्यक्रम ऑनलाइन प्लेटफार्म पर होंगे।

कोरोना योद्धा और कोरोना को हराने वाले होंगे अतिथि

हरियाणा सरकार द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि इस बार के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों में भले ही भीड़ नहीं जुटाई जाएगी लेकिन सरकारी कार्यक्रमों में डाक्टर, हेल्थ वर्कर, सफाई कर्मियों समेत उन तमाम कोरोना योद्धाओं को बुलाया जाएगा। जिनकी कोरोना काल में अहम भूमिका रही है। इसके अलावा जो लोग कोरोना को हराकर सामान्य जीवन में वापस लौटे हैं उन्हें भी इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बुलाया जाएगा।

अनिल विज नहीं होंगे समारोह में शामिल : हरियाणा सरकार द्वारा जहां मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्रियों के कार्यक्रम जारी कर दिए गए हैं वहीं इस सूची में गृह मंत्री अनिल विज का नाम नहीं है। विज कूल्हे की चोट के चलते सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग नहीं ले रहे हैं। माना जा रहा है कि इसी कारण से उनका नाम इस सूची में नहीं है। इसके अलावा यमुनानगर,पानीपत, झज्जर, नूंह व सिरसा में संबंधित मंडल आयुक्त तथा चरखी दादरी, सोनीपत, कैथल और फतेहाबाद में संबंधित जिला उपायुक्त ध्वजारोहण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे।

पूजा काम्बोज को बहादुरी के लिए किया सम्मानित

रादौर के गांव चमरोडी में पूजा कांबोज को फूलमालाओं से सम्मानित करते ग्रामीण।

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

गांव चमरोडी में बुधवार को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पूजा कांबोज को उसकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित हुए। कंबोज सभा के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानचंद कंबोज विशेष अतिथि तौर पर उपस्थित रहे।

समारोह में समस्त गांव की ओर से गांव की बेटी पूजा कांबोज को शाल भेंटकर व फुल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि मजबूत इच्छाशक्ति से समाज की बुराइयों का मजबूती से मुकाबला किया जा सकता है। आज के युग में महिलाओं का हर क्षेत्र में मजबूत होना ही सही अर्थों में सामाजिक विकास है। गांव की बेटी पूजा कंबोज ने सेक्टर-17 जगाधरी हुड्डा में अपने निवास पर एक चोर जो हथियार सहित दिन में ही घर में प्रवेश कर गया था।

उसका बहादुरी से अपनी जान की परवाह न करते हुए सामना किया। इस अवसर पर लालचंद कंबोज, वेदप्रकाश कंबोज, ओमप्रकाश राझेड़ी, ईश्वर सिंह पूर्व सरपंच जयपुर, जगमाल सिंह रतनगढ़ माजरा, जयपाल चमरोडी जिला उपाध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन, जसमेर सिंह कंबोज आदि मौजूद रहे।

मंदिर के निर्माण की नींव देश के लिए बड़ा दिन : अशोक छाबड़ा

सोनीपत। अयोध्या में काफी समय से देशवासियों की तरफ से श्रीराम मंदिर बनाने की मांग की जा रही थी। बुधवार को देश के प्यार व स्नेह के चलते अयोध्या में श्री राम मंदिर की नींव रखी गई। श्री राम मंदिर के निर्माण के लिए नींव रखना देश के लिए अब तक का सबसे बड़ा दिन कहा जाए तो कुछ गलत नहीं होगा। ये बातें बुधवार को काट मंडी में स्थित खाटू श्याम मंदिर में पूजा अर्चना के दौरान कांग्रेस के वरिष्ट नेता व पूर्व नगर परिषद चेयरमैन अशोक छाबड़ा ने कही। इस दौरान उनके साथ काफी श्रद्धालुओं ने श्री राम जी के जयकारे लगाए। पूर्व चेयरमैन अशोक छाबड़ा ने कहा कि अयोध्या में काफी समय से श्रीराम के मंदिर के निर्माण की मांग की जा रही थी। श्रीराम मंदिर के निर्माण के लिए नींव रखना देश के लिए बड़ा दिन है। वे उम्मीद करते हैं कि मंदिर का निर्माण जल्द से जल्द पूरा होना चाहिए। इस दौरान प्रदीप गौतम ने कहा कि अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन का सदी का सबसे बड़ा अनुष्ठान होगा। मंदिर में पूजा अर्चना के दौरान आसपास के लोगों को कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने को लेकर जागरूक करते हुए मास्क व सैनिटाइजर की बोतलें वितरित की। इस अवसर पर सीमा गोयल, भूपेन्द्र गहलावत, प्रेमनारायण, सुनीता सिंगला, पूनम, विजय, नितिन, मनोज आदि ने श्रीराम के जीवन का गुणगान किया।

भूमि पूजन के पावन अवसर पर किया हवन

निगदू। श्रीराम मंदिर के भूमि पूजन के अवसर पर बुधवार को रामा ड्रामैटीक क्लब व कस्बावासियों के द्वारा देवी दुर्गा मंदिर में रामलीला स्टेज पर हवन का आयोजन किया गया। पंडित नरेश शर्मा, पंडित शिव कुमार और पंडित रवि शर्मा ने मंत्रोच्चारण कर हवन किया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने हवन में आहुति डाली। हवन के उपरांत सेवकों द्वारा कस्बे में और मार्केट की दुकानों में प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके महंत अनिला नंद गिरी, पंडित सुभाष शर्मा, शांति देवी, सुनीता तेहरी, ज्योति, बाली कवात्रा, राजेंद्र रहेजा, नरेश कुमार, कृष्ण शर्मा, नरेश चुचरा, हरभजन सिंह, दर्शन धमीजा, कर्ण, मास्टर रमेश चुचरा, सुभाष चंद डोडा, अर्पण गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष कर्मबीर शर्मा, डॉ. बूटा राम, भीष्म राणा, रामदर्शन शर्मा, महिंद्र चुचरा, रामनिवास गुप्ता, डॉ. रमेश चुचरा, रामलाल वर्मा, डॉ. फूल सिंह, जयदेव, जीवन अनेजा, दीपक शर्मा, रोहताश गुप्ता, मोहन कोयर, जनक राम, सतीश शर्मा, दीपक राणा, कुलदीप शर्मा, पंकज चुचरा, भरतू राम, राज माजरा, सुभाष गुप्ता, मदन तेहरी, मोहित छाबड़ा, योगेश, तोशिक व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

मंदिर के निर्माण की खुशी में किया हनुमान चालीसा पाठ

रादौर । अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माणारम्भ के अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी परिषद हरियाणा की ओर से बुधवार को शहर के शाकुम्भरी धर्मकांटा में प्रदेशाध्यक्ष आचार्य भगवती प्रसाद शुक्ल के निर्देशन में एकादश दीपदान, श्रीहनुमान चालीसा का पाठ व हवन यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्य भगवती प्रसाद शुक्ल ने कहा कि 500 वर्ष के बाद यह एतिहासिक अवसर आया है। श्रीराम मंदिर बनने की खुशी में दीपावली से पहले ही दीप जलाकर दीवाली बनाई जायेगी। यह क्षण हिंदुओं के लिए बड़ा ही सौभाग्यशाली है। इस अवसर पर पार्षद भगवत दयाल कटारिया, अश्वनी गुप्ता, राकेश सिंगला, महेश कुमार, संजय शर्मा, कुलदीप गुप्ता, अमन सिंगला, लाला मुंनीलाल गुप्ता, रिषभ गुप्ता आदि मौजूद रहे।

श्रीराम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा : दीपक वर्मा

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत।

संत नामदेव रोहिल्ला टांक संघ के प्रधान दीपक वर्मा, संरक्षक राजेन्द्र रोहिल्ला ने कहा कि बुधवार का दिन देश के लिए स्वर्णिम अवसर लेकर आया है। जब देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य एवं दिव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए भूमि एवं शिलापूजन के साथ आधारशिला रखी। इस मौके पर संत नामदेव रोहिल्ला टांक संघ के पदाधिकारियों ने विवेकानन्द स्कूल में भगवान श्रीराम के आगे दीपक जलाकर श्रीराम जन्मभूमि एवं मंदिर के शिलापूजन की खुशी मनाई।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में मर्यादा पुरूषोत्तम राम के मंदिर निर्माण को लेकर कई युद्ध लड़े गए। सैकड़ों लोगों ने इसके लिए बलिदान दिया।

श्रीराम मंदिर भूमिपूजन के अवसर पर दीप जलाकर खुशी मनाते सर्वसमाज के लोग।

हमारे देश एवं हमारी संस्कृति के मानबिन्दुओं वाले स्थानों को अत्याचारियों द्वारा नष्ट करने का प्रयास किया गया। भूमि एवं शिलापूजन के मौके पर देशवासियों ने घरों, बाजारों में दीये जलाकर खुशी मनाई। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम दुनिया के एकमात्र ऐसे चरित्र हैं, जिन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम के नाम से जाना जाता है।

उन्होंने भगवान श्रीराम जन्मभूमि के लिए बलिदानियों का स्मरण भी किया। प्रधान दीपक वर्मा ने कहा कि अयोध्या में बनने वाला श्रीराम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा है। भगवान श्रीराम सनातन संस्कृति, मानवता, नैतिकता, प्रेम व सद्भाव के प्रतीक हैं। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीराम जन्मभूमि पर भूमि पूजन किया, इसका साक्षी बनने के लिए देश के सभी क्षेत्रों एवं वर्गों में काफी उत्साह बना रहा।

इस मौके पर राजेन्द्र रोहिल्ला, दीपक वर्मा, श्याम सुन्दर रोहिल्ला, सुनील रोहिल्ला, जयभगवान रोहिल्ला, रणबीर सिंह रोहिल्ला, रामनिवास रोहिल्ला, मंगलसैन रोहिल्ला, बुलगानन्द रोहिल्ला, रामफल रोहिल्ला, नवीन रोहिल्ला, दिनेश कुमार रोहिल्ला, सुखबीर सिंह सागु, सुरेन्द्र रोहिल्ला, जगदेव छिक्कारा, रामफल रोहिल्ला, धर्मबीर शर्मा, हिमांशु रोहिल्ला सहित अन्य कई अन्य लोग मौजूद रहे।

श्रीराम जन्म भूमि पर मंदिर निर्माण का सपना हुआ साकार

रादौर। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण की नीव रखे जाने पर गांव मंधार में बुधवार को पूर्व राज्यमंत्री कर्णदेव कांबोज ने दीप जलाकर खुशियां मनाई। पूर्व राज्य मंत्री कर्ण देव काम्बोज ने अपने पैतृक गांव मंधार स्थित आर्य समाज मंदिर में हवन यज्ञ में आहुति डालकर प्रभू श्रीराम की जय जयकार का उद्घोष किया। पूर्व राज्यमंत्री कर्णदेव कांबोज ने पृथ्वी को हराभरा रखने के लिए पौधारोपण किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री कर्णदेव कांबोज ने कहा कि करीब 500 साल के बाद अयोध्या में रामलला की जन्म भूमि पर उनके मंदिर के निर्माण का सपना साकार हुआ है। अयोध्या ही नहीं अपितु पूरा देश लम्बे समय से श्रीराम मंदिर के निर्माण का सपना देख रहा था। उसे बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साकार किया है। इस अवसर पर आर्य समाज के प्रधान यशपाल, प्रेमपाल आर्य, पूर्व सरपंच कुलदीप, कल्याण सिंह, वैद्य लज्जाराम, दलेल सिंह, अशोक कुमार, मास्टर राजपाल, बजिंद्र, मनफूल, नरेंद्र, ज्ञानसिंह, राजबीर, ओप्रकाश, श्योलाल, बालकिशन, जितेंद्र, विकास कांबोज, विशाल कांबोज, विजयपाल आदि मौजूद रहे।

राम मंदिर का शिलान्यास कर पीएम ने वर्षों पुरानी मांग पूरी की : विधायक

रेवाड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण की नींव एवं आधारशिला रखे जाने पर कोसली विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आज से एक नए युग की शुरुआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली ने देश में महादिवाली का माहौल बना दिया है।

देश के साथ-साथ दुनियाभर के करोड़ों राम भक्तों की आंखें आज खुशियों से नम हैं। कोसली विधायक ने कहा कि देश तथा दुनियाभर के करोड़ों रामभक्तों की वर्षों पुरानी मांग को आज प्रधानमंत्री ने पूरा कर दिया है।

करीब पांच सौ वर्षों के इस लंबे संघर्ष के बाद यह ऐतिहासिक दिन आया है। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में देश के मजबूत नेतृत्व का आत्मविश्वास ही इस ऐतिहासिक पड़ाव तक ले आया है।

हरियाणा प्रदेश को समृद्ध बनाना हमारा लक्ष्य : सीएम मनोहर लाल

लाभार्थियों को सम्मानित करते हुए डीसी सुजान सिंह और एडीसी।

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रदेश को समृद्ध बनाना है। इसके लिए 4 एस पर फोकस करके शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वावलंबन के साथ कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा अब स्वाभिमान को भी जोड़ा गया है। महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सरकार पूर्णतः सजग है।

सीएम ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से महिला एवं किशोरी सम्मान योजना व मुख्यमंत्री दूध उपहार योजना का शुभारंभ किया। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा, मुख्य सचिव केसनी आनंद अरोड़ा मौजूद रही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य के नाते से महिलाओं व छोटे बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता करना बहुत आवश्यक है। यदि महिलाओं का स्वास्थ्य ठीक होगा तो आने वाले पीढियां भी स्वस्थ होंगी। एक स्वस्थ महिला ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है। विशेष तौर पर महिलाओं व बच्चों में अनिमिया की समस्या होती हैं, इसलिए सभी उपायुक्त फ्लैगशीप कार्यक्रम चलाकर अनिमिया की समस्या से निजात दिलाएं। स्वस्थ बच्चे ही कल के भावी नागरिक होंगे। यही बच्चे देश के कर्णधार बनेंगे। बुधवार को दो योजनाओं की शुरूआत की गई है, जिसमें महिला एवं किशोरी सम्मान योजना तथा मुख्यमंत्री दूध उपहार योजना। महिला एवं किशोरी सम्मान योजना शिक्षा विभाग में भी शुरू की जाएगी।

एक साल तक हर महीने बीपीएल महिला लाभार्थी को मिलेंगे छह नैपकिन मुफ्त: मंत्री

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि बुधवार को महिला एवं किशोरी सम्मान योजना तथा मुख्यमंत्री दूध उपहार योजना की शुरूआत की गई है। महिला एवं किशोरी सम्मान योजना के अंतर्गत हरियाणा की 22 लाख बीपीएल महिलाओं को फ्री सैनेटरी नैपकिन दिए जाएंगे। इस योजना से महिलाओं में मासिक धर्म को लेकर जागरूकता बढ़ेगी और बीमारियों से भी छुटकारा मिलेगा। इस योजना के लिए 39 करोड़ 80 लाख के बजट का प्रावधान किया गया है। एक साल तक हर महीने प्रत्येक लाभार्थी को एक पैकेट (6 नैपकिन) मुफ्त दिए जाएंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 6 अगस्त 2020

राम मंदिर भूमि पूजन

सजे मंदिर, जले दीपक, की गई विशेष पूजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन के अवसर पर बुधवार को दिल्ली के मंदिरों को रंग-बिरंगे रोशनी और भगवा झंडों से सजाया गया। मंदिरों में श्रद्धालुओं के जय श्री राम के उद्घोष से पूरा वातावरण राममय हो गया था। ब्रह्म मुहुर्त में मंदिरों में का पट खुलते ही भक्त पूजा-अर्चना के लिए आना शुरू हो गए थे।

छतरपुर मंदिर के प्रशासक किशोर चावला ने बताया कि श्रद्धालुओं ने सुबह की पूजा संपन्न होते ही करीब छह बजे से मंदिर में आना शुरू कर दिया था। मंदिर में राम दरबार सजाया गया है। 'शिला' की प्रतिकृति बनाई गई है और अन्य सामग्री के साथ इसे अयोध्या भेजा जाएगा। करीब 32 पंडितों ने भजनों और ढोलकों एवं डफलियों की थाप के बीच विशेष पूजा की। कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों के कारण सीमित लोगों को ही मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई।

छतरपुर निवासी अलंकार यादव ने कहा यह सपना साकार होने जैसा है। वह सौभाग्यशाली है कि उन्हें यह दिन देखने का मौका मिला। बारिश के बीच मंदिर में राम लला के दर्शन करने आई अनुकृति बंसल ने बताया कि वह इसे टेलीविजन पर देख सकती थी, लेकिन उन्होंने यहां आकर सुंदरकांड का पाठ करने का फैसला किया।

करोल बाग के झंडेवालान मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने सुबह पांच बजे ही पहुंचना शुरू कर दिया था। मंदिर के प्रबंधक विनोद गांधी ने बताया कि पूरे परिसर को रंग बिरंगे प्रकाश से सजाया गया है और पिछले 24 घंटे से रामायण का पाठ जारी है। पूजा के बाद प्रसाद वितरित किया गया। शाम को मंदिर में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे और आतिशबाजी की गई।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दी बधाई

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन को लेकर बुधवार को देशवासियों को बधाई दी। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि भूमि पूजन के मौके पर पूरे देश को बधाई। भगवान राम का आशीर्वाद हम पर बना रहे। उनके आशीर्वाद से देश से भुखमरी, अशिक्षा और गरीबी से मुक्ति मिले और भारत दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र अबने। आने वाले समय में भारत दुनिया को दिशा दे। जय श्री राम! जय बजरंग बली!

आज अवध अंगनवा, कौशल्या भवनवा, बरसे सुमनवा नू हो...

राम भक्ति में डूबे मनोज तिवारी ने गाया सोहर और भजन

संजय राय। नई दिल्ली

भाजपा सांसद व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी बुधवार को पूरी तरह से राम रंग में सराबोर रहे। उन्होंने अपने आवास को ही अयोध्या मय कर दिया था। इस दौरान उनका गीत गायक वाला रूप भी रामभक्ति के साथ सामने आया। तिवारी ने राम भजन और सोहर आज अवध अंगनवा, कौशल्या भवनवा, बरसे सुमनवा नू हो... गाकर सुनाया।

मनोज तिवारी ने शिलान्यास से जुड़ा एक गीत लिखा है, जिसके बोल हैं- उसी अयोध्या जाना है। इसके अलावा राम जन्म को लेकर तुलसीदास की रची गई चौपाई, को भी उन्होंने अपने ही अंदाज में पेश किया और उसे आज के दिन से जोड़ा। इस मौके पर पूजन वंदना के लिए उन्होंने सरयू की मिट्टी और रामेश्वरम का पत्थर भी विशेष रूप से मंगाया। उन्होंने कहा कि भगवान राम के व्यक्तित्व की एक पहचान पूर्वांचली संस्कृति से भी जुड़ती है और ऐसे मौकों पर सोहर की खास परम्परा रही है। भाजपा सांसद ने भोजपुरी में भगवान राम के जन्म से जुड़ा सोहर गाकर सुनाया। साथ ही कहा कि आज हमारी दादी, चाची सब सोहर गा रहीं होंगी। तिवारी ने अपने निवास पर एक बड़ी एलइडी स्क्रीन लगाकर अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर के निर्माण हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किए गए भूमि पूजन का राष्ट्रीय महामंत्री अरुन सिंह, सांसद निशिकांत दुवे भाजपा नेता विजय गोयल के साथ कार्यक्रम को देखा। एक विशेष पंडाल बनाया गया जिसमें अयोध्या से मंगाई गई 5 किलो मिट्टी के ऊपर रामसेतु से लाई गयी शिलाओं की स्थापना की गई सीधे प्रसारण का यह कार्यक्रम शाम तक चला जो अयोध्या की विभिन्न छटाओ को दिखाया गया शाम को दीपशिखा के साथ भगवान श्री राम की आरती कर खुद मनोज तिवारी महा दिवाली मनाई।

गाजियाबाद में रामभक्तों ने मनाई दीवाली

गाजियाबाद। अयोध्या में भगवान श्रीराम के शिलान्यास के बाद गाजियाबाद में दीवाली मनाई गई। ऐतिहासिक दूधेश्वरनाथ मंदिर में विशेष सजावट की गई और 51सौ दिए जलाये गए। इसके अलावा लोगों ने पूजा अर्चना कर प्रसाद का वितरण किया।

इसी कड़ी में हिंडन नदी के तट पर स्थित शिव मंदिर में अनेक व्यापारी व श्रृद्धालु एकत्र हुए और पूरे विधि विधान से हनुमान जी की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर सभी ने हनुमान जी से प्रार्थना की, कि भगवान इस वैश्विक महामारी करोना से सभी को जल्द निजात मिले और हम भी जल्दी प्रभु श्री राम के दर्शन करने अयोध्या पहुंचें।

अयोध्या में रामजन्म भूमि शिलान्यास के बाद शहर के प्रसिद्ध दूधेश्वरनाथ मंदिर में दीए जलाते श्रद्धालु।

रावण की जन्मस्थली बिसरख में भी गूंजा जय श्री राम का नारा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

हमेशा से अपनी धरती के बेटे लंकापति रावण की पूजा करने वाले बिसरख गांव के लोगों ने अयोध्या में श्री रामजन्म भूमि मंदिर निर्माण के लिए ना सिर्फ अपने यहां की मिट्टी भेजी है बल्कि पूरे देश के साथ मिलकर बुधवार को भगवान श्रीराम के नाम का जप कर रहे हैं।

गौरतलब है कि गौतमबुद्धनगर जिले में स्थित बिसरख गांव के लोगों का मानना है कि ऋषि विश्वश्रवा और राक्षस कन्या कैकसी के पुत्र रावण का जन्म उनके गांव में हुआ था। रावण को बेटा मानते हुए गांव के लोग यहां कभी रामलीला का मंचन नहीं करते, यहां दशहरे में कभी रावण दहन नहीं हुआ। लेकिन इस बार गांव में रावण की पूजा की पुरानी परंपरा के साथ ही श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की खुशियां भी मनाई जा रही हैं।

हिंदू रक्षा सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोकानंद महाराज ने बताया कि रावण के मंदिर से मिट्टी से भरा कलश भगवान राम की नगरी अयोध्या पहुंच गया है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को पूरे गांव में लेकर जबरदस्त उत्साह है।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भूमिपूजन के अवसर पर नोएडा के गांव निठारी में हवन पूजन करते मुस्लिम समुदाय के लोग। फोटो : दीपक यादव

राम जन्म भूमि हवन में टूटी मजहब की दीवार

नोएडा। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के भूमिपूजन के पावन अवसर पर ग्राम निठारी, सेक्टर 31 स्थित बी एस मैमोरियल पब्लिक स्कूल में युवा क्रांति सेना के तत्वावधान में हवन पूजन किया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समाज से भी लोग हवन में शामिल हुए और हवन में आहुति दी।

युवा क्रांति सेना के सलाहकार विशेष त्यागी ने कहा आज पूरे विश्व के हिंदूओं के लिये अत्यन्त हर्ष का विषय है, 492 वर्ष बाद राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर हेतू भूमि पूजन हुआ। राम मंदिर बनने से हिदू समाज की वर्षों की आकांक्षा पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि मंदिर बनने से देश में सुख समृद्धि आयेगी।

मासूम से दुष्कर्म, जान से मारने की कोशिश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली एक बार फिर से शर्मसार हुई है। पीरागढ़ी इलाके में एक मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। हैवान ने उस मासूम के साथ हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। पहले उस मासूम के साथ रेप किया गया बाद उसकी जान लेने की भी कोशिश की गई।

बारह साल की बच्ची एम्स अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है। इस बीच दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालिवाल ने पुलिस को पत्र लिखकर इस केस की विस्तृत जानकारी मांगी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम को पुलिस ने 12 साल की एक मासूम बच्ची को खून से लथपथ हालत में बाहरी दिल्ली के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती करवाया था। जब बच्ची को अस्पताल ले जाया गया तो वहां मौजूद डॉक्टर के भी रोंगटे खड़े हो गए। वह बुरी तरह से घायल थी। उसके पूरी शरीर पर धारदार हथियार से चोट के निशान पाए गए थे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे एम्स के लिए रेफर कर दिया जहां उसका इलाज किया जा रहा है लेकिन बच्ची की हालात नाजुक बनी हुई है।

पुलिस सूत्रों का कहना है की बच्ची के साथ जब वारदात हुई तो वह घर में अकेली थी। आशंका है कि उसके साथ रेप और हत्या की कोशिश की गई हो। उसके नाजुक अंगों पर चोट के निशान पाए गए हैं। हालांकि अभी तक रेप की कोई आधिकारिक पुष्टि पुलिस या अस्पताल की ओर से नहीं की गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि फिलहाल मेडिकल रिपोर्ट नहीं मिलने की वजह से रेप की पुष्टि नहीं की जा सकती।

यमुना जल में जहरीले झाग की वजह सीवर से आया डिटर्जेंट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने यमुना में प्रदूषण की निगरानी के लिए एनजीटी द्वारा नियुक्त समिति को बताया कि जुलाई में नदी में देखे गए जहरीले झाग के लिए डिटर्जेंट युक्त सीवर की गंदगी जिम्मेदार है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के सेवानिवृत्त विशेषज्ञ सदस्य बी एस सजवान और पूर्व मुख्य सचिव शैलजा चंद्रा वाली दो सदस्यीय यमुना निगरानी समिति ने पिछले महीने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, डीपीसीसी व उद्योग आयुक्त से नदी में झाग के स्रोत का पता लगाने के लिए उचित कदम उठाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

डीपीसीसी ने यमुना निगरानी समिति से कहा धोबी घाट, फॉस्फेट डिटर्जेंट युक्त सीवर के गंदे पानी, उद्योगों का कचरा और बराज के समीप पानी के वेग को नदी में झाग बनने के लिए जिम्मेदार पाया गया है।समिति ने डीपीसीसी को एक हफ्ते के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए कहा है।

मौसम सुहाना लेकिन इस माह 86 फीसदी कम वर्षा

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बुधवार को बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है लेकिन इस महीने 86 फीसदी कम बरसात हुई है।

मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली, गाजियाबाद, फरीदाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कई इलाकों में बारिश हुई है। जुलाई में सामान्य से अधिक बारिश होने के बाद दिल्ली में अगस्त में अब तक मॉनसून शांत रहा है। सफदरजंग वेदशाला के अनुसार अगस्त में अब तक सामान्य 49.3 मि.मी. के मुकाबले 86 प्रतिशत कम यानि 6.7 मि.मी. बारिश हुई है।

संक्षिप्त समाचार

हनुमान मंदिर में राम दरबार की स्थापना

गाजियाबाद। अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन समारोह को सार्थक मनाने के लिए बुधवार को चौपला मंदिर स्थित सिद्ध प्राचीन हनुमान परिसर में राम दरबार की भव्य स्थापना की गई। इस मौके पर केंद्रीय राज्य सड़क परिवहन मंत्री जनरल वीके सिंह और उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग ने मंत्रोचार के साथ राम दरबार की विधिवत स्थापना की। इससे पूर्व पूरे इलाके में दोनों मंत्रियो ने लोगों के साथ राम दरबार की झांकी भी निकाली। संवाददाताओ से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण देश के हर नागरिक का सपना था जो अब पूर्ण हो गया है। यह ऐसा मंदिर बनेगा कि भारत ही नहीं बल्कि विदेश के लोग भी अयोध्या नगरी का दर्शन करने के लिए आया करेंगे।

चौपला मंदिर इलाके में राम दरबार की मूर्तियों को स्थापित करने के लिए ले जाते हुए केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह व उ.प्र. स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग।

उत्तर रेलवे अस्पताल में लिया गया प्लाज्मा

नई दिल्ली। देश दुनिया कोविड-19 महामारी का सामना कर रही है। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए अभी तक ऐसा कोई भी कारगार ईलाज नहीं है जिससे इस महामारी पर काबू किया जा सके। संक्रमण के खिलाफ किसी भी टीके के अभाव में, प्लाज्मा थैरेपी को एक संभावित इलाज के रूप में देखा जा रहा है। प्लाज्मा थैरेपी की दिशा में बढ़ते हुए उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल नई दिल्ली में पहला प्लाज्मा दान किया गया। दानकर्ता एक कोरोना योद्धा और पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल छात्र है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों और प्रोटोकॉल के अनुसार प्लाज्मा प्रक्रिया को अपनाकर उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल ने एक और उपलब्धि हासिल की है ।

गौतमबुद्धनगर में कोरोना के 105 नए मामले

नोएडा। जनपद में बुधवार को कोविड-19 के 105 नए मामले सामने आए जबकि पिछले 24 घंटे के अंदर 60 मरीज ठीक हो चुके हैं। जनपद में मरने वालों का आंकड़ा 43 पर पहुंच गया है। जिला निगरानी अधिकारी डॉ मनोज कश्यप ने बताया कि बुधवार को कोविड-19 के 105 नए मामले सामने आए हैं जिसके साथ ही जनपद में अब तक 5,644 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए जा चुके हैं। कश्यप ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 60 लोगों को सफल उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई है और अबतक 4,658 मरीज ठीक होकर अपने अपने घर जा चुके हैं।

लावारिश शवों की अस्थियां गंगा में की विसर्जित

गाजियाबाद। खालसा हेल्प इंटरनेशनल द्वारा कोरोना संकटकाल में लगातार समाज सेवा का कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा कोविड सेंटर के माध्यम से लोगों के चेकअप कर उनको इम्यूनिटी हेल्थ मेडिसन और सूखा राशन निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी सेवा भाव के क्रम में कोरोना संकटकाल में हुए लावारिस व प्रवासी शवों के अंतिम दाह संस्कार पुलिस विभाग द्वारा करवाए गए थे जिस कारण उनकी अस्थियां श्मशान भूमि में एकत्रित होती रही। खालसा हेल्प इंटरनेशनल के अध्यक्ष सरदार गुरप्रीत सिंह रम्मी ने मोक्ष धाम प्रबंधक आचार्य मनीष पंडित से संपर्क कर पार्थिव शवों की अस्थियां मोक्षदायिनी गंगा में विसर्जन कर उनके मोक्ष की कामना की। इस दौरान टीम के सहयोगी सदस्य जगदीश्वर जग्गी, इंदर खुराना, सुरजीत सिंह मोंगा आदि मौजूद रहे।

नरेला में गोलीबारी दो लोग घायल

नई दिल्ली। नरेला में एक समूह द्वारा की गई गोलीबारी में दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मंगलवार देर रात सागर और उसके तीन दोस्त संदीप, सागर और आदिल कार से घर लौट रहे थे, तभी साबोली रोड पर दो बाइकों और एक कार में सवार छह लोग आए और उनपर गोलियां चलाईं।

पुलिस ने बताया कि कार में ड्राइवर और उसके साथ वाली सीट पर बैठे सागर और संदीप घायल हो गए जबकि पिछली सीट पर बैठे उसके दोस्तों को कोई चोट नहीं आई है।

फरार चल रहा अंतिम आरोपी गिरफ्तार

पत्रकार हत्या मामला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

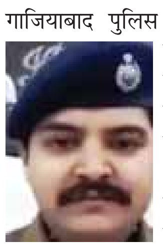

गाजियाबाद पुलिस ने बुधवार को पत्रकार विक्रम जोशी हत्या मामले में फरार चल रहे अंतिम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने यह जानकारी दी।

जोशी को 20 जुलाई को विजय नगर की माता कॉलोनी में उनके घर के निकट बदमाशों ने गोली मार दी थी। उस समय वह अपनी दो बेटियों के साथ दो पहिया वाहन पर सवार थे। जोशी की 22 जुलाई को एक निजी अस्पताल में मौत हो गई थी। नैथानी ने कहा, नौ आरोपियों को घटना के तत्काल बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। एक आरोपी आकाश बिहारी फरार था और उसकी गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान जारी था। उसके सिर पर 25,000 रुपए का ईनाम भी रखा गया था। आकाश को बुधवार तड़के गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा, सभी आरोपियों को अब गिरफ्तार कर लिया गया है।

जोशी के परिवार ने आरोप लगाया था कि स्थानीय पुलिस ने उन बदमाशों के खिलाफ शुरुआत में की गई शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की थी, जिन्होंने पत्रकार की रिश्तेदार के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की थी। जोशी की 16 जुलाई को आरोपियों से बहस हुई थी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हो गई थी और इनमें से एक आरोपी घायल हो गया था।

गाजियाबाद पुलिस ने उस थाना क्षेत्र के प्रभारी को निलंबित कर दिया था, जहां जोशी को गोली मारी गई थी। इस मामले की जांच स्थानीय विजय नगर पुलिस थाने से कोतवाली नगर पुलिस थाने को सौंप दी गई थी।

विवाद में दंपति को मारने के बाद शख्स ने की खुदकुशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके में एक व्यक्ति ने दंपत्ति की चाकू से हत्या करने के बाद खुद भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली। दम्पत्ति और उनके पड़ोसी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। जिसके बाद 50 वर्षीय आरोपी ने दंपत्ति पर चाकू से हमला कर वारदात को अंजाम दिया। घटना मंगलवार देर रात की है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने घटना को अंजाम देने के घर जाकर कपड़े बदले और कथित तौर पर जहर खा लिया। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

दम्पत्ति के दो बच्चे हैं, जिनकी देखभाल अभी उनके एक अन्य पड़ोसी कर रहे हैं। उनके रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दे दी गई है। बिहार में उनके पैतृक निवास से लोग यहां आ रहे हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी के दम्पत्ति और अन्य पड़ोसियों से पहले भी कई बार झगड़े हुए हैं।

कर्मचारी ने यूनियन के नेता को मारा चाकू, हालत गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● सैलरी नहीं मिलने से था नाराज, फरार

लॉकडाउन के दौरान की सैलरी नहीं मिलने से खफा हुए एक युवक ने कर्मचारी यूनियन के नेता पर चाकू से हमला कर दिया।

मामला गाजियाबाद के लिंक रोड इलाके का है जहां पर रामप्रवेश नाम के कर्मचारी यूनियन नेता फैक्ट्री के बाहर मौजूद थे। उसी दौरान एक कर्मचारी आया और रामप्रवेश से अपने वेतन के बारे में पूछा, जिसका जवाब देते हुए यूनियन नेता ने कहा कि जल्द ही उसका वेतन उसे दिलवा दिया जाएगा। इसी दौरान दोनों में कहासुनी हो गई और युवक ने यूनियन नेता पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल रामप्रवेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

बताया जा रहा है कि आरोपी का नाम दिनेश है और वह वेतन के लिए लगातार चक्कर काट रहा था, लेकिन फैक्ट्री से उसे लॉकडाउन के दौरान का वेतन नहीं मिल रहा था। वेतन के लिए उसने कई बार फैक्ट्री मालिक के आगे भी हाथ जोड़े थे, लेकिन वेतन नहीं मिला था। इसके लिए उसने कर्मचारी यूनियन का दरवाजा भी खटखटाया था।

यूपीएससी परीक्षा पास करने वालों से मिले पुलिस कमिश्नर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में सफलता पाने वाले पुलिसकर्मी और उनके परिवार के बच्चों से बुधवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। सफलता पाने वालों में शामिल विशाखा यादव, नवनीत मान, नतीशा माथुर, गरिमा, गौरव कुमार और फिरोज आलम को श्रीवास्तव ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यूपीएससी की सफलता न केवल दिल्ली पुलिस के लिए गर्व की बात है, बल्कि पुलिस कर्मियों के बच्चों को भी उनसे प्रेरणा मिलेगी।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी एसीपी अनिल मित्तल ने बताया कि विशाखा यादव द्वारका जिले में तैनात एएसआइ राज कुमार की बेटी हैं। विशाखा उत्तर प्रदेश की मथुरा की रहने वाली हैं। उन्होंने बीटेक दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनिरिंग से की है। बेंगलुरु में दो साल की इंजीनियरिंग की नौकरी करने के बाद यादव ने यूपीएससी की परीक्षा देने का फैसला किया। पिछले कई साल से वह यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। उन्होंने तीसरे प्रयास में छठी रैंक हासिल की है। इससे पहले दो प्रयास में वह प्रारंभिक परीक्षा भी पास नहीं कर सकी थीं। विशाखा ने कहा है कि उनके पिता दिल्ली पुलिस में काम करते हैं। यही वजह है कि उन्होंने यूपीएससी के लिए मन बनाया। वह फाइनेंशियल स्वतंत्रता हासिल करना चाहती थी।

नवनीत मान के पिता इंस्पेक्टर सुखदेव सिंह मान विजीलेंस यूनिट में तैनात हैं। एसीपी नतीशा माथुर और गरिमा दोनों झरौदा कलां में पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। गरिमा मॉडल टाउन स्थित पीसीआर यूनिट में तैनात एएसआइ श्रीकृष्ण की बेटी हैं। गौरव कुमार के पिता इंस्पेक्टर वीके सिंह सदर बाजार थाने में तैनात थे। वर्ष 2014 में उनकी मौत हो गई थी। फिरोज आलम वर्ष 2010 में दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल के रूप में शामिल हुए थे। वर्तमान में वह सीपीसीआर इकाई हैदरपुर में तैनात हैं।

यूपीएससी में सफलता हासिल करने वालों से मुलाकात कर बधाई देते दिल्ली पुलिस कमिश्नर एस.एन. श्रीवास्तव।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पंचायत कार्यवाही पुस्तक में पंच के फर्जी हस्ताक्षरों का मामला गरमाया

गांव ख्वासपुर के सरपंच के हस्ताक्षर

फर्रुखनगर। हरियाणा सरकार का पढ़ी लिखी पंचायत बनाने का सपना तो साकार हो गया, लेकिन चुने गए जनप्रतिनिधि गोलमाल करने में कसर नहीं छोड़ रहे है। हैरत की बात तो यह है कि सरपंच गोलमाल को दबाने के लिए पंचों के फर्जी हस्ताक्षर और अधिकारियों से मिली भगत करके बैक डेट में प्रस्ताव पास करने में भी गुरेज नहीं कर रहे है। ऐसा मामला खंड के गांव ख्वासपुर में सामने आया है।

सम्बंधित अधिकारियों को दी गई गई शिकायत में गांव ख्वासपुर निवासी पंच महेश यादव ने बताया कि गांव के सरपंच प्रहलाद यादव द्वारा दिनांक 29 मई 2016 से 27 जून 2018 तक पंचायत की कार्यवाही पुस्तिका में उसके 20 हस्ताक्षर फर्जी करके अपना कोरम पूरा करने का कार्य किया है। जो नियमों के खिलाफ है। इतना ही नहीं सरपंच द्वारा कई प्रस्ताव भी पिछली तिथियों में पंचों के हस्ताक्षर करवा कर पास दिखा रखे है। इससे प्रतीत होता है कि सरपंच द्वारा गांव में कराए गए विकास कार्यों में कितनी पारदर्शिता है।

महेश यादव ने बताया कि फर्जी हस्ताक्षरों की जानकारी उसके पिता राव रामनिवास पहलवान द्वारा लगाई गई आरटीआई के जवाब में सरपंच प्रहलाद व खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी द्वारा 26 मई 2020 में दिए गए दस्तावेजों से जानकारी मिली। जब उन्होंने सरपंच के खिलाफ स्थानीय अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की तो उन्होंने की नमुना हस्ताक्षर विशेषज्ञ से सभी हस्ताक्षरों की जांच कराने के लिए कहा।

तावडू में सुबह से शाम तक गूंजे श्री राम के जयकारे

राममंदिर भूमिपूजन होते ही लोगों ने स्वयं को कहा सौभाग्यशाली

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

मंगलवार को राममंदिर भूमि पूजन होने पर लोगों में अपार प्रसन्नता देखी गई। यह कार्तिक का महीना नहीं फिर भी घर-घर दीये जले, पटाखे छूटे। यह दीपावली कुछ अलग थी जिसमें शंखनाद भी हो रहा था व भजन भी गाये जा रहे थे।

हर और स्वर्णिम व मनमोहक दृश्य देखकर कहीं से भी ये नहीं लग रहा था कि ये कोविड का दौर है। अयोध्या में जब राममंदिर का भूमिपूजन चल रहा था उसी समय तावडू में हुई झमाझम वर्षा भी शुरू हो गई। इस दृश्य को देखकर लोगों ने कहा कि देश को राममय होता देख आज इंद्रदेव भी प्रसन्न हो गए। सुबह से लेकर शाम तक मंदिरों में लोगों ने कोविड नियम का पालन करते हुए प्रभु श्रीराम के दर्शन किए। लोगों ने मिठाइयां बांटी।

दीपक भाटी। मुकेश यादव। रोहन सिंह। नरेश ढल। ओमप्रकाश चौहान।

मंदिर के भूमि पूजन पर यह बोले लोग

स्प्रिंग डेजी कॉन्वेंट स्कूल तावडू के संचालक दीपक भाटी ने कहा कि कई सदियों बाद एक ऐसा सपना साकार हुआ जिसके लिए लाखों लोगों ने अपनी जिंदगियां खपा दी व लाखों लोगों ने अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। हम बहुत ही सौभाग्यशाली हैं कि राममंदिर भूमि पूजन के रूप में आज का दिन हमें देखने को मिला।

सरपंच यूनियन नूंह के प्रधान मुकेश यादव ने कहा कि सिर्फ ये दिन देखने के लिए कि अयोध्या में एक न एक दिन भव्य राममंदिर का निर्माण होगा न जाने कितने ही लोगों ने इस राष्ट्रव्यापी यज्ञ में अपनी आहुति दी। राममंदिर भूमि पूजन पर देश में प्रसन्नता की लहर है। राठीवास के सरपंच रोहन सिंह ने कहा कि आज की खुशी को शब्दों में ब्यां नहीं किया जा सकता। आज की पीढ़ी गर्व से कह सकती है कि हमने भव्य राम मंदिर की एक-एक ईंट को लगते देखा है।

समाजसेवी नरेश ढल ने कहा कि आज ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे वनवास पूरा करके मयादज़ पुरूषोतम प्रभु श्रीराम अपने घर को लौट रहे हैं। बेशक लोगों ने टीवी या अन्य माध्यमों से राममंदिर भूमि पूजन कार्यक्रम देखा लेनि राम अनादि से अनंत तक हैं। समस्त विश्व के रामभक्त राम में ही समाये हुए हैं। समाजसेवी ओमप्रकाश चौहान ने कहा कि आज पूरा देश राममय है। विश्व भर में प्रभु श्रीराम पूजनीय व वंदनीय हैं। राममय संस्कृति के तार विश्व भर से जुड़े हैं। राम मंदिर भूमि पूजन से आज ऐसा लग रहा है जैसे पूरा विश्व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद में जुड़ गया है।

संक्षिप्त समाचार

सांसद जौनपुरिया ने सोहना के शिव कुंड पर हवन किया

सोहना। सोहना के शिव कुंड पर राजस्थान की टोंग माधोपुर लोकसभा सीट से सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने अध्योध्या में राम मंदिर भूमि पूजन के उपलक्ष्य में हवन कराया। इस अवसर पर मौजूद भाजपा नेताओं ने आहुतियां डाली। बुधवार को सोहना के धार्मिक स्थल शिव कुंड पर उत्तर प्रदेश की राम जन्मभूमि पर भगवान राम के मंदिर की भूमि पूजन के उपलक्ष्य पर हवन कराया। सोहना से 2005 में विधायक रहे, राजस्थान के सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने कराया। भाजपा के वरिष्ठ नेता सूरजपाल अम्मू भी मौजूद थे। सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण कराने में कांग्रेस पार्टी ने 70 वर्ष का समय निकाल दिया। उस राम मंदिर को देश की सत्ताधारी भाजपा सरकार ने पूरा कर दिया। उन्होंने कहा कि इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को जाता है। जिन्होंने मिलकर वर्षों पुराने विवाद को आपसी भाईचारे से समाप्त करने के बाद बुधवार को भगवान राम की भूमि पर मंदिर बनाने का कार्य शुरू हो गया। सांसद जौनपुरिया ने कहा कि राम मंदिर तीन वर्ष में पूरा होने की संभावना है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मिलकर सरकार चलाएं

सोहना। राजस्थान की टोंग माधोपुर लोकसभा सीट से सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वहां की वर्तमान में कांग्रेस सरकार को चलने में किसी प्रकार की परेशानी पैदा नहीं कर रहे हैं। भाजपा चाहती है कि राजस्थान में कांग्रेस के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मिलकर सरकार चलाएं। बुधवार को अपने पुराने विधानसभा क्षेत्र में आए सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने एक प्रेसवार्ता में बताया कि राजस्थान में कांग्रेस पार्टी अपने आप डगमगा रही है। भाजपा राजस्थान किसी प्रकार की जोड़तोड़ की राजनीति नहीं कर रही है। कांग्रेस पार्टी की सरकार अपने ही नेताओं के रहमोकर्म पर टिकी है। जौनपुरिया ने कहा कि राजस्थान के सीएम कोरोना काल में अपने समर्थक विधायकों को लेकर एक तरफ बैठे हैं। वह भी चाहते हैं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मिलकर सरकार चलाएं। लोगों की समस्याओं का समाधान करें। कोरोना को रोकने के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को अमल में लेकर आएं। ताकि राजस्थान का बच्चा-बच्चा खुश रह सके।

अदालत ने चेन झपटमार को दो दिन की रिमांड पर भेजा

सोहना। सोहना सिटी थाना पुलिस ने चेन लूट मामले में गिरफ्तार बदमाश को दो दिन की रिमांड पर भेजा है। सोहना सिटी थाना पुलिस ने मंगलवार को राजस्थान के जिला अलवर निवासी बदमाश सुनील को बुधवार दोहपर बाद अदालत में पेश किया। सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मुकेश कुमार ने बताया कि सुनील को उसके दूसरे साथी की गिरफ्तारी को लेकर राजस्थान उनके गांव कारहैंडा लेकर जाएगी। सुनील का दूसरा बाइक चालक साथी भी उसके ही गांव का है। उन्होंने बताया कि रिमांड पर आने के बाद से ही सुनील से लूट के अन्य मामलों को लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

सीआईए पुलिस ने गैंगस्टर के भाई को गिरफ्तार किया

सोहना। सोहना सीआईए पांच पुलिस ने अलीपुर निवासी सरपंच पति के गोलीकांड में मृतक गैंगस्टर अशोक राठी के भाई को गिरफ्तार किया है। जेल में बंद राठी के मामा का लड़का गैंगस्टर पुष्कर ने सरपंच पति को गोली मारने के लिए बदमाशों को भेजा था। सोहना सीआईए पांच पुलिस ने मंगलवार शाम सोहना के इंडरी मोड़ पर अलीपुर निवासी मृतक गैंगस्टर अशोक राठी के छोटे भाई महेश उर्फ नीशु राठी को सरपंच पति मनोज डागर पर हुए जानलेवा हमले में गिरफ्तार किया है। सोहना सीआईए पांच के प्रभारी इंस्पेक्टर कुलदीप ने बताया कि महेश उर्फ नीशु राठी के मामा का लड़का गांव पातली निवासी गैंगस्टर पुष्कर के कहने पर मनोज डागर पर हमला किया था। जिसका खुलासा महेश उर्फ नीशु से की गई पूछताछ में हुआ है। बताया कि पुलिस जल्द ही पुष्कर को जेल से पूछताछ के लिए लेकर आएगी। ताकि हमलवर भी जल्द से जल्द गिरफ्तार हो सकें। महेश उर्फ नीशु राठी को पुलिस ने बुधवार को अदालत में पेश किया। अदालत ने महेश उर्फ नीशु को जेल भेज दिया है।

पुलिस कमिश्नर ने दीपक खटाना को किया सम्मानित

सोहना। गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर ने चेन झपटमार को दबोचने वाले युवक को पांच हजार रुपये का नकद पुरस्कार व प्रथम श्रेणी का प्रसंशा पत्र देकर सम्मानित किया है। दमदमा ढाणी निवासी दीपक ने बदमाश द्वारा की गई फायरिंग की परवाह किए बिना ही बदमाश को पकड़ लिया था। दीपक खटाना ने मंगलवार को बाइक सवार बदमाश को उस समय पकड़ा था। जब राजस्थान मूल का बदमाश सुनील अपने साथी के साथ मिलकर दीपक खटाना की बहन के गले से सोने की चेन झपट ले गए। उस समय दीपक स्कूटी से कामकला जा रहा था। दीपक के साथ उसकी मां और बहन भी बैठी थी। बदमाश ने चेन झपटने के साथ ही उन्हें डराने के लिए हवा में कट्टा लहरा दिया। दीपक खटाना ने अपनी मां व बहन को सड़क पर उतारने के बाद बदमाशों का पीछा किया। करीब एक किलोमीटर की दूरी में एक बदमाश को पकड़ लिया था। दूसरा बदमाश बाइक लेकर भाग था।

भगवा में रंगा गुरुग्राम, जय श्रीराम के नारों से गूंजा शहर

राम मंदिर की खुशी में सजाये बाजार

हिंदू संगठनों ने निकाला जुलूस

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सदर बाजार में बुधवार को भगवा गुब्बारों से की गई सजावट।

अयोध्या में राम मंदिर बनने की खुशी में बुधवार की रात से ही शहर के कई क्षेत्रों में सजावट शुरू कर दी गई। सुबह होने तक भगवा गुब्बारों से सजा दिया गया। सुबह जब दुकानदार और ग्राहक बाजार में पहुंचे तो वहां का नजारा ही अलग था। जगह-जगह पर बड़े-बड़े स्पीकर लगाए गए थे और उनमें हिंदुत्व के गीत बज रहे थे। राम मंदिर बनाने से लेकर हिंदुत्व को मजबूत करने की बातें इन गीतों में सुनाई दी। वहीं शहर के हिंदू संगठनों ने जुलूस भी निकाला।

यहां डाकखाना चौक से लेकर जामा मस्जिद चौक तक पूरे सदर बाजार को भगवा गुब्बारों से सजाया गया था। इसके साथ ही भगवा रंग का और भी सजावट का सामान लगाया गया था। बाजार में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर स्पीकर रखे गए थे। जिनमें जोश पैदा करने वाले गीत बज रहे थे।

यहां बज रहे गीतों के बोल थे- घर-घर भगवा लहराएगा राम राज फिर आएगा, एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम जय श्री राम, गौ हत्या को बंद करेंगे ये संकल्प हमारा है-ये संकल्प हमारा है ये भारत का नारा है, भारत का अभिमान है हिंदू मातृभूमि की शान है हिंदू, राजतिलक की करो तैयारी आ रहे हैं भगवाधारी, वंदे मातरम जय श्री राम, जय श्री राम जय श्री राम...।

इस तरह से गीतों को सुनकर वहां से गुजरने वाले लोगों में भी जोश पैदा हो रहा था। बाजार में आने वाले ग्राहक भी गीतों के साथ जय श्री राम के नारे लगा रहे थे। बच्चे भी इसमें शामिल रहे। माहौल ऐसा न जर आ रहा था, जैसे आज दुकानदार भी अपनी दुकानदारी से अधिक यहां राम मंदिर के भूमि पूजन की खुशी में शहर में हिंदू संगठनों ने जुलूस निकाला। अखिल भारतीय हिंदू क्रांति दल, विश्व हिंदू परिषद, शिव सेवा समेत तमाम संगठनों ने यहां एक मंच पर आकर राम मंदिर बनने की खुशी मनाई।

सदर बाजार एसोसिएशन और ज्वैलर्स एसोसिएशन की ओर से सभी का बाजार में भव्य स्वागत भी किया गया। एक-दूसरे को बधाई देने में लगे थे। लोगों ने बाजार में मिठाइयां बांटी।

आज का दिन ऐतिहासिक रहा : सुमेर तंवर

इस मौके पर बीजेपी निगरानी कमेटी के चेयरमैन सुमेर तंवर ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू होने का आज ऐतिहासिक दिन रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर की नींव रखकर करोड़ों देशवासियों की आस्था को और अधिक मजबूती दी है। देश में आज खुशी की लहर है। 500 साल पुराना मुद्दा आज खत्म हुआ और राम मंदिर के रूप में अब श्रद्धा की एक भव्य हकीकत हमें साढ़े 3 साल में देखने को मिलेगी। इस मौके पर गुरुग्राम युवा जिला प्रमुख राकेश के कहा कि 500 साल की लड़ाई के बार आज हिन्दुओं को उनके आराध्य श्री राम का जन्मस्थान मिला है। उस पर मंदिर निर्माण शुरू हो रहा है ये गर्व की बात है। बाबरी विध्वंस में शिवसैनिकों का अहम रोल रहा था। शिवसैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। अब प्रभु श्रीराम का काज पूरा हुआ है। जल्द ही शीतला माता मंदिर के लिए बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

रात को घरों में जलाए गए दीप

राम मंदिर के भूमि पूजन की खुशी में पूर्व संध्या पर घरों में दीप जलाए गए। लोग अपने बच्चों को भी अपने धर्म के संस्कार देते नजर आए। दीप जलाने के लिए हिंदू संगठनों ने लोगों से अपनी की थी। सिर्फ घरों में दीये ही नहीं, बल्कि लोगों ने अपनी दुकानों पर भगवा झंडे भी लगाए और लहराए। राम मंदिर बनने की खुशी यहां साफ दिखाई दे रही थी।

श्री राधा-कृष्ण गोशाला में किया हवन

101 जरूरतमंद परिवारों को सूखा राशन दिया

गुरुग्राम। हिंदू समाज की आस्था के प्रति भगवान श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण की ईंट अयोध्या में रखी गई। वहीं दूसरी तरफ श्री राधा-कृष्ण गोशाला सेक्टर-9 बसई में हवन यज्ञ का आयोजन गगनदीप चौहान अध्यक्ष नमो सेना हरियाणा द्वारा कराया गया। जिसमें शहर की एक दर्जन सामाजिक संस्थाओं ने हिस्सा लिया।

इस पावन पर्व पर 101 जरूरतमंद परिवारों को सूखा राशन दिया गया। इस अवसर पर उचित दूरी का ध्यान रखते हुए एवं मास्क लगाकर हवन किया गया। इसमें उत्तर भारत के विद्वान पंडित सुरेश शर्मा व गायत्री परिवार से रेखा ने पूरे मंत्र उच्चारण के साथ हवन को संपन्न कराया। कार्यक्रम के आयोजक गगनदीप चौहान ने कहा कि धर्म से ही अधर्म का नाश होता है। भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण की नींव रखी है। इससे पूरे भारत वर्ष में खुशी की लहर दौड़ आई है।

गुरुग्राम के श्री राधा-कृष्ण गोशाला सेक्टर-9 में हवन करते लोग।

मौके पर समाजसेवी लवकेश शर्मा, सूरज मेमोरियल स्कूल प्रधानाचार्य अरुणा यादव, गोशाला की चेयरमैन इंद्रपाल सल्ले, प्रवक्ता अजय शर्मा, गुंजन मेहता, सिवाई सिंह किशन लाल, सत्य प्रताप शर्मा, अभिषेक गौड़, प्रतीक आहलूवालिया, राम बहादुर सिंह, अमित गोयल, डॉ. सुरेश कौशिक, पीपी मेहता, धर्मेंद्र फौजी, महेंद्र यादव, विनोद कपूर, शीतल शर्मा, देवेंद्र नेगी और सचिन सैनी आदि मौजूद थे।

गोचारे की भूमि पर पौधारोपण करने वालों पर केस दर्ज करने की तैयारी

फर्रुखनगर। नगर पालिका फर्रूखगर की ओर से उन लोगों के खिलाफ एफआईआर कराई जाएगी, जिन्होंने एक दिन पूर्व गोचारे की भूमि पर पौधारोपण किया था। नगरपालिका सचिव केके यादव ने स्थानीय पुलिस को शिकायत देकर एफआईआर करने की सिफारिश की है।

पालिका सचिव केके यादव ने कहा है कि कुछ लोगों ने नगर पालिका की गोचर भूमि पर पेड़ लगाने के नाम पर नपा की सम्पत्ति में जबरन प्रवेश कर सम्पत्ति, संसाधनों की चोरी व क्षति पहुंचाई है। जिसके लिए अलग से कार्रवाई की जा रही है। गैर कानूनी कार्यों के लिए मासूम बच्चों का सहारा लिया है। उन्होंने बताया कि कोरोना की गाइड लाइन्स के अनुसार सामाजिक दूरी रखना व मास्क पहना अति आवश्यक है। किंतु जयभगवान लम्बरदार, जगमाल सैनी, रिषीपाल यादव, बीएस सारवान, जेपी यादव, अधिवक्ता पूनम राव ने न केवल स्वयं नियमों की अवेहलना की है, बल्कि मासूम बच्चे भी मास्क नहीं लगाए थे।

गोकलपुर गांव में करोड़ों का घोटाला सीएम तक पहुंची शिकायत

सरपंच पर कागजों में विकास दिखाकर पंचायती राशि हड़पने का लगा आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

प्रदेश की मनोहर सरकार भले ही सबका साथ, सबका विकास के दावे करती हो लेकिन इस दावे को नूंह जिले में सरपंची के पिछले पांच साल के कार्यकाल में ठेंगा दिखाने का काम किया गया है। यदि निष्पक्ष तरीके से जिले में जांच की जाए तो अधिकतर गांवों में लाखों करोड़ों का घोटाला मिल सकता है।

ताजा मामला पिनगवां ब्लॉक के गांव गोकलपुर से सामने आया है, जहां पर ग्रामीणों ने सरपंच पर लोगों की बिना अनुमति के 262 जॉब कार्ड बनाकर उनके नाम से करोड़ों रुपये खुर्द-बुर्द करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों को घोटाले का पता चला तो मामला सीएम के दरवाजे तक जा पहुंचा। सीएम मनोहर लाल को भेजी शिकायत में गोकलपुर गांव के मकसूद, ताहिर हुसैन, आजाद व यूनुस ने बताया कि उनके गांव के सरपंच ने फर्जी तरीके से 262 जॉब कार्ड बनवाए हैं, जिनसे कई लाख रुपये फर्जी तरीके से निकाले गए हैं, जबकि जॉब कार्ड वाले लोगों को आज तक कानों कान खबर न लगने दी। इसके अलावा कागजों में जोहड का निर्माण, श्मशानघाट में टिनशेड, कब्रिस्तान की चार दिवारी, ईदगाह में मिट्टी डालना, फिरनी के रास्ते में स्ट्रीट लाइट, स्कूल में मिट्टी डालना आदि कामों को कागजों में दिखाकर करोड़ों रुपये का घोटाला किया है। आरोप है कि घोटाले में सरपंच अकेला शामिल नहीं है, इसमें ठेकेदार, बैंक मैनेजर और पंचायत सेक्रेटरी सहित कुछ अधिकारी भी शामिल हैं। ग्रामीणों ने कहा है कि सरपंच ने पिछले पांच साल का कार्यकाल यूं ही गुजार दिया, लेकिन गांव में कोई विकास नहीं कराया। लोगों ने इस मामले की सीएम फ्लाइंग या विजीलेंस से जांच कराने की मांग करते हुए सरपंच सहित सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता।

कोरोना को मात देने वाले मरीजों का होगा सम्मान

कोविड की मर्यादाओं में होगा स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

कोविड के बीच स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम मर्यादाओं में आयोजित होगा। बहुत ही सीमित स्तर के इस कार्यक्रम में कोविड के सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम होंगे। हां, इस कार्यक्रम में सबसे खास बात यह होगी कि कोरोना को मात देने वाले मरीजों का यहां सम्मान होगा।

एसडीएम डॉ. नरेश कुमार ने बुधवार को अपने ऑफिस में उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम को लेकर समस्त विभागों के अधिकारियों संग मीटिंग की। जिसमें उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम डॉ. नरेश कुमार ने मीटिंग में कहा कि कोविड के बीच विभिन्न बातों को दृष्टिगत रख यह कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम को लेकर कार्ड तो इस बार भी वितरित होंगे, लेकिन सीमित स्तर पर। जो व्यक्ति कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेगा उसके हाथों को सैनिटाइज करवाया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के लिए अधिकारियों की मीटिंग लेते एसडीएम डॉ. नरेश कुमार।

यह कार्यक्रम शहर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि कोविड के मद्देनजर इस बार सांस्कृतिक कार्यक्रम, मार्च मास्ट, पीटी शो व प्रसाद वितरण नहीं होगा। एसडीएम ने अधिकारियों से कहा कि जिस अधिकारी की जो ड्यूटी सुनिश्चित की गई है उसका वह समुचित तौर पर पालन करे व 13 अगस्त को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तावडू में स्वतंत्रता दिवस की रिहर्सल भी होगी।

इस अवसर पर डीएसपी सुरेंद्र सिंह, तहसीलदार मनमोहन वर्मा, नायब तहसीलदार महेंद्र सिंह बीडीपीओ नरेंद्र सिंह, मार्केट कमेटी सचिव मनीष, एसडीई त्रिलोकचंद मंगला, मेडिकल ऑफिसर डॉ. देवेंद्र सोलंकी, बीईओ रमेश मलिक, नपा जेई संजय उप्पल, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर सिंपी के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

हेलीमंडी नगरपालिका के दलित बस्ती के लोगों ने किया प्रदर्शन

गुरुग्राम। बुधवार को हेलीमंडी नगर पालिका क्षेत्र के दलित वर्ग के लोगों ने अपने तोड़े गए आवास के विरोध में प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के द्वारा स्थापित दलित सेना के बैनर तले किया गया।

बुधवार को पटौदी के नवनियुक्त एसडीएम की कार्यालय में एसडीएम की रीडर को पीड़ित परिवारों के द्वारा दलित सेना के बैनर तले देश के राष्ट्रपति, देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम अलग-अलग ज्ञापन सौंपे गए। इससे पहले हेलीमंडी नगर पालिका के वार्ड-7 बाबा हरदेवा कॉलोनी के संतपाल, महेश, कालू, तुलेस, धर्म सिंह, राजेश, प्रमिला, मोना, ओमवती, भारती, संतोष, मानबाई, शांति सहित अन्य लोगों ने पटौदी के लघु सचिवालय में पहुंचकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के विरोध में हाथों में पट्टियां लेकर जमकर नारेबाजी की। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से दलित सेना के जिला अध्यक्ष जय भगवान रंगा, दलित सेना के ही रामकिशन रेवारिया, इनेलो के प्रदेश प्रवक्ता सुखबीर तंवर सहित अन्य दलित नेता भी मौजूद रहे। सुखबीर तंवर ने कहा कि इस तरह से दलितों के मकानों को तोड़कर ओछी मानसिकता का परिचय दिया जा रहा है। जिला में दबंगों ने बहुत कब्जे किए हुए हैं, लेकिन प्रशासन उनके कब्जों को हाथ नहीं लगाता, पर गरीबों, दलितों के घरों को तोड़कर वाहवाही लूटता है।

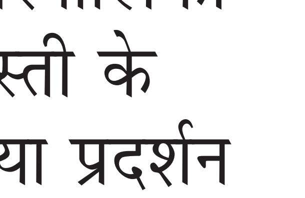

शुरू हुई किशोरी सम्मान व सीएम दूध उपहार योजना

मुख्यमंत्री खट्टर ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बुधवार चण्डीगढ़ मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महिला एवं बाल विकास विभाग की दो महत्वाकांक्षी योजनाओं नामत: महिला एवं किशोरी सम्मान योजना और मुख्यमंत्री दूध उपहार योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान गुरूग्राम में लघु सचिवालय में वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में उपायुक्त अमित खत्री तथा जिला परियोजना अधिकारी सुनैना व महिला एवं बाल विकास विभाग का स्टाफमौजूद रहा।

योजनाओ का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बताया कि महिला एवं किशोरी सम्मान योजना के तहत 10 से 45 वर्ष की बीपीएल तथा एएवाई परिवारों की महिलाओं और किशोरियों को सरकार की ओर से सैनिटरी नैपकिन आंगनवाडी केंद्रों व शिक्षा विभाग के माध्यम से मुफ्त दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के लिए महिलाओं व छोटे बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल सर्वोपरि है, क्योंकि आज के बच्चे कल के देश के कर्णधार होंगे और एक स्वस्थ महिला ही स्वस्थ बच्चे को जन्म देती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में प्रशासन इन योजनओं को बेहत्तर ढंग से अमलीजामा पहनाएगा ही लेकिन जिन जिलों का नाम महिला एवं बच्चों के स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के मामले में प्रदेश में तालिका में नीचे है, उन जिलों के उपायुक्त इन दोनों योजनाओं को अपने फ्लैगशिप कार्यक्रम में शामिल करके इस दिशा में विशेष प्रयास करें।

गुरुग्राम में किशोरी सम्मान व मुख्यमंत्री दूध उपहार योजना की शुरुआत के मौके पर सेनिटरी पैड व दूध वितरित करते डीसी अमित खत्री।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूलों में पढ़ने वाली लड़कियां आमतौर पर अपने मासिक धर्म के बारे में बात करने में संकोच करती हैं, लेकिन सरकार उनका भी ध्यान रखेगी और महीने में छात्राओं को 6 सैनिटरी पैड स्कूलों में नि:शुल्क दिए जाएंगे।

जिला में 114268 लाभार्थियों को फायदा : उपायुक्त अमित खत्री ने दोनों योजनाओं के लाभार्थी बच्चों तथा महिलाओं को फोर्टिफाइड दूध पाउडर के पैकेट और सेनिटरी पैड के पैकेट वितरित किए। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला परियोजना अधिकारी सुनैना ने बताया कि मुख्यमंत्री दूध योजना के शुरू होने से गुरुग्राम जिला में 114268 लाभार्थियों को फायदा होगा।

लापरवाही: इलाज के अभाव में तड़प तड़प कर अस्पताल में दम तोड़ा

दाखिल मरीजों को नहीं मिल पा रहा इलाज

परिजन उसको भर्ती करवाने के बाद स्ट्रेचर पर उसे छोड़कर फाइल और कार्ड दोनों लेकर चले गए

कविता। फरीदाबाद

लड़ाई झगड़े में घायल एक व्यक्ति ने बीके सिविल अस्पताल में तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। मरीज को परिजन भर्ती करवाने के बाद उसके कागज लेकर घर वापस लौट कर चले जाने का आरोप अस्पताल प्रबंधन ने लगाया है, लेकिन वास्तव में अस्पताल ने उसे दाखिल तो कर लिया, पर कागजात के अभाव में इलाज नहीं किया। अस्पताल परिजनों की राह देखता रहा।

बिस्तर खून से लथपथ

हरी नामक 32 वर्षीय व्यक्ति को फ्रेंड्स कालोनी निवासी परिजनों ने मंगलवार सुबह हरी को यह कहते हुए भर्ती करवाया था कि उसका झगड़ा हो गया है। हरी के एक पैर में गंभीर चोट थी। भर्ती करते समय उसकी पट्टियां की गई थीं। परिजन उसको भर्ती करवाने के बाद फाइल और कार्ड दोनों लेकर स्ट्रेचर पर उसे छोड़कर चले गए। फाइल और कार्ड न होने पर कर्मचारियों ने समाजसेवी सतीश चोपड़ा के कहने पर उसे बिस्तर तो उपलब्ध करवा दिया, लेकिन इसके बाद न तो उसकी किसी चिकित्सक ने जांच की और न ही उस पर ध्यान दिया। मृतक ने मरने से पहले दर्द के कारण पट्टियों को खोलकर बिस्तर पर रख दिया था। ऐसे में घाव से रातभर खून रिसता रहा। पूरा बिस्तर खून से लथपथ हो गया। सुबह 11 बजे सतीश चोपड़ा कपड़े लेकर पहुंचे तो तो स्टाफ ने देखा कि हरी की मौत हो चुकी है। आनन-फानन में उसे भर्ती करने की दोबारा फाइल बनाकर उसे मृत घोषित किया। वहीं मृतक की एमएलसी निकाल कर उसके परिजनों का नम्बर तलाश किया और उन्हें सूचना दी।

मृतक हरी की मौत के बाद खून और गंदगी से सना बिस्तर

नहीं होती जांच

एक अज्ञात मरीज यशपाल के साथ भी ऐसा ही हुआ। उसे डबुआ से यहां 31 जुलाई को भर्ती करवाया गया था। लेकिन 31 जुलाई के बाद यशपाल की फाइल पर किसी ड्यूटी डॉक्टर ने न तो नोट्स लिखे और न ही उसकी किसी तरह की जांच की। पांच अगस्त को समाजसेवी सतीश चौपड़ा ने हालत में सुधार होने पर बुजुर्ग यशपाल को जब अस्पताल से डिस्चार्ज करवाना चाहा, तो ओर्थो सर्जन ने कहा कि इसका इलाज 31 के बाद नहीं किया गया है। फाइल में कही कोई ट्रीटमेंट भी नहीं था। उन्होंने उसे डिस्चार्ज करवाया और उसे एनएच-दो स्थित ताऊ देवी लाल आश्रम में पहुंचाया।

कोरोना महामारी जारी

दो और मौत, 169 पॉजिटिव से आंकड़ा 9508 पहुंचा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। बुधवार को जहां पिछले 24 घंटों में दो मरीजों की मौत हो गई, वहीं दूसरी तरफ 169 पॉजिटिव मरीजों की पुष्टि की घोषणा स्वास्थ्य विभाग ने की। ऐसे में जहां मृतकों की संख्या का आंकड़ा 136 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ पॉजिटिव मरीजों की कुल संख्या का आंकड़ा 9508 पर पहुंच गया। जिले में बुधवार को 119 लोगों ने कोरोना को मात दी है। ठीक होने वालों का आंकड़ा बुधवार को काफी कम था।

मृतक और पॉजिटिव

जिले में कोरोना पॉजिटिव दो मरीजों ने बुधवार को दम तोड़ दिया। जिसमें 66 वर्षीय भूदत कालोनी निवासी एक व्यक्ति और जवाहर कालोनी निवासी 72 वर्षीय एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल था। वहीं 169 पॉजिटिव में बल्लभगढ़, एनआईटी, जवाहर कालोनी, एसी नगर, खेड़ी कलां, संजय कालोनी, डबुआ कालोनी, सेक्टर-16, सेक्टर-23, सेक्टर-19, सेक्टर-तीन, सेक्टर-15, महावीर कालोनी, पन्हैड़ा खुर्द और पल्ला, भारत कालोनी के मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

सैंपल जांच को भेजे	84404
नेगेटिव आई रिपोर्ट	74508
रिपोर्ट आनी शेष	388
अब तक पॉजिटिव आए	9508
अब तक ठीक हुए मरीज	8405
अब तक मौत हुई	136
क्रिटिकल हालत में भर्ती	40
आईसीयू में भर्ती	09

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर निर्माण की खुशी में लगाएं पौधे

फरीदाबाद। आज पूरे देश में राम मंदिर निर्माण की आधारशिला को लेकर खुशी का माहौल है। घर-घर घी के दिए जलाए जा रहे हैं। ऐसा लग रहा है की चारों तरफ आज ही दिवाली हो और सारा संसार जगमग हो उठा है। इसी को लेकर आज सांसे मुहिम द्वारा गांव चंदावली के घूम बाबा मंदिर पर पीपल के 11 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर सांसे मुहिम के संयोजक जसवंत पवार ने कहा कि राम मंदिर के भव्य निर्माण आधारशिला को यादगार बनाने के लिए ग्राम वासियों ने मिलकर पीपल के पौधे लगाए और पवार ने कहा कि वर्षों पुराना जो भारतवासियों का राम मंदिर निर्माण सपना था आज वह साकार हुआ पूरे देश में जश्न का माहौल है, घर-घर घी के दिए जलाए जा रहे हैं। हमने भी एक अच्छे, शक्तिशाली और प्रदूषण मुक्त भारत बने, भारत देश हमेशा खिलखिलाते रहें और आने वाली पीढ़ी याद रखें कि जब यह पौधे लगे थे तब भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ था। राम मंदिर की आधारशिला रखने के बाद देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी ने भी अयोध्या नगरी में पौधा रोपण किया ताकि मनुष्य की प्रभु श्रीराम के प्रति ये श्रृद्धा एक नई स्वच्छ पर्यावरण की और बढ़ सके और ये सन्देश देश के नोजवानों, महिला, पुरुष, वा बुजर्ग तक पहुंचे और देश का प्रत्येक नागरिक पर्यावरण के प्रति अपनी इस जिम्मेदारी को निभाने का कार्य करे की एक व्यक्ति एक पौधा जरूर लागए। इस मौके पर मदन सैनी, हिमांशु भट्ट, गौरव, अमर, मनीष, हेमंत मौजूद रहे।

टॉपर्स को वर्चुअली सम्मानित किया गया

फरीदाबाद। सेक्टर 21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल के बारहवीं कक्षा के सभी विभागों के टॉपर्स को वर्चुअल आवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एकेएस एजूकेशन आवार्ड के सौजन्य से हुआ। यह कार्यक्रम जूम मीटिंग के माध्यम से ही आयोजित की गई। जिसमें बॉर्ड क्लास के टॉपर्स, प्रधानाचार्य, कक्षा अध्यापकों व छात्रों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया व फेसबुक के माध्यम से इस कार्यक्रम को सबके सम्मुख प्रस्तुत भी किया गया। इस अनूठे प्रयास के माध्यम से छात्रों ने अपने विद्यालयों के सिद्धांतों व प्रयासों से अवगत कराया, इस समय सभी स्कूल कॉलेज बंद है। ऐसे समय में बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित नहीं जा सका। इस कार्यक्रम में छात्र सबके सम्मुख आए व उन्होंने अपने व अपने अध्यापकों द्वारा किए गए साल भर के अथक प्रयासों व अनुभवों को सबके सामने प्रस्तुत किया। विद्यालय के सभी टॉपर्स ने अपने-अपने विचार रखें। स्कूल की उच्च कोटि की शिक्षा पद्धति पर बात की। बच्चों के सर्वांगीण विकास पर बात की गई। शिक्षा क्षेत्र में आवश्यक परिवर्तन पर भी विचार रखें गए। साथ ही विद्यालय के सकारात्मक तथ्यों को भी प्रस्तुत किया। जीवा पब्लिक स्कूल के सभी संकायों के टॉपर्स इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे नॉन मेडिकल संकाय से हिमांशु मित्तल, मेडिकल संकाय से आकांक्षा जायसवाल, वाणिज्य संकाय से गौरव भाटिया व कला संकाय से सारिका तंवर, ने इस कार्यक्रम में भाग लिया व अपने प्रयासों व अनुभवों को साझा किया। इस कार्यक्रम पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी व कहा कि यह वास्तव में एक सराहनीय प्रयास है।

पार्क में किया हवन यज्ञ का आयोजन

फरीदाबाद। अयोध्या में भव्य श्रीराम जन्म भूमि पूजन के अवसर पर सेक्टर-16 के अपना पार्क में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अरविंद सूद विभाग संघचालक आरएसएस ने की। इस मौके पर प्रसाद के रूप में लड्डू भी वितरित किए गए। इस अवसर पर आरएसएस के नगर संघचालक डॉ. देशबंधु, चुन्नीलाल चोपड़ा तथा दिनेश छाबड़ा, राकेश गुप्ता ने बताया कि इससे पूर्व सभी घर-परिवारों ने अपनी अपनी छत पर धर्म- ध्वजा स्थापित की। इस अवसर पर वर्ष 1990-92 विश्व हिन्दू परिषद के योद्धा और जिला मंत्री, श्रीराम के कार्य करने हनुमान जी समान जिन्होंने अथक परिश्रम किया, ऐसे स्व. सतप्रकाश कपूर को नमन किया गया तथा स्व. कपूर की धर्मपत्नी का सभी भक्तों ने आशीर्वाद लिया। इस मौके पर कुलदीप सिंह साहनी मंडल अध्यक्ष अजरौंदा तथा टोनी पहलवान ने कहा कि कई सौ वर्षों के बाद राम भक्तों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण सपना सच हो रहा है।

स्थापना दिवस पर लगाए पौधे

फरीदाबाद। इनसो जिला चेयरमेन रवि शर्मा ने इनसो के 18वें स्थापना दिवस पर गणमान्य लोगों के साथ सेक्टर-7सी के पार्क में पौधे लगाए। इस मौके पर पूर्व पार्षद कुलदीप तेवतिया, मयूर, हेमंत, सतीश व पवन मुख्य रूप से मौजूद थे। इस अवसर पर रवि शर्मा ने इनसो लिखी बहुत ही सुन्दर क्यारी भी बनाई जिसमें छोटे छोटे पौधे लगाए गए। जोकि बहुत ही सुन्दर लग रहे थे। इस मौके पर रवि शर्मा ने कहा कि इनसो की स्थापना जेजेपी के वरिष्ठ नेता अजय चौटाला द्वारा की गई थी, लेकिन इस पौधे रूपी इनसो को सींचकर एक विशाल वृक्ष बनाने का काम इनसो के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिगविजय सिंह चौटाला ने अपनी मेहनत और ईमानदारी से किया। रवि शर्मा ने कहा कि आज इनसो छात्रों और युवाओं में सबसे लोकप्रिय है और हर कोई इससे जुड़ने का लालायित है, क्योकि इनसो ने हमेशा छात्रों की आवाज को उठाया है और उनके हकों को दिलवाया है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने का मुख्य उदेश्य पर्यावरण को काफी हद तक कम करना है।

श्रीराम जन्म भूमि पूजन पर युवाओं ने किया रक्तदान

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पलवल जिले के प्रमुख गांव खाम्बी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीणों में अयोध्या में भूमि पूजन कार्यक्रम को लेकर जबरदस्त उत्साह था।

इस उपलक्ष में गांव के युवाओं ने विचार-विमर्श करके रक्तदान शिविर में बड़े जोश के साथ भागीदारी की। कार्यक्रम होडल स्थित गो सेवा धाम अस्पताल एवं सेवा भारती तथा श्रीबांके बिहारी ग्रुप के संयुक्त के तत्वावधान में संपन्न किया गया। गो सेवा धाम के संचालक प्रत्यक्ष शर्मा ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि अयोध्या में भूमि पूजन समारोह से सभी राम भक्तों में गर्वानुभूति का संचार हुआ है।

आयोजक रमन देव शर्मा ने कहा कि अपनी खुशी का इजहार करने के लिए खाम्बी में स्वयंसेवकों ने बड़े जोश के साथ रक्त-दान शिविर में भाग लिया। इस मौके पर रवि महाराज समाजसेवी, लक्ष्मण दत्त, राहुल नायर सपुत्र जगदीश नायर विधायक होडल, दीपक भारद्वाज, हरि मोहन पेंगलतु , लीला धर पहलवान, मोहित शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर रक्तदान करने वाले स्वयंसेवी युवाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

जेसी बोस ने फीस माफी को जारी की नीति

फरीदाबाद। कोरोना महामारी के दृष्टिगत वित्तीय कठिनाइयों के कारण फीस देने में असमर्थ विद्यार्थियों को राहत देने की प्रतिबद्धता की दिशा में एक और कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत तक ट्यूशन फीस माफ करने की नीति जारी की है। ऐसे विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जो परिवार में वित्तीय कठिनाईयों के कारण अपनी फीस या बकाया का भुगतान करने में असमर्थ हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय कोरोना महामारी के बीच विद्यार्थियों और उनके परिजनों को हो रही कठिनाइयों को समझता है और उन्हें राहत देने के लिए हरसंभव उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मुद्दे को प्राथमिकता पर लेते हुए विश्वविद्यालय ने आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए एक नीति तैयार की है।

कुलपति ने कहा कि यह नीति ऐसे आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहयोग देगी, जो परिवार में वित्तीय समस्याओं के कारण फीस या बकाया का भुगतान करने में असमर्थ है।

निगम ने बाजारों से अतिक्रमण हटाने को चलाया पीला पंजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर के बाजारों में दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण की वजह से जहां एक तरफ लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ अतिक्रमण की वजह से बाजारों में अक्सर जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। लोगों को इस समस्या से निजात दिलवाने के लिए नगर निगम अतिक्रमण हटाने का तीन दिवसीय अभियान शुरू किया है। अभियान के पहले दिन एनएच एक की मार्केट से अतिक्रमण हटाए गए।

वैसे तो एनआईटी इलाके के सभी बाजारों में दुकानदारों द्वारा बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया गया है। लेकिन एनएच एक, पांच, एनएच दो और एनएच तीन में स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है। दुकानदारों ने दुकानों के सामने कई कई फुट आगे तक सामान तो रखा ही जाता है। साथ ही लंबे छज्जे भी अवैध तरीके से बनाए हुए हैं। ऐसे में बाजारों में लोगों को वाहन खड़े करने अथवा पैदल चलने के लिए जगह ही नहीं बचती। नगर निगम की तरफ से दुकानदारों को पहले कई बार अतिक्रमण हटाने के लिए चेतावनी दी जा चुकी है। लेकिन अतिक्रमण न हटाने पर अब निगम ने तोड़फोड़ अभियान शुरू किया गया है।

अभियान के पहले दिन एनएच एक स्थित बाटा पेट्रोल पंप के निकट से शुरूआत की गई। यहां निगम के दस्ते ने अवैध रूप से बन रही एक दुकान को गिरा दिया। यहां अवैध रूप से बनी अन्य दुकानों को भी निगम ने सील करने का प्रयास किया। लेकिन दुकानदारों के भारी विरोध के कारण निगम को सीलिंग की कार्रवाई रोकनी पड़ी। निगम के दस्ते के साथ संयुक्त आयुक्त प्रशांत खड़कन ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में मौजूद थे। जबकि दस्ते का नेतृत्व एक्सईएन ओपी करदम और एसडीओ पदम भूषण कर रहे थे। इसके बाद निगम का दस्ता एनएच एक के बाजार में पहुंचा। जहां दस्ते ने एक के बाद एक अतिक्रमणों को हटाना शुरू कर दिया। कुछ दुकानदारों ने विरोध करने का प्रयास किया। लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उनकी एक नहीं चली।

महिला सशक्तिकरण पर दिया जा रहा बल: मान

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान ने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से महिला सशक्तिकरण, उनके स्वास्थ्य व शिक्षा पर अधिक बल दिया जा रहा है। बाल स्वास्थ्य व उन्हें अनिमिया जैसे रोग से बचाने के लिए कई कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। अतिरिक्त उपायुक्त महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में शुरू हुई दो योजनाओं के शुभारंभ अवसर पर बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने महिला एवं बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा की मौजूदगी में चंडीगढ़ से महिला एवं किशोरी सम्मान योजना तथा मुख्यमंत्री दूध उपहार योजना का शुभारंभ किया।

जलाए 21 देशी घी के दीपक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों भूमि पूजन की खुशी में वार्ड-5 के जिला पार्षद शैलेन्द्र सिंह ने अपने एनएच-1 स्थित कार्यालय पर देसी घी के 21 दीपक जलाए। मिठाई बांटी। इस मौके पर शैलेन्द्र सिंह ने अपने स्टॉफ के सदस्यों जिनमें संजय राघव, अमित राठौर, कमल कांत, गंगा सागर के साथ मिलकर भगवान श्रीराम की आरती की। इस अवसर पर शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि हिन्दुस्तान ही नहीं अपितु पूरे विश्व के करोड़ों हिन्दुओं की आस्था अयोध्या से जुड़ी हुई है। बुधवार को भगवान श्रीराम के मंदिर के भूमि पूजन से मानों सभी का सपना सच हो गया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि राम मंदिर बनाने की मांग करते हुए शहीद हुए कारसेवकों को भी हम नमन और श्रृद्धांजलि देते है जिनके सर्घष की बदौलत आज हम मंदिर को बनते हुए देख पा रहे है। उन्होंने कहा कि मेरा परिवार संयुक्त परिवार है। जिसमें कुल 21 सदस्य है। जिनके नाम से मैने 21 दिए जलाए है।

ट्रांसपोर्ट फीस मांगने पर मंच ने जताया कड़ा विरोध

हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ डबल बेंच में अपील करने की बात कही

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फीस के मामले में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की सिंगल बैंच द्वारा दिए गए फ़ैसले के बाद हरियाणा सरकार ने कोई भी नया आदेश जारी नहीं किया है। शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ डबल बेंच में अपील करने की बात कही है, लेकिन इसके विपरित ग्रेटर फरीदाबाद के एक स्कूल ने पेरेंट्स को नोटिस भेजकर हाईकोर्ट के फैसले के मुताबिक ट्रांसपोर्ट फीस, वार्षिक शुल्क आदि जमा करने को कहा है। हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने इस स्कूल के संचालक व प्रिंसीपल के इस तुगलकी नोटिस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि वह इस नोटिस को तुरन्त वापस लें। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा, संरक्षक सुभाष लांबा ने सभी अभिभावकों से कहा है कि वे पिछले वर्ष की ट्यूशन फीस ही मासिक आधार पर जमा कराएं।

हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के फैसले के खिलाफ हरियाणा सरकार व पेरेंट्स एसोसिएशन डबल बेंच में अपील करने जा रही है वैसे भी हरियाणा सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के बाद कोई भी नया आदेश फीस के बारे में नहीं निकाला है अत: शिक्षा विभाग के वही आदेश अभी भी लागू हैं जो पहले निकाले थे। मंच ने सभी स्कूल प्रबंधकों से भी कहा है कि वह टकराव का रास्ता ना अपनाएं। अभिभावक मासिक आधार पर फीस देने को तैयार हैं और दे भी रहे हैं इसके अलावा अन्य किसी फीस की डिमांड ना करें। अगर जबरदस्ती ट्यूशन फीस के अलावा अन्य फीस की डिमांड की गई तो मंच सभी अभिभावकों को साथ लेकर के जबरदस्त आंदोलन करेगा।

यातायात नियम तोड़ने पर नाके पर रुकना होगा दो घंटे

बच्चे रोड पर हादसों का शिकार हो जाते हैं और इसका परिणाम परिवार को भुगतना पड़ता है

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने फरीदाबाद शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को वीडियो दिखाकर यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए एक अनूठी पहल शुरू करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस आयुक्त ने यह सार्थक पहल खासकर टीनएजर व युवाओं की ड्राइविंग के लिए शुरू की है। अक्सर देखने में आता है कि टीनएजर रोड पर ड्राइविंग करते हैं, जोकि यातायात नियमों के मद्देनजर गलत है जिसके दुष्परिणाम देखे जा सकते हैं। ओपी सिंह ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस के लिए 18 वर्ष आयु निर्धारित है। 18 वर्ष से पहले बच्चे का इतना मानसिक विकास नहीं हो पाता है कि वह रोड पर आकस्मिक स्थिति पर काबू पा सके। बच्चे रोड पर हादसों का शिकार हो जाते हैं और इसका परिणाम परिवार को भुगतना पड़ता है।

यह है वीडियो

वीडियो में दर्शाया गया है कि जब एक नाबालिग सड़क पर वाहन लेकर निकलता है और दुर्घटना में वह घायल हो जाता है अथवा उसकी मृत्यु हो जाती है तो परिवार को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार दुर्घटना में ऐसा भी हुआ है कि जिनके परिवार का एक ही वारिस था वह भी सड़क पर दुर्घटना का शिकार हो गया। इस तरह की स्थिति से मानो पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है। यातायात पुलिस दुपहिया वाहनों पर बिना हेलमेट और कार में बिना सीट बेल्ट लगाए, वाहन दौड़ाने वालों को भी जागरूक कर रही है।

सीपी का कथन

पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने कहा कि उनका उद्देश्य है कि आमजन को जिन्दगी का महत्व बता कर जागरूक कर उन्हे हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित किया जाना है। जिससे वह सुरक्षित यात्रा कर अपनी मंजिल तक पहुंच सकें और अपने व अपने परिवार की खुशियां बरकरार रख सकें। छोटी सी लापरवाही से अपनी जिंदगी यूं ही व्यर्थ न गवाएं। यातायात नियमों का पालन करें। अपने और अपने परिवार के जीवन को सुरक्षित रखें। यातायात नियमों का पालन करके शहर में संभावित सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है।

रोककर किया प्रेरित

बुधवार को ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों का चालान करने के बजाय उनको रोक कर उनके द्वारा की गई लापरवाही की वजह से होने वाले नुकसान व हेलमेट लगाने के फायदे बारे नाके पर ही बैठा कर जागरूक किया। उन्हें वीडियो दिखाकर यह समझाया कि यातायात नियमों का पालन करना कितना सुखदाई व उनकी अवहेलना करने का परिणाम कितना दुखद होता है।

मजदूर साथी को मुआवजा दिलवाने को किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

इंकलाबी मजदूर केंद्र के नेतृत्व में नंदलाल मजदूर साथी को मुआवजा दिलाने के लिए डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। मजदूर साथी नन्दलाल जेपी पावर कंपनी, जीवन नगर, गौछी, (फरीदाबाद) में बतौर हेल्पर काम करता था। 8 नवंबर 2015 को मैनेजमेंट के दबाव के कारण श्रमिक मशीन पर काम कर रहा था कि मशीन में श्रमिक नंदलाल का हाथ आने से श्रमिक के बाएं हाथ के अंगूठे सहित चारों अंगुलियां जड़ से कट गई। कंपनी मालिक ने श्रमिक नंदलाल का ईएसआईसी कार्ड भी नहीं बनाया था। कंपनी मालिक ने प्राइवेट अस्पताल में हल्का-फुल्का इलाज कराया और अभी घाव ठीक भी नहीं हुआ था कि मालिक वह मैनेजमेंट ने श्रमिक को काम से निकाल दिया एवं इलाज भी बंद दिया। मैनेजमेंट व कंपनी मालिक की कारगुजारीओं के खिलाफ श्रमिक नंदलाल ने मुआवजा के लिए श्रम विभाग फरीदाबाद में केस दर्ज किया। 20 मार्च 2018 को कोर्ट ऑफ कंपनसेशन ने कंपनी के खिलाफ ऑर्डर देते हुए। 2,82,952 बतौर मुआवजा 60 दिनों के भीतर कंपनी मालिक के द्वारा श्रमिक को भुगतान करने को कहा। कंपनी मैनेजमेंट ने मुआवजे की रकम का भुगतान नहीं किया तो श्रम विभाग ने इसकी वसूली के लिए डीसी कार्यालय को 25 मई 2019 को एक पत्र जारी किया। 15 महीने बाद भी डीसी कार्यालय ने

मंदिर का भूमि पूजन

मर्यादा पुरुषोत्तम हैं भगवान राम

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के लिए भूमि पूजन भारतीय इतिहास में मील का एक पत्थर है। अतीत पर नजर डालें तो स्पष्ट होगा कि वर्षों तक चली राजनीति और विभिन्न 'वादों' के टकराव ने वास्तव में उस सांस्कृतिक चेतना और सभ्यतामूलक सोच को अनदेखा किया जिसका प्रतिनिधित्व भगवान राम करते हैं। अयोध्या के राजा को मर्यादा पुरुषोत्तम या इमामे हिंद की तरह याद किया जाता है, इसलिए वे हिंदू पंथ से आगे जाकर भारतीय जीवन शैली का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 'वे सत्य, नैतिकता व आदर्शों की प्रतिमूर्ति हैं।' भगवान राम ने जिस सामाजिक व्यवस्था का उदाहरण पेश किया वह मनुष्यों के लिए आदर्श है। वे जनता की निस्वार्थ सेवा करने वाले राजा थे और जनता को अपने विचारों के केन्द्र में रखते थे। उनका युद्ध झूठ के खिलाफ सच्चाई का था। यह तथ्य भी अविवादित था कि अयोध्या में भगवान राम का जन्म हुआ था। इस प्रकार अयोध्या में भव्य राम मंदिर के लिए भूमि पूजन एक प्रकार से 'धर्म स्थापना' भी है। याद रखना चाहिए कि भगवान राम अलगाववादी नहीं, बहुलतावादी थे। राम मंदिर भूमि पूजन एक लंबी यात्रा की परिणति है। भाजपा द्वारा 1989 में मंदिर निर्माण का आंदोलन तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी ने गुजरात से रथयात्रा के माध्यम से शुरू किया था। हालांकि, वे यह यात्रा पूरी नहीं कर सके, पर इसने देश भर में भावनाओं की लहर पैदा की जिसने पार्टी को राजनीतिक सत्ता दिला दी। जन भावनाओं में परिवर्तन की इस प्रक्रिया में कांग्रेस भी हिंदुत्व लहर से प्रभावित हुई और 'हिंदू वोटों' के लालच में राजीव गांधी ने बाबरी मस्जिद का ताला खुलवा कर 'शिलान्यास'

करवा दिया। इससे विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल राजनीति के केन्द्र में आ गए। हालांकि, राजीव गांधी ने सोचा था कि मस्जिद भी वहां बनी रह सकती है, जबकि ऐसा संभव नहीं था। जन-भावनाओं से व्यापक समर्थन प्राप्त कर भाजपा केन्द्र की सत्ता में पहुंची। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में भाजपा ने भारतीय समाज में किसी वैचारिक टकराव से बचते हुए संतुलन बनाए रखने का पूरा प्रयास किया। भारत की अधिकांश जनता के समर्थन से 2014 में भाजपा को प्रचंड बहुमत से केन्द्र की सत्ता में आने का अवसर मिला। 2019 में जनता ने और बड़े बहुमत से भाजपा को सत्ता सौंपी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार अयोध्या में भव्य राम मंदिर हेतु भूमि पूजन कराने में सफल हुई है और विपक्ष भी मोटेतौर से इस पर सहमत है। अब अयोध्या में भूमि पूजन के बाद क्या होगा। क्या यह मंदिर पर चुनावी राजनीति की समाप्ति है अथवा इसे और आगे बढ़ाया जा सकता है। क्या आगे चल कर काशी और मथुरा में भव्य मंदिरों के निर्माण की मांग तेज होगी। हो सकता है कि कुछ कट्टरपंथी इस बारे में उत्साहित हों, लेकिन भाजपा और उसका वैचारिक केन्द्र आरएसएस मंदिर मुद्दे को राम जन्मभूमि से आगे ले जाने का इच्छुक नहीं है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने स्पष्ट रूप से कहा था कि काशी और मथुरा में आंदोलन की संभावना नहीं है, आरएसएस कार्यकर्ता आंदोलनों में शामिल नहीं होते हैं तथा राम मंदिर आंदोलन एक अपवाद था। व्यापक जनादेश पाने के बाद अब भाजपा को अपने वे वादे पूरे करने हैं जो उसने वर्षों पहले अपने चुनाव घोषणापत्र में किए थे। आरएसएस और भाजपा की अपनी शक्ति मजबूत करने के बारे में समझदारी यथार्थवादी है। पूरा भारत अयोध्या विवाद के शांतिपूर्ण समाधान पर सामूहिक रूप से राहत की सांस ले रहा है और निश्चित रूप से इस मामले में एक प्रकार की राजनीतिक थकावट भी पैदा हुई है। आज देश को पुन: प्रगति के पथ पर लाना सबसे जरूरी हो गया है। अयोध्या को उम्मीद है कि भविष्य में भगवान राम का भव्य मंदिर स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। इसके साथ ही भाजपा भी अपनी छवि में लगातार सुधार करते हुए विपक्ष को अपने ऊपर हमले का कोई अवसर नहीं देना चाहती है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद अब स्वाभाविक रूप से जनता में 'राम राज्य' स्थापना की इच्छा जागी है जिसमें सभी सुखी, संपन्न व निरोगी हों। भाजपा इस दिशा में बढ़ना चाहती है।

भारत के उत्थान का प्रतीक राम मंदिर

राम मंदिर का निर्माण किसी एक समुदाय अथवा वर्ग की उन्नति से नहीं जुड़ा है, बल्कि यह भारत के सम्पूर्ण वासियों की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और आशाओं को पूरा करने वाला शुभ अवसर बनेगा।

हरीश चंद्र श्रीवास्तव
(लेखक भाजपा के प्रवक्ता हैं)

वह शुभ घड़ी आ गयी। 492 वर्ष के संघर्ष के पश्चात भारतीय संस्कृति की आत्मा मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर का पुनर्निर्माण होने जा रहा है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वयं जगत नियंता भगवान श्री राम के मंदिर के पुनर्निर्माण का शिलान्यास कर रहे हैं। यह क्षण भारत के आत्मिक पुनरुत्थान का साक्षी बनने जा रहा है। सियाराम मय सब जग जानी के भाव में जीने वाला भारत हर्षित, आनंदित और आह्लादित है। परम सौभाग्य का यह क्षण भारत के आत्मिक व सांस्कृतिक उत्थान का ही प्रतीक नहीं है, अपितु यह भारत की विकास यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होने वाला आयोजन है। प्रभु राम व राममंदिर आंदोलन के प्रति भाजपा का समर्पण और इसके निर्माण का संकल्प केवल एक मंदिर निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता नहीं थी। भाजपा की यह प्रतिबद्धता भारत के वैभवशाली अतीत की स्मृतियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही उस गौरवशाली अतीत की नींव पर शक्तिशाली व विश्वगुरु भारत के वैभव की वर्तमान में स्थापना की हेतुक व उद्देश्य रही है। यह उद्देश्य 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गठित सरकार ने पहले दिन से प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार ने एक ओर राममंदिर के निर्माण की बाधाओं को दूर करने को हर संवैधानिक प्रयास किया तो दूसरी ओर राम नाम की आध्यात्मिक प्राणवायु से उत्साहित और उल्लासित भारत की आत्मा को भारत भूमि के तन के विकास अर्थात भौतिक विकास की धुरी बनाने का संकल्प किया। इसी संकल्प के अंतर्गत मोदी सरकार स्वदेश दर्शन योजना प्रारंभ कर रामायण सर्किट का विकास कर रही है। रामायण सर्किट भगवान राम से जुड़े प्रमुख स्थलों को एक साथ जोड़ने की वृहद परियोजना है।

मोदी सरकार समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण पर ध्यान देते हुए रामायण सर्किट को विकसित करने की योजना पर कार्यरत है। पूरब से पश्चिम तक और उत्तर से दक्षिण तक देश को जोड़ने वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना राम जन्मस्थान, अयोध्या से देश के दूसरे छोर रामेश्वरम तक 10 राज्यों से होकर तैयार होगी। केंद्र सरकार देश के धार्मिक स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने तथा पर्यटन उद्योग को गति देने के लिये रामायण सर्किट का विकास कर रही है। इस योजना के लिये केंद्र सरकार ने बजट का अंश भी निर्गत कर दिया है। मोदी सरकार द्वारा 5,895 करोड़ रुपए से अधिक राशि स्वीकृत करने के साथ ही केंद्रीय सहायता के साथ 73 परियोजनाएं रामायण सर्किट में स्वीकृत की गयी हैं।

इस परियोजना में आने वाले पर्यटन स्थलों पर आधारभूत संरचना व सुविधाओं के विकास, आवास और सौंदर्यीकरण के साथ ही इन्हें राजमार्गों व यातायात सुविधा के मुख्यमार्गों से जोड़ने के लिये उच्च स्तरीय मार्गों का संजाल विकसित हो रहा है। उत्तर प्रदेश में अयोध्या, श्रृंगवेरपुर (प्रयागराज), नंदीग्राम व चित्रकूट, मध्यप्रदेश स्थित चित्रकूट, बिहार के सीतामढ़ी, बक्सर व दरभंगा, उड़ीसा के महेंद्रगिरि, छत्तीसगढ़ के जगदलपुर, महाराष्ट्र के नासिक व नागपुर, तेलंगाना के भद्राचलम, कर्नाटक के हम्पी और तमिलनाडु के रामेश्वरम इस परियोजना से जुड़े हैं। मोदी सरकार की इस परियोजना के अंतर्गत घाटों, मंदिरों, पर्यटन स्थलों का विकास और उन्हें आधुनिक सुविधायुक्त किया जायेगा। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और प्राकृतिक धरोहर पर्यटन क्षेत्र के विकास व देश में रोजगार सृजन की अपार संभावनाओं से भरा है। ऐसे में इन स्थानों पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये थीम—आधारित पर्यटक सर्किट के निर्माण की आवश्यकता दशकों से थी, जिसे मोदी सरकार पूरा कर रही है। मोदी सरकार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन उद्योग के विकास के लिये एकीकृत दृष्टिकोण व कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ रही है। इसी उद्देश्य से केंद्र की मोदी सरकार रामायण सर्किट के विकास के साथ ही कृष्ण सर्किट, बौद्ध सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, आदिवासी सर्किट, थार सर्किट, पूर्वोत्तर भारत सर्किट, हिमालय सर्किट, तटीय सर्किट, पारिस्थितिकी सर्किट, वन्यजीव सर्किट, ग्रामीण सर्किट और विरासत सर्किट आदि सहित 15 सर्किटों के हजारों करोड़ रुपए के पर्यटन विकास पर एक साथ काम करते हुए इनका एकीकृत विकास एवं देश के कोने—कोने में स्थिति पर्यटन स्थलों का एक सुविकसित, संसाधनयुक्त व आकर्षक संजाल तैयार करने में जुटी है।

रामायण सर्किट के प्रथम चरण में अयोध्या का विकास एक ऐसे पर्यटन स्थल के रूप में किया जा रहा है, जो आने वाले समय पूरे विश्व से पर्यटकों को आकर्षित करेगा और देश का एक बड़ा पर्यटन स्थल होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी को वैश्विक पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाने के लिये विकास कार्य, बाबा विश्वनाथ कोरिडोर आदि कार्य तीव्र गति से हो रहा है। रामायण व बौद्ध सर्किट परियोजना के अंतर्गत वाराणसी—गया, लखनऊ—अयोध्या—लखनऊ, गोरखपुर—कुशीनगर, कुशीनगर—गया—कुशीनगर राजमार्ग व सुविधा विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं। जैसा कि विदित है कि भगवान राम का आदिवासी समुदाय व आदिवासी क्षेत्रों से गहना नाता रहा है तो मोदी सरकार रामायण सर्किट के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में भगवान राम से जुड़े स्थलों के विकास के साथ ही आदिवासी पर्यटन सर्किट का विकास कर रही है। केंद्र सरकार आदिवासी पर्यटन सर्किट में छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर, कुंकरी, मैनपाट, अम्बिकापुर, महेशपुर, रतनपुर, कुरदर, सरोददादर, गंगरेल, कोंडगांव, नथिया, नवगांव, जगदलपुर, चित्रकूट व तीर्थगढ़ का विकास करवा रही है।

इन सारी परियोजनाओं पर एक साथ और तेजी से काम चल रहा है। देशवासियों की आध्यात्मिक उन्नति के साथ ही राष्ट्र को भौतिक गति कैसे मिलेगी, उसका एक उदाहरण देखिये। मोदी सरकार ने केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत स्वदेश दर्शन योजना में रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, आदिवासी सर्किट सहित अन्य थीम—आधारित ये जो डेढ़ दर्जन परियोजनाएं प्रारंभ की हैं, उनमें करोड़ों स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। अत- इन सर्किटों का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद इनसे जुड़े स्थानों और उसके आसपास के क्षेत्रों में घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर विकास के साथ ही रोजगार के अपार अवसरों का सृजन होगा। उन धार्मिक स्थलों के पास सेवा क्षेत्र से जुड़े उद्योग यथा होटल व्यवसाय, टैक्सी सेवा विकसित होगी। इससे स्थानीय कला और शिल्प को बढ़ावा मिलेगा। स्वतंत्रता के बाद से ही अविकसित व पिछड़े रहे इन क्षेत्रों क्षेत्र के विकास के लिये ये परियोजनाएं वरदान सिद्ध हो रही हैं।

एसोसिएशन ऑफ चैम्बर्स आफ कामर्स की पर्यटन कमेटी का मानना है कि पर्यटन उद्योग के विकास के लिये मोदी सरकार द्वारा प्रारंभ की गयी इन परियोजनाओं की पूर्णता और राम मंदिर का निर्माण घरेलू धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा। विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोग दर्शन करने अवश्य आएंगे। दुनिया में विदेशी भारतीयों की संख्या करीब साढ़े तीन करोड़ है। भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों में करीब तीस प्रतिशत अंश विदेश में रहने वाले भारतीयों की होती है। राम मंदिर धार्मिक पर्यटन का महत्वपूर्ण स्थान होगा। विदेश में रहने वाले भारतीय भगवान राम के दर्शन करने अयोध्या आएंगे। अत: यह निश्चित है कि राम मंदिर का निर्माण किसी एक समुदाय अथवा वर्ग की उन्नति से नहीं जुड़ा है, वरन यह भारत के सम्पूर्ण वासियों की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और आशाओं को पूरा करने वाला शुभ अवसर बनेगा। एक ओर राममंदिर के निर्माण से भारत की एकता और अखंडता को बल मिलेगा तो दूसरी ओर राममंदिर देशभर के लोगों को अपनी माटी, अपनी संस्कृति और अपने राष्ट्र के प्रति सूत्र, संकल्प और प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करने के साथ राष्ट्र के भौतिक विकास को अपार गति देगा।

तुर्की का राष्ट्रवाद और मुस्लिम अस्मिता

प्रियदर्शी दत्ता
(लेखक स्वतंत्र शोधकर्ता हैं)

अमेरिकन इतिहासकार व लेखक एडविन ए. ग्रासवेनर कुछ साल कांस्टेंटिनोपोल में शिक्षक के रूप में रहे थे। उन्नीसवीं शताब्दी में इस्तांबूल का यही नाम था। उन्होंने पाया कि तुर्क आया सोफिया या हगिया सोफिया को 'प्रेम के बजाय विजय का पुरस्कार' मानते थे। ग्रासओवर द्वारा 1895 में लिखित दो खंड में आटोमन साम्राज्य का इतिहास 'कांस्टेंटिनोपोल' प्रकाशित होने के समय इस पुराने कैथेड्रल का प्रयोग मस्जिद की तरह होता था। लेकिन क्रीमिया युद्ध समाप्त होने के बाद से इसके भूतल व गैलरी को थोड़े भुगतान पर दर्शकों के लिए खोला गया था। कैथेड्रल की ईसाई संरचना इतनी स्पष्ट थी कि 'उसका ढांचा हमेशा मुस्लिम कर्मकांडों के रास्ते में बाधा बनता था।'

तुर्क समझते थे कि यह उनकी मस्जिद है, लेकिन मस्जिद जैसी नहीं है। इसलिए उन्होंने धर्मोपदेशक के मंच पर दो रेशमी झंडे लगाए थे जो 'यहूदीवाद व ईसाईवाद पर इस्लाम की विजय के प्रतीक थे।' इसके साथ ही हर जुमे को उपदेश देने के लिए मंच पर चढ़ते समय शेख या इमाम अपने दाहिने हाथ में एक नंगी तलवार लेते थे जो इस बात का प्रतीक था कि हगिया सोफिया को कैसे जीता गया था। ग्रासवेनर पूछते हैं कि 'क्या मुस्लिम चर्च का लंबा अतीत भूल गए थे? ऐसा नहीं था क्योंकि झंडों और तलवार का प्रयोग इसी कारण होता था।'

हालांकि, तुर्की के राष्ट्रपति रेसिप तैयब इर्दोगान ने इस्लाम के लिए हगिया सोफिया 1453 के सुल्तान मुहम्मद-द्वितीय की तरह नहीं जीती है। उन्होंने इसे राष्ट्रपति के आदेश से प्राप्त किया जिसे 10 जुलाई को आधिकारिक गजट में प्रकाशित किया गया। इस प्रकार वे 'गजट गाज़ी' की भूमिका में हैं। तुर्की के पूर्व राष्ट्रपति मुस्तफा कमाल पाशा को भी 14 वर्षों तक 'गाज़ी' कहा जाता था, लेकिन 1935 में उन्होंने अतातुर्क पदवी धारण की। यह पदवी उनको सितंबर, 1921 में नई तुर्क राष्ट्रीय असेम्बली ने प्रदान की थी क्योंकि उन्होंने फील्ड मार्शल की तरह यूनान-तुर्क युद्ध का नेतृत्व किया था। अपने देशवासियों के लिए यह पदवी उनकी छवि को एक प्रकार की गरिमा प्रदान करती थी।

कमाल पाशा 'गाज़ी' के जीवनीकार पैट्रिक किनरोस ने बताया कि तुर्की के एक पहाड़ी गांव में एक कलाकार ने दीवाल पर कल्पना से उनकी तस्वीर बनाई थी। इसमें उनको बड़ी-बड़ी मूछों व सात फीट लंबी तलवार लिए एक विजेता की तरह दिखाया गया था। बाद में गांव वालों को यह देख कर धक्का लगा कि बिना दाढ़ी वाले गाज़ी खुले गले वाली स्पोर्ट शर्ट व पनामा हैट के साथ समर सूट पहने थे। वे इतना आश्चर्यचकित थे कि कमालपाशा के स्वागत में ताली भी बजाना भूल गए। कमाल तो काफ़िरों जैसे कपड़े पहने थे। अपने पश्चिमी परिधान के साथ ही कमाल की पश्चिमीकरण नीतियों से भी उनके देशवासी हतप्रभ हो सकते थे जो 400 साल तक खलीफा की प्रजा रहे थे। लेकिन कमाल अपने व्यक्तित्व व उपलब्धियों के आधार पर राज्य नीति व तुर्की के राष्ट्रीय जीवन में सेक्युलरवाद लागू करने में सफल हुए। उन्होंने खलीफ़त पर प्रतिबंध लगाया, धार्मिक अदालतें समाप्त कर दीं, खास टोपी पर प्रतिबंध लगाया, महिलाओं को बुर्का पहनने से हतोत्साहित किया, धार्मिक बिरादरीवाद को कुचल दिया, पूजास्थलों के रूप में दरगाहों को बंद कर दिया, राष्ट्रीय कैलेंडर के रूप में ग्रेगेरियन कैलेंडर लागू किया, शरीया के स्थान पर नया सिविल कोड लागू किया, तुर्क भाषा लिखने के लिए अरबी के बजाय लैटिन वर्णमाला का प्रयोग किया तथा अन्य कदमों के साथ अतातुर्क की उपाधि स्वीकार की। उनके गणतंत्र का टर्की नाम यूरोपीय मूल का लगता था, जबकि नागरिक इसे तुर्कीये कहते थे। तुर्क शब्द का संबंध इस्लाम से है जिसका प्रयोग यूरोपीयों ने 11वीं शताब्दी में किया था। यह वैचारिक बहस का विषय है कि क्या तुर्की का आधुनिकीकरण बिना पश्चिमीकरण के संभव था। लेकिन इन कदमों से अतातुर्क ने भाषा और क्षेत्र के आधार पर एक तुर्क पहचान बनाई जिसका धर्म से कोई संबंध नहीं था।

बर्नार्ड लुइस के अनुसार, 'आटोमन के शाही समाज में तुर्क शब्द का प्रयोग बहुत कम होता था और इसे एक अपमानजनक दृष्टिकोण से देखा जाता था। यह तुर्कोमान धुमंतुओं या अनातोली गांवों के अज्ञानी व जड़ तुर्की बोलने वाले किसानों से जुड़ा था। कांस्टेंटिनोपोल के आटोमन सुसभ्य लोगों के लिए इसका प्रयोग एक अपमान था।' उन्नीसवीं शताब्दी के अंत तक तुर्क स्वयं को शुद्ध रूप से मुसलमान मानते थे। इस प्रकार तुर्क राष्ट्रवाद और मुस्लिम पहचान के बीच एक द्वंद्व था। लेकिन अतातुर्क का गणराज्य एकदलीय शासन था। इस प्रकार किसी संगठित विपक्ष के अभाव में वे अपनी नीतियां लागू कर सकते थे। उन्होंने गणतंत्र में धर्म पर प्रतिबंध नहीं लगाया, पर उसके संस्थानों व धर्मगुरुओं पर राज्य मशीनरी द्वारा निर्देशों के माध्यम से नियंत्रण किया।

इसके उलट यूनानियों के लिए धर्म उनकी राष्ट्रीय पहचान निर्धारित करने में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा। 30 जनवरी, 1923 को यूनान व तुर्की के बीच जनसंख्या के अनिवार्य हस्तांतरण के प्राविधान करने वाले लासेन प्रस्ताव ने यूनान को एक 'यूनानी आर्थोडाक्स धर्म' तथा तुर्क को 'मुसलमान' के रूप में परिभाषित किया है और इसमें किसी व्यक्ति की भाषा का कोई संदर्भ नहीं है। 2001 का यूनान का लोकतांत्रिक संविधान सोलन, क्लिस्थीन, थिमोस्टोक्लीज और पेरीक्लीज के बजाय 'पवित्र, अभिन्न व अदृश्य त्रयी के नाम पर' से शुरू होता है।

पूर्वी आर्थोडाक्स ईसाइयत तथा यूनानी पहचान के बीच अभिन्न संबंध द्विआयामी है। पहला, चौथी शताब्दी के मध्य से लेकर 15वीं शताब्दी तक बैजेंटाइन युग के समय आर्थोडाक्स धर्म ने यूनानियों की आध्यात्मिक व राष्ट्रीय पहचान को जोड़ा। यूनानियों के हेलेनिक अतीत में दर्शन व धर्म पर अनेक टकरावों के कारण अत्यधिक राजनीतिक विखंडन वाली स्थिति पैदा हो गई थी। दूसरा, 15वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी तक आटोमन शासन के अंतर्गत चर्च यूनानी राष्ट्र के केन्द्र में थी। मिल्लत व्यवस्था के अंतर्गत कांस्टेंटिनोपोल में यूनानी कुलपिता रोम मिल्लत या रोमन राष्ट्र के सेक्युलर प्रमुख के रूप में काम करता था। उसके शासन में आटोमन साम्राज्य के सभी ईसाई शामिल थे। इस प्रकार वह एक साम्राज्य के भीतर एक राज्य की तरह काम करता था और उसका प्रभाव यूरोप में आटोमन साम्राज्य का प्रभाव घटने के साथ बढ़ता गया।

पैट्रास के आर्कबिशप जर्मेनास ने यूनान के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई थी। 4 अप्रैल, 1821 को उन्होंने तुर्कों के खिलाफहमले की घोषणा कर दी थी। इस संघर्ष में आर्थोडाक्स चर्च के अनेक उच्च अधिकारी शहीद हुए थे जिनमें स्वयं कांस्टेंटिनोपोल के पैट्रीआर्क ग्रेगरी-चतुर्थ शामिल थे। इस प्रकार शुरुआत से ही यूनान की स्वतंत्रता तथा चर्च के बीच चोली-दामन का साथ रहा।

इक्कीसवीं शताब्दी में भी यूनान इस विरासत का सम्मान करता है। लेकिन बैजेंटाइन साम्राज्य के समय भी चर्च और राज्य एक दूसरे से अलग थे तथा राजा व पैट्रीआर्क के बीच टकराव की वैसी कोई संभावना नहीं थी जो पोप और लैटिन ईसाई राजाओं के बीच सामने आई थी। यह बात यूनानी गणराज्य के लिए भी सही है क्योंकि वहां चर्च ने राज्य संचालन में कोई भूमिका नहीं है। इस बीच तुर्की ने हगिया सोफिया को फिर से एक मस्जिद में बदल कर अपनी छवि खराब की है।

आप की बात

सुशांत की मौत का सच

इन दिनों टीवी चैनलों पर अभिनेता सुशांत सिंह का प्रकरण छाया हुआ है। सुशांत सिंह आत्महत्या प्रकरण में दूध का दूध पानी का पानी होना चाहिए। वास्तव में जो भी दोषी है, उसको ना केवल पूरे देश के सामने लाना चाहिए बल्कि उसे कानूनन कड़ी सजा भी मिलना चाहिए। लेकिन यह प्रकरण जिस तरह से हाईलाइट किया जा रहा है, विशेषकर टीवी चैनल पर उसे देखकर लगता है कि पर्दे के पीछे कहानी कुछ और है। जिन न्यूज़ चैनलों पर प्राय: गोदी मीडिया व पक्षपात करने का ठप्पा लगा हुआ है वे चैनल सुशांत प्रकरण के माध्यम से कहीं दो निशाने की जुगाड़ में तो नहीं है? पहला महाराष्ट्र में महा अघाड़ी सरकार है, जिस के मुख्यमंत्री शिवसेना के उद्धव ठाकरे हैं। यह सरकार राकंपा कांग्रेस के समर्थन से बनी है। महाराष्ट्र की यह सरकार शुरू से ही आंखों की किरकिरी बनी हुई है। सुशांत की आड़ में महाराष्ट्र सरकार को उलझाने की कोशिश है। दूसरी तरफ सुशांत बिहार के हैं, जहां हाल फिलहाल में विधानसभा के चुनाव होने हैं। सुशांत के बहाने बिहार में नीतीश एंड कंपनी उनके प्रशंसकों की सहानुभूति लेना चाहती है कि हमें प्रशांत की कितनी चिंता है। ये राजनीति दल प्रशांत के प्रति इतने चिंतित नहीं है जितने चिंतित अपने स्वार्थों को लेकर हैं।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

शराब पर रोक जरूरी

पुरानी कथाओं में बुद्धजीवियों ने कहा कि जैसा खाओगे अन्न वैसा होगा मन। उसी प्रकार से मदिरा, शराब का पान करने वाले, न सिर्फ अपने को गहरी खाई में डाल रहे बल्कि अपने आसपास और बच्चों को नकारात्मक संदेश भी दे रहे। सरकार अपने राजस्व को बढ़ाने के लिए इसको प्रोत्साहित करती है। बिहार व भारत के कई राज्य शराब मुक्त हो गए। जरूरत है सभी राज्यों को इसपर गंभीरता से पहल करने की, जिससे इसका जड़ से ही खात्मा हो। पहले सरकार मदिरा बेचती है,फिर जो पीते हैं उनको पीटती है,अगर पी कर गाड़ी चलाता तो चालान भी कटता है, अन्यथा ऐक्सिडेंट तो होना ही है। हर तरफ से सरकार इसका फायदा उठाती है। आम जन मानस को इसे समझना चाहिए। जितने रुपए लीटर शराब है,उससे कितना सस्ता दूध लेकिन लोग महंगा भी लेते हैं और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी होता है।प्रशासन इस पर पहल करते हुए,नशा मुक्ति के साथ साथ मदिरालय को भी सख्त करें, जिससे की लोगों की जान न जाए। जब भी कोई घटना होती है तो सरकार स्क्रिप्टेड तरीके से अधिकारियों को बर्खास्त कर देती है, जांच का आदेश दे कर लंबी तान कर अगले घटना के आने तक, कुंभकर्णी नींद में सो जाती है।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

सिटी फारेस्ट बनना अच्छी खबर

आमतौर पर हम देखते हैं कि रोज सुबह शाम शहर के भीतर या फिर दौड़ने के अवसर से हम लोग बाहर निकलते हैं। इससे हमारे शरीर में तंदुरुस्ती बनी रहती है। इसी पहल को आगे बढ़ाने के लिए वन विभाग ने उत्तराखंड के कुमाऊं के छह जिलों में वन विभाग सिटी फॉरेस्ट बनाने की तैयारी कर ली है। यह बहुत ही अच्छी खबर है। फॉरेस्ट में लोगों के घूमने की आजादी के साथ अन्य तरह की सभी सुविधाएं भी वन विभाग स्वयं उपलब्ध करवाएगा। इसे अनेक फायदे होंगे जैसे शहरों में वनीकरण को बढ़ावा मिलेगा और सिटी फॉरेस्ट में भ्रमण से स्थानीय लोगों की सेहत में भी सुधार आएगा जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सकेगा। इन सिटी फॉरेस्टों के लिए हल्द्वानी समेत चंपावत बागेश्वर अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ जैसे शहर चुने गए हैं। हालांकि इसके लिए चुनौती भी है क्योंकि पहाड़ी इलाकों में 10 हेक्टेयर जमीन मिलना मुश्किल है। आशा है कि ये फॉरेस्ट जल्दी बनें और लोग इसमें घूम कर अपनी तंदुरुस्ती बढ़ाएं। इस काल में ऐसी खबर बहुत ही लाभदायक है क्योंकि इस समय हमारी सेहत पहली प्राथमिकता है।

– **सुदर्शन सोराड़ी,** नैनीताल

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

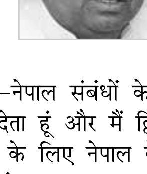

मैं अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का स्वागत करता हूं। मंदिर का निर्माण प्रत्येक भारतीय की सहमति से हो रहा है। ऐसा केवल भारत में ही संभव है।

– **कमलनाथ**
कांग्रेस नेता

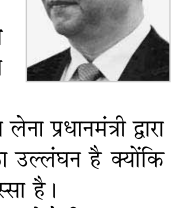

मैं चीन-नेपाल संबंधों के विकास को अत्यधिक महत्व देता हूं और मैं द्विपक्षीय रिश्तों के निरंतर विकास के लिए नेपाल के साथ काम करने का इच्छुक हूं।

– **शी जिनपिंग**
चीनी राष्ट्रपति

पद के नाते भूमि पूजन में भाग लेना प्रधानमंत्री द्वारा ली गई संविधान की शपथ का उल्लंघन है क्योंकि पंथनिरपेक्षता संविधान का हिस्सा है।

– **असदुद्दीन ओवैसी**
एएमआईएम प्रमुख

मंदिर की नयी पटकथा के महानायक बने मोदी

विपरीत हालातों में हुआ भूमिपूजन, जोरदार रही सीएम योगी की भूमिका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भूमि पूजन के साथ अयोध्या की धरती पर आज लिखी गई राम मंदिर की पटकथा के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महानायक बनकर उभरे हैं। राम मंदिर का करीब पांच सौ साल पुराने अतीत इस बात का गवाह हैं कि मंदिर निर्माण को लेकर अब तक जितने भी नये अहम घटनाक्रम हुये हैं उनमें अनेक चेहरे नायक के रूप में सामने आये हैं लेकिन इनमें से कोई भी महानायक के मुकाम तक नहीं पहुंच सका। किसी को भी मंदिर निर्माण की आधारशिला रखने का अवसर नहीं मिला। वैदिक मन्त्रोचारण के बीच राम मंदिर के भूमि पूजन के साथ पीएम मोदी का नाम राम मंदिर के इतिहास में महानायक के रूप में दर्ज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीराम जन्मभूमि जाने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री हैं। यह देश में पहला मौका है जब किसी प्रधानमंत्री ने अयोध्या की हनुमानगढ़ी का दर्शन किया है। इसके साथ देश की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रतीक किसी मंदिर के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने वाले पहले प्रधानमंत्री के तौर पर भी नरेंद्र मोदी का नाम दर्ज हो गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 वर्ष पहले 14 जनवरी 1992 में पहली बार अयोध्या गए थे। उस समय वह भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा में शामिल थे और डॉ. जोशी के सहयोगी के तौर पर भगवान राम की नगरी पहुंचे थे। यह यात्रा कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर भाजपा ने निकाली थी। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के एक वर्ष बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामनगरी अयोध्या पहुंचे और श्रीराम मंदिर निर्माण का भूमि पूजन करने के साथ ही आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर पर यहां एक डाक टिकट भी जारी किया। भूमि पूजन के बाद श्री मोदी अपने सम्बोधन में किसी युद्ध के विजेता के रूप में दिखे। कट्टर हिन्दुत्व की बजाय उन्होंने जातिपात और मजहब से अलग हटकर भगवान राम सभी के हैं और सभी में हैं, का बड़ा संदेश दिया। भगवान राम से जुड़े विभिन्न देशों के रिश्ते गिनाते समय पीएम मोदी नेपाल, इंडोनेशिया, मलेशिया, श्रीलंका के अलावा ईराक और इजराइल जैसे मुस्लिम देशों का नाम गिनाना नहीं भूले। उन्होंने कहा कि इन देशों में भगवान राम को लेकर अलग-अलग भाषाओं में ग्रन्थ हैं। अपने पूरे सम्बोधन में पीएम मोदी ने ऐसी कोई भी बात नहीं कही, जिससे किसी भी तरह की कट्टरता का संदेश जाये। वैसे राम मंदिर की इस नयी पटकथा में सीएम योगी का किरदार भी काफी जोरदार रहा है। उन्होंने कोरोना संकट के चलते विपरीत हालातों में इस आयोजन को भव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भूमि पूजन की तैयारियों से लेकर दिये जलाकर खुशियों की दीवाली मनाने में लोगों के अन्दर धर्य के साथ जोश भरने में सीएम योगी अहम भूमिका निभाकर बड़े नायक के रूप में उभरे। उन्होंने खुद अपने हाथों से रंग-बिरंगे दिये जलाकर खुशियों का इजहार किया। इतना ही नहीं राम मंदिर निर्माण पर सीएम की खुशी को उनके ट्विटर एकाउन्ट पर देखा जा सकता है। सियासत की इन दो बड़ी हस्तियों के अलावा राम मंदिर की नयी पटकथा में ट्रस्ट तथा संत समाज की अनेक चेहरे गवाह बने।

कुल मिलाकर पांच अगस्त 2020 को दोपहर 12 बजकर 44 मिनट और 8 सेकेन्ड पर वैदिक मंत्रों के बीच भूमि पूजन के साथ अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण एक बार फ्रि इतिहास पन्नों में दर्ज हो गया। सन 1528 में बाबर ने रामजन्मभूमि पर बने जिस मंदिर का ध्वंस कराया था, उसे लगभग दो हजार साल पहले महाराज विक्रमादित्य ने ही निर्मित कराया था। करीब पांच सौ साल के लंबे संघर्ष और सुप्रीम फैसले के बाद भव्य राम मंदिर के निर्माण फिर होने जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने लगभग दो हजार साल बाद दूसरी बार जन्मभूमि पर रामलला के भव्य मंदिर की आधारशिला रख दी है।

भूमि पूजन में मोदी अपने साथ लाये विशेष कलश

लखनऊ। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन के लिये पीएम नरेन्द्र मोदी अपने साथ कुंभ कलश दिल्ली से लेकर आए थे जो उन्होंने भूमि पूजन में दान दिये। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भूमि पूजन के लिए सोने के सिक्के को दान किया। भूमि पूजन में शामिल पुरोहित ने बताया कि सभी लोग इस खास अवसर के लिए कुछ न कुछ लेकर आए थे और शुभ घड़ी में सबने उसे वहां दान किया। प्रधानमंत्री आज सुबह भूमि पूजन स्थल पर पहुंचने के बाद तुरंत ही वापस लौट गए। जब तक इसे कोई समझ पाता कि आखिर वह गए कहां, तभी वे अपनी कार से चांदी का कुंभ कलश लेकर वापस आ गए। पीएम मोदी अयोध्या पहुंचे तो सबसे पहले वे हनुमानगढ़ी मंदिर गए। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद थे। पीएम मोदी ने हनुमानगढ़ी मंदिर में बजरंगबली की पूजा की। आरती करने के बाद उन्होंने मंदिर की परिक्रमा भी की। इसके ठीक बाद वह राम जन्मभूमि गए और रामलला का दर्शन किया। पीएम मोदी ने भगवान राम के सामने साष्टांग दंडवत प्रणाम किया। अपने सम्बोधन के दौरान पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि कलयुग में भगवान राम द्वारा स्थापित मर्यादा का पालन कराने की जिम्मेदारी हनुमान जी पर है। जिस कारण उन्होंने हनुमान गढ़ी के दर्शन करके पहले हनुमान जी से मंदिर निर्माण की अनुमति ली और फिर भूमिपूजन किया।

किसी सार्वजनिक मंच पर पहली बार दिखे मोदी और भागवत

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

यह संयोग ही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे पीएम हैं जिन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए हैं। यह भी पहला संजोग है कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और पीएम मोदी दोनों एक साथ पहली बार किसी सार्वजनिक मंच पर दिखाई दिए हैं। यूं तो भागवत संघ के विभिन्न कार्यक्रमों में स्वयं सेवकों को संबोधित करते दिखाई पड़ते हैं लेकिन किसी पीएम के साथ सार्वजनिक मंच पर आकर बीजेपी के पूरे होते धार्मिक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एजेंडे पर प्रसंन्नता व्यक्त की है।

मोदी ने बुधवार को अयोध्या में बनने वाले भव्य राममंदिर का भूमि पूजन किया और रामलला के दर्शन किये। वह स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने रामलला के दर्शन किए। ऐसा नहीं है कि मोदी पहली बार अयोध्या आए हैं। वह चुनावी रैलियों के लिए पहले भी यहां आ चुके हैं किंतु रामलला के दर्शन करने नहीं गए थे। नरेंद्र मोदी से पहले इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री रहते हुए अयोध्या आए थे किंतु राम जन्मभूमि से सभी ने अपने को दूर रखा और रामलला के दर्शन करने नहीं गए थे। उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस एसए बोबडे, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया रंजन गोगोई, जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एस अब्दुल नजीर ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए अयोध्या में राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त किया था। माना जाता है कि पहले अयोध्या आने वाले प्रधानमंत्रियों ने उस समय यह मामला अदालत में लंबित रहने की वजह से रामलला के दर्शन से दूरी बनाए रखी। 2019 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री रहते हुए नरेंद्र मोदी अयोध्या जिले में चुनावी जनसभा को संबोधित करने आए थे लेकिन रामलला का दर्शन नहीं किया था। इससे पहले बार श्री मोदी 1992 में अयोध्या आए थे। देश के स्वत्रंत होने के 19 वर्ष बाद कोई प्रधानमंत्री पहली बार अयोध्या आया तो वह स्व. इंदिरा गांधी थीं। वह 1966 में अयोध्या में नया घाट पर बने सरयू पुल का लोकार्पण करने आई थीं। पुल का शिलान्यास करने के बाद वह इसी कार्यक्रम से वापस चली गई थीं। इसके बाद दूसरी बार 1979 में वह अयोध्या आईं और उस समय भी हनुमानगढ़ी जाकर पवनपुत्र का दर्शन और पूजा अर्चना की। इन्दिरा गांधी तीसरी बार 1975 में अयोध्या में आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि का शिलान्यास करने आईं थी और यहीं से वापस लौट आई थी। राजीव गांधी भी प्रधानमंत्री रहते दो बार और पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में एक बार अयोध्या के दौरे पर आए। प्रधानमंत्री काल में 1986 में बाबरी मस्जिद का ताला खुला था लेकिन राजीव गांधी अयोध्या आने के बावजूद रामलला के दर्शन नहीं किए। बीजेपी के लिए राममंदिर आंदोलन फ र्श से अर्श पर पहुंचाने वाला रहा। भाजपा के संस्थापक और देश को भाजपा के नेतृत्व में पहली सरकार देने वाले अटल बिहारी वाजपेयी भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या तो कई बार आए। अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री रहते हुए वर्ष 2003 में राम मंदिर आंदोलन के अगुआ रहे रामचंद्रदास परमहंस के निधन पर अयोध्या आए थे। उन्होंने उस समय सरयू के तीरे स्व परमहंस को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वास जताया था कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर राममंदिर निमार्ण का सपना जरूर फ लित होगा। इससे पहले भी श्री वाजपेयी इसी वर्ष सरयू तट अयोध्या से गोरखपुर और पूर्वांचल को जोड़ने के लिए सरयू पर बने रेलवे पुल और रेल लाइन का उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। सरयू पर दूसरे पुल और स्वर्णिम चतुभुर्ज योजना से अयोध्या को जोड़ने का कार्य भी श्री वाजपेयी के कार्यकाल में हुआ था। श्री वाजपेयी ने भी प्रधानमंत्री रहते हुए रामलला के दर्शन से दूरी बनाए रखी।

रोशनी से जगमग सीएम आवास पर हुई आतिशबाजी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर राममंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन के बाद पूरे प्रदेश में उत्सव मनाया जा रहा है। बुधवार शाम लखनऊ के 5 कालीदास स्थित मुख्यमंत्री आवास पर भी जमकर आतिशबाजी की गई। सीएम ने खुद दीप जलाए और आतिशबाजी की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से दो दिन दीपावली मनाने की अपील की थी। वैसे राममंदिर भूमिपूजन को लेकर पिछले एक हफ्ते से पूरे प्रदेश में उत्सव का माहौल है। लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास पर कल मंगलवार को भी दीपावली मनाई गई थी। उधर मुख्यमंत्री के गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर स्थित आवास पर भी दो दिन से दीपावली मनाई जा रही है। शहर में भी लोगों ने अपने घर दीये जलाकर खुशी का इजहार किया है। अयोध्या में राम मंदिर के लिए भूमि पूजन होने के बाद पूरे प्रदेश में उल्लास की लहर दौड़ पड़ी। दिन में भूमि पूजन हुआ तो रात में दीपों से अयोध्या के साथ लक्ष्मणनगरी जगमगा उठी। मुख्यमंत्री आवास के अलावा सरकार के अन्य सभी मंत्रियों के आवास पर दिये जलाकर उत्सव मनाया गया और आतिशबाजी हुई। इसके साथ ही राजधानी के चौराहों तथा मुख्य मार्गो पर दीपावली जैसा नजारा देखने को मिला। घरों और मंदिरों में दीपकों की रोशनी नजर आ रही थी तो आसमान में आतिशबाजी की सतरंगी छटा श्रीराम मंदिर के शिलान्यास की दुहाई दे रही थी। हर ओर दीपोत्सव का माहौल था। पांच कालीदास मार्ग और उसके आसपास के इलाके के चौराहों पर रंग बिरंगी बिजली की झालरें लगाकर सजाया गया था। कालीदास मार्ग विक्रमादित्य मार्ग माल एवन्यू तथा गौतमपल्ली सहित आसपास के इलाकों में सरकार के मंत्रियों के बंगलों दिये की रोशनी में जगमग दिखे।

भूमि पूजन के उपलक्ष्य में राज्यपाल आनंदीबेन ने राजभवन में जलाए दीप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राम मन्दिर निर्माण हेतु किये गये भूमि पूजन एवं कार्यारम्भ के पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर आज राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों संग दीप प्रज्ज्वलित किये। राज्यपाल ने कर्मचारियों द्वारा की जा रही आतिशबाजी का अवलोकन किया तथा आग्रह पर स्वयं भी पटाखे जलाये।

भारतीय इतिहास का स्वर्णिम दिन : स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि आज का दिन भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम दिन रहा जब विश्व के सबसे प्राचीन और ज्ञानमयी, गर्वित व अलौकिक सनातन धर्म के आधार ष्भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए अयोध्या में भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा सम्पन्न हुआ। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने एक बयान जारी कर अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन होने पर समस्त राम भक्तों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस महान अवसर के लिए आभार जताया। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि वह भावुक व नतमस्तक हैं, जिस हृदयस्पर्शी व अभूतपूर्व दृश्य की वर्षों से प्रतीक्षा थी, आज उसे साकार होते देख रहा हूँ। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व के रामभक्त अब गौरव व आभा के साथ भगवान राम का दर्शन करेंगे व अपने आराध्य की पूजा अर्चना करेंगे। यह क्षण उन असंख्य रामभक्तों को भी स्मरण करने का है जिन्होंने इस महान यज्ञ में अपना बलिदान दियाए योगदान दिया। आज हर भारतीयए रामभक्त के लिए यह अविस्मरणीय क्षण है।

अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सभी लोग करें स्वीकार :मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि अब सभी लोगों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मानना चाहिए और अयोध्या को लेकर किसी भी तरह का विवाद नहीं करना चाहिए। मायावती ने कहा कि अयोध्या पवित्र नगरी है, भले ही लंबे समय तक यहां विवाद रहा हो लेकिन सुप्रीम कोर्ट इस विवाद का अंत कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ही मंदिर निर्माण हो रहा है। ऐसे में मेरी सलाह है कि सभी लोग सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मानें। बुधवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्विटर पर ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि, जैसाकि सर्वविदित है कि अयोध्या विभिन्न धर्मों की पवित्र नगरी व स्थली है। लेकिन दु:ख की बात यह है कि यह स्थल राम मन्दिर व बाबरी मस्जिद जमीन विवाद को लेकर काफी वर्षों तक विवादों में भी रहा है। लेकिन इसका सुप्रीम कोर्ट ने अन्त किया। साथ ही इसकी आड़ में राजनीति कर रही पार्टियों पर भी काफी कुछ विराम लगाया। कोर्ट के फैसले के तहत ही आज यहाँ राम मंदिर निर्माण की नींव रखी जा रही है, जिसका काफी कुछ श्रेय सुप्रीम कोर्ट को ही जाता है। जबकि इस मामले में बीएसपी का शुरू से ही यह कहना रहा है कि इस प्रकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट जो भी फैसला देगा, उसे हमारी पार्टी स्वीकार करेगी।

अखिलेश ने की मर्यादा पुरुषोत्तम राम के मार्ग पर चलने की अपील

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बुधवार को पूरी तरह से राममय दिखाई पड़े। यही नहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मर्यादा पुरुषोत्तम राम के द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की अपील भी की। बुधवार को जारी ट्वीट में सपा मुखिया अखिलेश काफी बदले-बदले से नजर आए राम के नाम पर सत्ता पक्ष भाजपा को आड़े हाथ लेने वाले अखिलेश यादव स्वयं राम और कृष्ण का गुणगान करते दिखाई पड़े। अखिलेश यादव ने अपने ट्वीट में पहले तो जय महादेव, जय सिया-राम, जय राधे-कृष्ण, जय हनुमान के जयकारे लगाए फिर, भगवान शिव के कल्याण, श्रीराम के अभयत्व व श्रीकृष्ण के उन्मुक्त भाव से सब परिपूर्ण रहने की अपील की। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने आग्रह किया कि वर्तमान व भविष्य की पीढ़ियां भी मर्यादा पुरुषोत्तम के दिखाए मार्ग के अनुरूप सच्चे मन से सबकी भलाई व शांति के लिए मर्यादा का पालन करे।

कंट्रोल रूम से रखी गई पल-पल की निगरानी

सकुशल निपटा ऐतिहासिक दिन, पूरे प्रदेश में रही कड़ी चौकसी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन कार्यक्रम को देखते हुए प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में बुधवार को पुलिस पूरी तरह से सतर्क रही। डीजीपी मुख्यालय स्थित कंट्रोल रूम से पूरे दिन पल पल की स्थितियों पर नजर रखी गई । संवेदनशील शहरों में पुलिस अधिकारी लगातार पीएसी व अर्धसैनिक बल के साथ गश्त करते रहे । पुलिस की सक्रियता का नतीजा है कि ऐतिहासिक कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से सकुशलता पूर्वक संपन्न हो गया। सुरक्षा की दृष्टि से 15 अगस्त तक प्रदेश में अलर्ट किया गया है।

अपराध और कानून व्यवस्था के साथ ही कोरोना की दुश्वारियां से जूझ रही प्रदेश पुलिस के लिए आज के इस ऐतिहासिक दिन पूरे प्रदेश में शांति व्यवस्था कायम रखने और अयोध्या में भूमि पूजन कार्यक्रम सकुशल संपन्न कराने की बड़ी चुनौती थी। अयोध्या को कड़े सुरक्षा घेरे में लेने के साथ ही उसके आसपास के सभी जिलों और प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में पुलिस अधिकारियों को पूरी तरह चौकन्ना कर दिया गया था। प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई थी। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की ओर से प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर आतंकी संगठनों द्वारा किसी तरह की साजिश रचे जाने का अंदेशा जताने के बाद डीजीपी की ओर से

● सुरक्षा की दृष्टि से 15 अगस्त तक रहेगा अलर्ट

अयोध्या के आसपास के जिलों में अतिरिक्त सतर्कता के निर्देश दिए गए थे। खुफिया विभाग के साथ ही एटीएस को भी अलर्ट किया गया । इन जिलों में सादी वर्दी में पुलिस व खुफिया एजेंसियों के कर्मियों को तैनात करने के साथ ही किसी तरह की चूक न होने देने की ताकीद की गई थी। डीजीपी के निर्देश पर प्रदेश के सभी संवेदनशील जिलों को छावनी में तब्दील करने के साथ ही पुलिस अधिकारी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरे दिन सड़क पर मुस्तैद रहे। शहरों में संवेदनशील इलाकों की ड्रोन कैमरा से निगरानी की गई। महत्वपूर्ण स्थानों के साथ बस स्टेशनए रेलवे स्टेशन और धार्मिक स्थलों पर भी पुलिस पूरी तरह से सतर्क रही। आला अधिकारी पेट्रोलिंग करते हुए भ्रमणशील रहकर शहर की हर गतिविधि पर नजर बनाए रहे। लखनऊ स्थित डीजीपी मुख्यालय के कंट्रोल रूम से प्रदेश के सभी जिलों में सतर्क निगरानी रखी गई। विभिन्न जिलों में साइबर टीम भी सोशल मीडिया पर पूरी तरह नजर बनाए रही। अफसरों के निर्देश पर संवेदनशील इलाकों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल के साथ सादे वेश में भी पुलिसकर्मी लगाए गए । इसके साथ ही बस स्टेशनों, सार्वजनिक स्थानों पर सतर्कता बरती जा रही है। जिले की सीमाओं पर भी नाकाबंदी रही।

मंत्रियों ने भी दीप जलाकर जताई आस्था

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राम मंदिर निर्माण भूमिपूजन के उपलक्ष्य में सरकार में शामिल मंत्रिपरिषद ने बुधवार को दीप प्रज्वलन कर खुशी का इजहार करते हुए आस्था प्रकट की।

प्रदेश की महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार स्वाति सिंह ने दीपक जलाये और कहा कि राम जन्मभूमि पूजन के अवसर का यह दीपक उत्सव का, प्रगति का आत्म निर्भरता का, स्नेह का, उत्साह काए आस्था का प्रतीक हैं । वही प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री अनिल राजभर ने अयोध्या नगरी में प्रभु श्रीराम जी के मंदिर के शिलान्यास उपरांत आज लखनऊ आवास पर सपरिवार सहित प्रभु श्रीराम जी के नाम का दीप जलाए।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मॉडल पर प्रधानमंत्री ने जारी किया डाक टिकट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

श्री राम जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज श्री राम जन्मभूमि मंदिर के प्रतिरूप पर आधारित डाक टिकट जारी किया। प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही रामायण विश्व महाकोश पर एक विशेष डाक आवरण व विरूपण भी जारी किया। उत्तर प्रदेश के चीफ पोस्टमास्टर जनरल कौशलेन्द्र कुमार सिन्हा ने प्रधानमंत्री को डाक टिकटों का प्रथम सेट भेंट किया। पोस्टमास्टर जनरल विनोद कुमार वर्मा, निदेशक डाक सेवा लखनऊ परिक्षेत्र कृष्ण कुमार यादव, प्रवर अधीक्षक डाकघर ज्ञान प्रकाश, सत्येन्द्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। इस डाक टिकट एवं विशेष आवरण का विमोचन भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत एवं श्री जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास की उपस्थिति में किया गया। यह कस्टमाइजड डाक टिकट और विशेष आवरण भारतीय डाक विभाग और उत्तर प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के अधीन अयोध्या शोध संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में जारी किया गया। उत्तर प्रदेश डाक परिमण्डल के चीफपोस्टमास्टर जनरल कौशलेन्द्र कुमार सिन्हा ने बताया कि इस कस्टमाइजड डाक टिकट की 5 हजार शीट्स मुद्रित की गयीं हैं जिनमें 60 हजार डाक टिकट उपलब्ध हैं। पोस्टमास्टर जनरल विनोद वर्मा ने बताया कि यह डाक टिकट फैज़ाबाद प्रधान डाकघर में बिक्री के लिये उपलब्ध होंगे। निदेशक डाक सेवाएं लखनऊ मुख्यालय परिक्षेत्र कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि ग्लोबल एनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ द रामायण पर जारी किए गए विशेष आवरण में विभिन्न काल खंडों एवं विभिन्न देशों में मिलने वाले रामायण संस्कृति के प्रमाणिक साक्ष्यों की जानकारी दी गयी है।

भाजपा मुख्यालय में दिखा उत्सव सा नजारा

● भजन कीर्तन कर मनाया गया दीपोत्सव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भूमि पूजन किए जाने के बाद पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपने अपने घरों पर दीपक जलाकर असीम उल्लास और खुशी के साथ दीपोत्सव मनाया। पार्टी के राज्य मुख्यालय पर दिन भर उत्सव का माहौल रहा। सायं काल पार्टी कार्यालय में रामदरबार की पूजा अर्चना व भंजन कीर्तन की धुनों के बीच दीपोत्सव का कार्यक्रम शुरू हुआ। पार्टी के राज्य मुख्यालय पर प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल व अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने पूजा अर्चना की।

पार्टी के राज्य मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं ने कई स्थानों पर रंगोलियां बनाकर प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण के लिए हुए भूमि पूजन को लेकर अपनी खुशियों का प्रकटीकरण किया। सायं काल पूरे पार्टी कार्यालय में हजारों की संख्या में दीपकों को जलाकर दीपोत्सवों मनाया गया। हजारों दीपकों की रौशनी में पूरा पार्टी कार्यालय दीपावली के जैसा जगमगा रहा था। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण कार्य की शुरूआत होने के लिए बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया। पूरे पार्टी कार्यालय को झालर व लाइटों की रोशनी से भी सजाया गया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने कहा कि लगभग 500 वर्षों तक रामभक्तों के संघर्ष, आस्था, विश्वास, तप व प्रयास से यह दिन आया है। पार्टी कार्यालय पर हुए दीपोत्सव के कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष जेपीएस राठौर, प्रदेश महामंत्री विजय बहादुर पाठक, गोविन्द नारायण शुक्ला, आईटी सेल के संयोजक व प्रदेश प्रवक्ता संजय राय, प्रदेश मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, सहप्रभारी चैधरी लक्ष्मण सिंह, अतुल अवस्थी, आईटी सेल के सहसंयोजक अंकित चंदेल, सौरभ, सत्यप्रकाश, अरूणकान्त त्रिपाठी, राजकुमार सहित कई अन्य पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मानवीय मूल्यों की पुनरस्थापना का अवसर है राम मंदिर : वेंकैया नायडू

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण एक धार्मिक मामले से कहीं अधिक है और यह उच्चतम मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का अवसर है। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान राम के आचरण और मूल्य भारत की चेतना के मूल तत्व हैं, जो सभी तरह के विभाजन और बाधाओं से ऊपर हैं। ये आज भी प्रासंगिक हैं।

अयोध्या में बुधवार को राम मंदिर के भूमि पूजन समारोह के अवसर पर एक फेसबुक पोस्ट में उपराष्ट्रपति ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का निर्माण सत्य, नैतिकता और आदर्शों के उन उच्चतम मानवीय मूल्यों का पुनः राज्याभिषेक है, जो मर्यादा पुरुषोत्तम (भगवान राम) ने अपने जीवन के दौरान स्थापित किए थे। उन्होंने लिखा, अयोध्या के राजा के रूप में राम ने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया। उनका आचरण और मूल्य भारत की चेतना के मूल तत्व हैं।

नायडू और उनकी पत्नी उषा ने इस अवसर पर बुधवार को उपराष्ट्रपति भवन में रामायण का पाठ भी किया। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में नायडू ने समारोह पर खुशी प्रकट करते हुए कहा कि राम मंदिर मातृभूमि के लोकाचार का स्मरण कराना जारी रखेगा, जो बगैर किसी भेदभाव के सर्वाभौम रूप से व्याप्त है।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने अयोध्या भूमि विवाद मामले में पक्षकार रहे दिवंगत हाशिम अंसारी के पुत्र इकबाल अंसारी की भी सराहना करते हुए लोगों से अतीत को भूलने और भारत की सच्ची भावना की ओर बढ़ने की अपील की। उन्होंने इस दिन को सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए आपसी सम्मान के एक नए युग की शुरुआत बताया, जो हर भारतीय के सपनों के भारत का निर्माण करेगा।

राम मंदिर आधुनिक भारत का प्रतीक बनेगा : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को कहा कि भगवान राम के मंदिर का निर्माण न्यायप्रक्रिया के अनुरूप तथा जनसाधारण के उत्साह व सामाजिक सौहार्द के संबल से हो रहा है और यह आधुनिक भारत का प्रतीक बनेगा। राष्ट्रपति कोविंद ने ट्वीट किया, राम-मंदिर निर्माण के शुभारंभ पर सभी को बधाई मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम के मंदिर का निर्माण न्यायप्रक्रिया के अनुरूप तथा जनसाधारण के उत्साह व सामाजिक सौहार्द के संबल से हो रहा है। मुझे विश्वास है कि मंदिर परिसर, रामराज्य के आदर्शों पर आधारित आधुनिक भारत का प्रतीक बनेगा। प्रधानमंत्री ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया और मंदिर की आधारशिला रखी। राम मंदिर का निर्माण भाजपा के घोषणापत्र में शामिल रहा है।

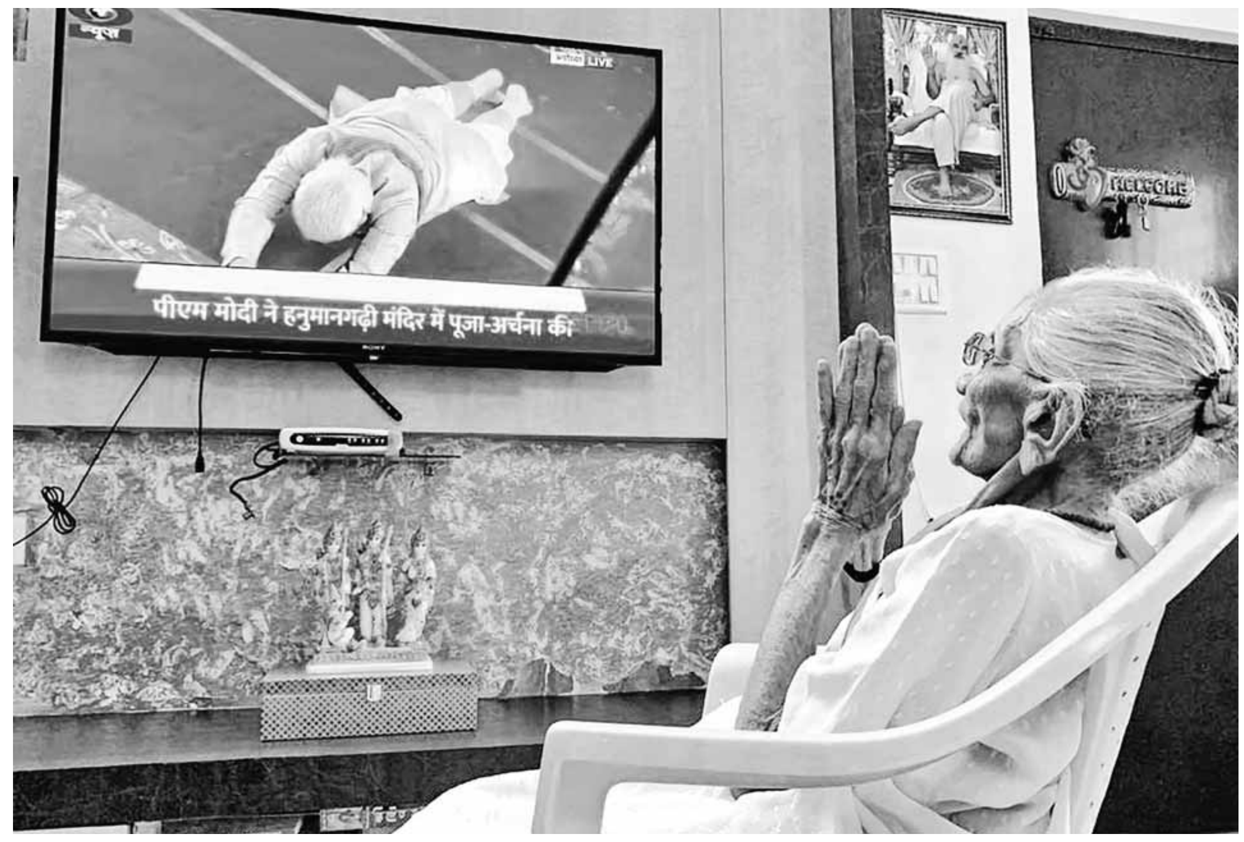

गांधीनगर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां हीराबा अयोध्या में राम मन्दिर के शिलान्यास को टीवी पर देखती हुईं

राम जन्मभूमि आंदोलन के पुरजोर समर्थक स्वामी विश्वेश तीर्थ को याद किया गया

भाषा। मंगलुरु

राम मंदिर के शिलान्यास के दिन बुधवार को कर्नाटक के उडुपी शहर में, राम जन्मभूमि आंदोलन के पुरजोर समर्थक रहे पेजावर मठ के संत स्वामी विश्वेश तीर्थ को याद किया गया। स्वामी विश्वेश तीर्थ का पिछले साल 29 दिसंबर को निधन हो गया था। उडुपी श्रीकृष्ण मंदिर की पांच पर्याय अवधियों (मंदिर में एक साल छोड़कर अगले साल होने वाला धार्मिक अनुष्ठान) की अध्यक्षता करने वाले विश्वेश तीर्थ राम जन्मभूमि आंदोलन का पुरजोर समर्थन करते थे। उन्हें उडुपी के अष्ठ मठों के उदार संतों में शुमार किया जाता था। उन्होंने छूआछूत का विरोध करते हुए सामाजिक सुधारों के लिए भी काम किया।

अपनी रथयात्रा के जरिए अयोध्या आंदोलन को मजबूती देने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी स्वामी विश्वेश तीर्थ के शिष्य हैं और उन्होंने अपनी यात्रा शुरू करने से पहले उनका आशीर्वाद भी लिया था। स्वामी, राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए बनी विश्व हिंदू परिषद की समिति के एक सक्रिय सदस्य थे। उन्होंने आंदोलन के नेताओं से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुस्लिम समुदाय को विश्वास में लेने का आग्रह करने में भी सक्रिय भूमिका निभाई।

पेजावर मठ के वर्तमान प्रमुख तथा श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य स्वामी विश्वप्रसन्ना तीर्थ ने दिवंगत संत की याद में प्रत्एक व्यक्ति से राम मंदिर के स्थापना दिवस को एक पर्व के रूप में मनाने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह समस्त हिंदू समाज का सपना पूरा होने जैसा है।

वर्षों का संघर्ष समाप्त हुआः विजय रूपाणी

अहमदाबाद (भाषा)। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन होने के साथ ही कई वर्षों का संघर्ष पूरा हो गया और इस दिन को इतिहास की किताबों में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बुधवार को भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण की शुरुआत से साबित होता है कि भाजपा हमेशा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। रूपाणी ने एक वीडियो संदेश में कहा, जय श्री रामउ पांच अगस्त 21वीं सदी में इतिहास की किताबों में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। पांच दशक, 500 साल की तपस्या और संघर्ष आज राम लला के मंदिर के भूमि पूजन के साथ पूरा हुआ।

राम मंदिर निर्माण के शिलान्यास ने स्वर्णिम अध्याय लिखा, नए युग की शुरुआत : शाह

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिलान्यास को ऐतिहासिक व गौरवपूर्ण करार दिया और कहा कि इस घटना ने महान भारतीय संस्कृति व सभ्यता के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है जो एक नए युग की शुरुआत है। शाह ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि राम मंदिर का निर्माण प्रधानमंत्री के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व को दर्शाता है। उन्होंने देश को विश्वास दिलाया कि मोदी सरकार भारतीय संस्कृति और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए हमेशा कटिबद्ध रहेगी।

शाह ने कहा, आज का दिन भारत के लिए एक ऐतिहासिक व गौरवपूर्ण दिन है। प्रभु श्री राम की जन्मभूमि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा भव्य राम मंदिर का भूमि पूजन व शिलान्यास किया गया, जिसने महान भारतीय संस्कृति व सभ्यता के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है और एक नए युग की शुरुआत की है। इस अवसर पर राम मंदिर निर्माण के लिए त्याग करने वाले सभी राम भक्तों के बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यह सदियों से दुनियाभर के हिंदुओं की आस्था का प्रतीक रहा है।

उन्होंने कहा, राम मंदिर निर्माण असंख्य नाम-अनाम रामभक्तों के सदियों के निरंतर त्याग, संघर्ष, तपस्या और बलिदान का परिणाम है। आज के दिन मैं उन सभी तपस्वियों को नमन करता हूँ जिन्होंने इतने वर्षों तक सनातन संस्कृति की इस अमूल्य धरोहर के लिए संघर्ष किया। जय श्री राम। शाह ने शिलान्यास को अविस्मरणीय दिन बताया और देशवासियों को इसके लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा, राम मंदिर का निर्माण प्रधानमंत्री के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व को दर्शाता है। मोदी सरकार भारतीय संस्कृति और उसके मूल्यों की रक्षा व संरक्षण के लिए हमेशा कटिबद्ध रहेगी। पूर्व भाजपा अध्यक्ष शाह ने श्री राम के चरित्र एवं जीवन दर्शन को भारतीय संस्कृति की आधारशिला बताया और कहा कि उनके आदर्श एवं विचार भारतवर्ष की आत्मा में बसते हैं। उन्होंने कहा, राम मंदिर निर्माण से यह पुण्यभूमि अयोध्याजी पुनः विश्व में अपने पूर्ण वैभव के साथ जग उठेगी।

क्विक न्यूज

राम मंदिर के निर्माण से देश की एकता और आपसी सद्भाव में अभिवृद्धि होगी : लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि भगवान श्री राम भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं और राम मंदिर के निर्माण से देश की एकता और आपसी सद्भाव में अभिवृद्धि होगी। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के ऐतिहासिक भूमि पूजन के अवसर पर देश के लोगों को बधाई दी। लोकसभा अध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा, भगवान श्रीराम भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। देश में प्रभु श्री राम के प्रति गहरी आस्था व निष्ठा है। बिरला ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने इस विषय पर सौहार्दपूर्ण निर्णय दिया। उसी निर्णय के प्रकाश में आज अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का शिलान्यास एक अद्भुत एवं ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि देश के नागरिक लंबे समय से इस मुहूर्त हेतु प्रतीक्षारत थे। मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ होने के साथ ही देश में दिव्य एवं अलौकिक वातावरण का आभास हो रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा मंदिर के निर्माण में सभी धर्मों एवं वर्गों के लोगों का सहयोग प्राप्त होने का समाचार सुखद है। राम मंदिर के निर्माण से देश की एकता और आपसी सद्भाव में अभिवृद्धि होगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया और मंदिर की आधारशिला रखी।

मंदिर मुद्दे को राजनीतिक मोहरे और सत्ता की सीढ़ी के रूप में किया गया इस्तेमालः कुमारस्वामी

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने बुधवार को भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि राम मंदिर का इस्तेमाल राजनीतिक मोहरे और सत्ता तक पहुंचने की सीढ़ी के रूप में किया गया। उन्होंने ट्वीट किया, भारतवासी के रूप में हमें अयोध्या में निर्माण के लिए कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी, लेकिन कुछ लोगों ने इसका इस्तेमाल राजनीतिक मोहरे और सत्ता की सीढ़ी की तरह किया जो कि हमारे लिए खराब क्षणों में से एक था। कुमारस्वामी ने राम जन्मभूमि पूजन के मौके पर ट्वीट करते हुए किसी भी पार्टी का नाम लिए बगैर यह ट्वीट किया। जद(एस) नेता ने कहा कि मंदिर को राम के आदर्शों को दिखाने वाले सौहार्द्र का प्रतीक रहने दें। इसके साथ ही स्वार्थ को खत्म करें और इसे सभी का मंगल करने दें। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राम मंदिर बनने के भारत के करोड़ों लोगों के सपने के पूरा होने का समय आ गया है और मंदिर को राम के सिद्धांतों का प्रतीक बनने दें जो कि सभी लोगों के दिलो-दिमाग में हैं।

हेमामालिनी ने अयोध्या में भूमि पूजन पर दी शुभकामनाएं

मथुरा। अभिनेत्री और भाजपा सांसद हेमामालिनी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन को लेकर बुधवार को देश-विदेश में रह रहे रामभक्तों को बधाई दी। हेमामालिनी ने टिवटर पर एक ऑडियो क्लिप साझा किया। जय श्रीराम के उद्घोष के साथ इसमें सांसद ने कहा, आज का दिन समस्त भारतवासियों के लिए बहुत ही गर्व का दिन है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम करोड़ों भारतवासियों की आस्था के महानायक हैं। सदियों के संघर्ष के बाद अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का शुभारम्भ होने जा रहा है और जिसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा, इससे देश में हर्ष और उल्लास का वातावरण है। ऐसे में मैं देश-विदेश में रहने वाले समस्त रामभक्तों को बहुत-बहुत बधाई एवं बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती हूं।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने शिलान्यास पर सभी को बधाई दी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने बुधवार को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का शिलान्यास होने पर देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि इससे प्रत्एक भारतीय की पुरानी आकांक्षा पूरी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राममंदिर निर्माण के लिए आज भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया है, भारतीयों की इस पुरानी आकांक्षा को पूरा करने वाले अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए ऐतिहासिक शिलान्यास पर भारत के लोगों को हार्दिक बधाइयां। भगवान श्रीराम का धर्म का सार्वभौम संदेश ना सिर्फ भारत बल्कि दुनिया भर का पथ प्रदर्शित करने वाला है।

मथुरा में श्रीकृष्ण के जन्मस्थान पर स्थित मंदिर में श्रीराम मंदिर के लिए भूमि पूजन की खुशी में सजावट हुई और दीये जलाये गये

राम मंदिर निर्माण का शिलान्यास ऐतिहासिक करने वाला पलः नड्डा

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का भूमि पूजन कर शिलान्यास किए जाने को ऐतिहासिक अवसर करार देते हुए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को कहा कि यह पल सभी को आनंदित और गौरवान्वित करने वाला है। नड्डा ने सिलसिलेवार ट्वीट कर प्रधानमंत्री और संत समाज के साथ सभी देशवासियों को बधाई दी और राम मंदिर निर्माण के आंदोलन में अपना जीवन खपा देने वालों को नमन भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्याजी में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन एवं शिलान्यास के मंगल अवसर पर सभी पूज्य संतों के चरणों में नमन करता हूं और समस्त देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। यह ऐतिहासिक पल सभी को आनंदित व गौरवान्वित करने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद व्यक्त करते हुए नड्डा ने कहा कि उन्होंने जन भावनाओं एवं श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के प्रति संकल्प को आज भूमि पूजन एवं शिलान्यास के माध्यम से साकार किया।

उन्होंने संत समाज के लोगों के साथ मंदिर आंदोलन के लिए संघर्ष करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी आभार जताया। मैं वंदन करता हूं सभी विचार परिवार के उन सभी सदस्यों का जो वर्षों तक अनवरत इस संकल्प के लिए संघर्ष करते रहे। मैं अभिनंदन करता हू, सभी राम भक्तों का जिनकी आस्था ने आज मूर्त रूप लिया।

एदियुरप्पा ने अयोध्या में राम मंदिर के भूमिपूजन पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पता और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए आधारशिला रखे जाने के अवसर पर लोगों को बुधवार को शुभकामनाएं दीं। कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद एक निजी अस्पताल में उपचार करा रहे एदियुरप्पा ने ट्वीट किया, सदियों बाद अयोध्या में भगवान राम का अभिषेक होगा। कई साधुओं, संतों और श्रद्धालुओं ने मंदिर निर्माण का सपना साकार करने के लिए कुर्बानी दी और यह सपना जल्द ही पूरा होगा। एदियुरप्पा ने कहा कि लोगों ने मंदिर का निर्माण देखने के लिए किए संघर्ष में कई मुश्किलों का सामना किया। उपमुख्यमंत्रियों डॉ. सी एन अश्वत्थ नारायण, गोविंद करजोल, लक्ष्मण सावदी, मंत्रियों एस सुरेश कुमार, रमेश जरकीहोली और अन्य लोगों ने भी बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में बुधवार को राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया।

प्रधानमंत्री 500 साल के भारत के सबसे बड़े नेता बन गए है : चौहान

भाषा। भोपाल

अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन एवं शिलान्यास होने के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज 500 साल के भारत के सबसे बड़े नेता बन गए हैं। चौहान ने इस संबंध में ट्वीट करने के साथ ही यहां चिरायु अस्पताल में कोरोना योद्धाओं से कहा, आज मेरे एवं करोड़ों देशवासियों के लिए प्रसन्नता का विषय है। आज अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्म भूमि पर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कर कमलों से राम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी गई है। मोदी जी ने दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्पशक्ति का परिचय दिया है। सारा देश उनका अभिनंदन करता है। उन्होंने कहा, राम मंदिर बनने का हमारा सपना साकार हो रहा है। संकल्प पूरा हो रहा है।

चौहान ने कहा, देश में कई बड़े नेता हुए जिन्होंने देश का प्रभावी नेतृत्व किया। देश ने एक दशक के नेता देखे और एक शताब्दी के नेता भी देखे, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पांच शताब्दियों (500 साल) के सबसे बड़े नेता बने हैं। जय श्रीराम। उन्होंने कहा, भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने कुशल नेतृत्व से न केवल 500 वर्षो का :अयोध्या राम जन्म भूमिः विवाद समाप्त किया, बल्कि भगवान श्रीराम लला के भव्य मंदिर के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त किया। यह मोदी जी की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं श्रीराम की कृपा से ही संभव हुआ। चौहान ने कहा, वह (मोदी) 500 साल के भारत के सबसे बड़े नेता हैं आज। उन्होंने कहा कि यह मोदी की इच्छाशक्ति के कारण ही संभव हो सका कि सरकार ने उच्चतम न्यायालय में राम जन्म भूमि मामले में मजबूती से पक्ष रखा।

चौहान ने कहा, चाहे अनुच्छेद 370 हो या अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण हो, यह मोदी जी की संकल्प शक्ति के साथ पूरा हो रहा है। मैं उनका अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा, हम सौभाग्यशाली हैं कि हम अपनी आँखों से इस पल के साक्षी बने। मोदी के चमत्कारिक नेतृत्व का परिणाम है कि सारा जगत इस अद्भुत क्षण का साक्षी बन रहा है। पूर्व की सरकारों के समय देशभर में मंदिर निर्माण के मामले में तनाव होता था और कर्फ़्यू लग जाता था। चौहान ने कहा, आज न कहीं तनाव है और न कहीं कर्फ़्यू लगा है। सम्पूर्ण देश भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण के भूमि पूजन के इस ऐतिहासिक क्षण में आह्लादित है, आनंदित और प्रसन्न है। उन्होंने कहा कि आज देश एकजुट हुआ है और जन-जन के आराध्य भगवान श्रीराम के मंदिर के निर्माण का क्षण आया।

चौहान ने कहा, मैं आज गदगद हूँ, भावविह्वल हूँ। प्रभु श्रीराम के मंदिर के भूमि पूजन के बाद एक नया युग प्रारम्भ होने जा रहा है। आप सभी को मेरी अनंत शुभकामनाएँ। सभी सनातन धर्मावलंबियों तथा देश और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए उन्होंने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत, जो विशेष रूप से इस अवसर पर उपस्थित रहे, मैं उन्हें प्रणाम करता हूँ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने राष्ट्र निर्माण के पवित्र कार्य को जिस प्रकार किया है, उसी की प्रेरणा से विश्व हिंदू परिषद जैसी संस्थाएँ बनीं।

जब उनसे सवाल किया गया कि कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह सहित कुछ लोग राम मंदिर के मुहूर्त को अशुभ बताकर इस कार्यक्रम का विरोध भी कर रहे हैं, तो चौहान ने कहा, जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। अब जिनका नाम (दिग्विजय) आपने लिया, उनको केवल दोष निकालने में मजा आता है। लेकिन आज मैं कोई दोष की बात नहीं करना चाहता।

चेन्नई में विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता राम मन्दिर शिलान्यास के अवसर पर खुशियां मनाते हुए।

तीन साल में तैयार हो जाएगा राम मंदिर: विहिप अध्यक्ष

● अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास से दुनियाभर के हिंदुओं में उत्साह है: कोकजे

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की आधारशिला रखे जाने जाने के साथ ही विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु सदाशिव कोकजे ने बुधवार को कहा कि इस निर्माण कार्य के अगले तीन साल के भीतर पूरा हो जाने की उम्मीद है।

कोकजे ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास से दुनियाभर के हिंदुओं में उत्साह है। केंद्र सरकार द्वारा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के गठन के बाद मंदिर निर्माण की प्रक्रिया जिस सुगम तरीके से आगे बढ़ रही है, वह अद्भुत है। मध्य प्रदेश और राजस्थान के उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अयोध्या में राम मंदिर तीन साल में बनकर तैयार हो जाएगा। कोकजे ने कहा कि राम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण विहिप के उसी मॉडल में मामूली बदलाव के साथ किया जाएगा जिसके तहत पिछले तीन दशक से पत्थर तराशे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर को भव्य स्वरूप देने के लिए हमारे मॉडल में थोड़ा बदलाव किया गया है। हमने दो मंजिलों के लिए पहले से पत्थर तराशकर रखे हैं जिनका इस्तेमाल मंदिर निर्माण में किया जाएगा। गौरतलब है कि विहिप, राम मंदिर आंदोलन की अगुवा रही है। इस संगठन ने राम मंदिर निर्माण कार्यशाला में वर्ष 1990 में अयोध्या में इस देवालय के निर्माण के लिए पत्थरों को तराशना शुरू किया था। हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कोकजे ने आरोप लगाया कि देश की आजादी के बाद कांग्रेस की वोट बैंक की राजनीति के कारण अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण की योजना लगातार पिछड़ती चली गई। उन्होंने कहाकि देश के बदले माहौल में अब कांग्रेस के नेता एक और राजनीतिक दांव चलते हुए खुद को हिंदुओं का हितैषी दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

राम मंदिर भूमि पूजन से बाल ठाकरे का सपना हुआ साकार

भाषा। मुंबई

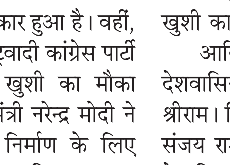

शिवसेना ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भूमि पूजन से पार्टी संस्थापक बाल ठाकरे का सपना साकार हुआ है। वहीं, उसकी सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने इसे खुशी का मौका करार दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए बुधवार को भूमि पूजन किया।

भाजपा की पूर्व में सहयोगी पार्टी रही शिवसेना राम जन्मभूमि आंदोलन की प्रबल समर्थक रही है। उसने भव्य मंदिर निर्माण लिए लंबे समय से प्रतीक्षित शिलान्यास कार्यक्रम पर देश की जनता को बधाई दी। राकांपा ने इस कार्यक्रम को सभी के लिए खुशी का पल बताया और कहा कि भगवान राम भारतवासियों के आराध्य हैं। शिवसेना नेता एवं महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा, सभी हिंदुओं की भावना के प्रतीक भगवान राम के मंदिर का आज भूमि पूजन हुआ। यह हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के सपनों के साकार होने और हम सब के लिए खुशी का दिन है।

आदित्य ने ट्वीट किया कि सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई। जय श्रीराम। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने भी राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने ट्वीट किया, बाला साहेब का सपना साकार हुआ। इससे पहले दिन में राकांपा के प्रदेश प्रमुख एवं मंत्री जयंत पाटिल ने कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र सांगली जिले में हमेशा भगवान राम के मंदिर में पूजा करते हैं। पाटिल ने ट्वीट किया, राम मंदिर के लिए भूमि पूजन आज अयोध्या में हो रहा है। यह हम सभी के लिए खुशी की बात है। हम हमेशा अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रभु श्रीराम के मंदिर में भक्ति भाव से पूजा करते हैं।

अयोध्या में राम मंदिर से संबंधित घटनाक्रम

1528:- मुगल शासक बाबर के कमांडर मीर बाकी ने राम जन्मभूमि स्थल पर बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया।

1885:- महंत रघुबीर दास ने फैजाबाद जिला अदालत में याचिका दायर कर विवादित ढांचे के बाहर छतरी के निर्माण की अनुमति मांगी। अदालत ने याचिका खारिज कर दी।

1949:- विवादित ढांचे के बाहर केंद्रीय गुंबद में रामलला की मूर्तियां स्थापित की गईं।

1950:- रामलला की मूर्तियों की पूजा का अधिकार हासिल करने के लिए गोपाल सिमला विशारद ने फैजाबाद जिला अदालत में याचिका दायर की।

1950:- परमहंस रामचंद्र दास ने पूजा जारी रखने और मूर्तियां रखने के लिए याचिका दायर की।

1959:- निर्मोही अखाड़ा ने जमीन पर अधिकार दिए जाने के लिए याचिका दायर की।

1961:- उत्तर प्रदेश सुन्नी केंद्रीय वक्फ बोर्ड ने स्थल पर अधिकार के लिए याचिका दायर की।

एक फरवरी, 1986:- स्थानीय अदालत ने सरकार को पूजा के मकसद से हिंदू श्रद्धालुओं के लिए स्थान खोलने का आदेश दिया।

14 अगस्त, 1989:- इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने विवादित ढांचे के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया।

छह दिसंबर, 1992:- बाबरी मस्जिद ढांचे को ढहाया गया।

तीन अप्रैल, 1993:- विवादित स्थल में जमीन अधिग्रहण के लिए केंद्र ने अयोध्या में निश्चित क्षेत्र अधिग्रहण कानून पारित किया। अधिनियम के विभिन्न पहलुओं को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कई रिट याचिका दायर की गईं। इनमें इस्माइल फारूकी की याचिका भी शामिल थी। उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 139ए के तहत अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर रिट याचिकाओं को स्थानांतरित कर दिया जो उच्च न्यायालय में लंबित थीं।

24 अक्टूबर, 1994:- उच्चतम न्यायालय ने ऐतिहासिक इस्माइल फारूकी मामले में कहा कि मस्जिद इस्लाम से जुड़ी हुई नहीं है।

अप्रैल, 2002:- उच्च न्यायालय में विवादित स्थल के मालिकाना हक को लेकर सुनवाई शुरू।

13 मार्च, 2003:- उच्चतम न्यायालय ने असलम उर्फ भूरे मामले में कहा, अधिग्रहीत स्थल पर किसी भी तरह की धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं है।

30 सितंबर, 2010:- उच्च न्यायालय ने 2:1 के बहुमत से विवादित क्षेत्र को सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और रामलला के बीच तीन हिस्सों में बांटने का आदेश दिया।

9 मई, 2011:- उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या जमीन विवाद में उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाई।

26 फरवरी, 2016:- सुब्रमण्यम स्वामी ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर विवादित स्थल पर राम मंदिर बनाए जाने की मांग की।

21 मार्च, 2017:- सीजेआई जे एस खेहर ने संबंधित पक्षों के बीच अदालत के बाहर समाधान का सुझाव दिया।

सात अगस्त:- उच्चतम न्यायालय ने 1994 के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तीन सदस्यीय पीठ का गठन किया।

आठ अगस्त:- उत्तर प्रदेश शिया केंद्रीय वक्फ बोर्ड ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि विवादित स्थल से उचित दूरी पर मुस्लिम बहुल इलाके में मस्जिद बनाई जा सकती है।

11 सितंबर:- उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को निर्देश दिया कि दस दिनों के अंदर दो अतिरिक्त जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति करें जो विवादित स्थल की यथास्थिति की निगरानी करें।

20 नवंबर:- उप्र शिया केंद्रीय वक्फ बोर्ड ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि मंदिर का निर्माण अयोध्या में किया जा सकता है और मस्जिद का लखनऊ में।

एक दिसंबर:- इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 2010 के फैसले को चुनौती देते हुए 32 मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने याचिका दायर की।

आठ फरवरी, 2018:- दीवानी याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई शुरू की।

14 मार्च:- उच्चतम न्यायालय ने स्वामी की याचिका सहित सभी अंतरिम याचिकाओं को खारिज किया।

छह अप्रैल:- राजीव धवन ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर 1994 के फैसले की टिप्पणियों पर पुनर्विचार के मुद्दे को बड़े पीठ के पास भेजने का आग्रह किया।

छह जुलाई:- उप्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि कुछ मुस्लिम समूह 1994 के फैसले की टिप्पणियों पर पुनर्विचार की मांग कर सुनवाई में विलंब करना चाहते हैं।

20 जुलाई:- उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखा।

27 सितंबर:- उच्चतम न्यायालय ने मामले को पांच सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष भेजने से इनकार किया। मामले की सुनवाई 29 अक्टूबर को तीन सदस्यीय नई पीठ द्वारा किए जाने की बात कही।

29 अक्टूबर:- उच्चतम न्यायालय ने मामले की सुनवाई उचित पीठ के समक्ष जनवरी के पहले हफ्ते में करना तय किया जिसे सुनवाई के समय पर निर्णय करना था।

12 नवंबर:- अखिल भारत हिंदू महासभा की याचिकाओं पर जल्द सुनवाई से उच्चतम न्यायालय का इनकार।

24 दिसंबर:- उच्चतम न्यायालय ने मामले में याचिकाओं पर चार जनवरी को सुनवाई का फैसला किया।

चार जनवरी, 2019:- उच्चतम न्यायालय ने कहा कि मालिकाना हक मामले में सुनवाई की तारीख तय करने के लिए उसके द्वारा गठित उपयुक्त पीठ दस जनवरी को फैसला सुनाएगी।

आठ जनवरी:- उच्चतम न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन किया जिसकी अध्यक्षता प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई ने की और इसमें न्यायमूर्ति एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति एनवी रमन, न्यायमूर्ति यूयू ललित और न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ शामिल रहे।

दस जनवरी:- न्यायमूर्ति यूयू ललित ने मामले से खुद को अलग किया जिसके बाद उच्चतम न्यायालय ने मामले की सुनवाई 29 जनवरी को नई पीठ के समक्ष तय की।

25 जनवरी:- उच्चतम न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए पांच सदस्यीय संविधान पीठ का पुनर्गठन किया। नई पीठ में प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति एसए बोबडे, न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एसए नजीर शामिल रहे।

29 जनवरी:- केंद्र ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर विवादित स्थल के आसपास की 67 एकड़ अधिग्रहीत जमीन को मूल स्वामियों को वापस करने की अनुमति मांगी।

26 फरवरी:- उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता का सुझाव दिया और इस बारे में फैसले के लिए पांच मार्च की तारीख तय की कि मामले को अदालत की तरफ से नियुक्त मध्यस्थ के पास भेजा जाए अथवा नहीं।

आठ मार्च:- उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता के लिए विवाद को एक समिति के पास भेज दिया जिसके अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एफएमआई कलीफुल्ला बनाए गए।

नौ अप्रैल:- निर्मोही अखाड़े ने अयोध्या स्थल के आसपास की अधिग्रहीत जमीन को मालिकों को लौटाने की केंद्र की याचिका उच्चतम न्यायालय में विरोध किया।

नौ मई:- तीन सदस्यीय मध्यस्थता समिति ने उच्चतम न्यायालय में अंतरिम रिपोर्ट सौंपी।

10 मई:- मध्यस्थता प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उच्चतम न्यायालय ने 15 अगस्त तक समयसीमा बढ़ाई।

11 जुलाई:- उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता की प्रगति पर रिपोर्ट मांगी।

18 जुलाई:- उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति देते हुए एक अगस्त तक परिणाम रिपोर्ट देने के लिए कहा।

एक अगस्त:- मध्यस्थता की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत को दी गई।

दो अगस्त:- उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता प्रक्रिया विफल रहने पर छह अगस्त से रोजाना सुनवाई का फैसला किया।

छह अगस्त:- उच्चतम न्यायालय ने रोजाना के आधार पर भूमि विवाद पर सुनवाई शुरू की।

चार अक्टूबर:- अदालत ने कहा कि 17 अक्टूबर तक सुनवाई पूरी कर 17 नवंबर तक फैसला सुनाया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कहा।

16 अक्टूबर:- उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा।

9 नवंबर 2019:- उच्चतम न्यायालय ने विवादित भूमि राम लला को दी। केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को मस्जिद के निर्माण के लिए किसी प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ जमीन मुसलमानों के देने का भी निर्देश दिया।

पांच फरवरी, 2020:- प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए 15 सदस्यीय न्यास की घोषणा संसद में की।

19 फरवरी:- राम मंदिर ट्रस्ट ने पदाधिकारियों की नियुक्ति की।

पांच अगस्त, 2020:- प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में भूमि पूजन के बाद राम मंदिर की आधारशिला रखी।

ममता ने की अनेकता में एकता की अपील

● भाजपा ने कहा हिंदू भावनाओं का तिरस्कार कर रही है तृणमूल

भाषा। कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी और वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सम्प्रदायों के बीच विविधता में एकता की पुरातन परंपरा को बनाए रखने की अपील की। उन्होंने ट्वीट किया है, हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई, आपस में हैं भाई-भाईउ मेरा भारत महान, महान हमारा हिंदुस्तान। हमारे देश को विविधता में एकता की सदियों पुरानी विरासत को सदैव बरकरार रखना चाहिए और हमें अंतिम सांस तक इसकी रक्षा करनी है। इसबीच, पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष दिलीप घोष ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह अयोध्या में भूमि पूजन के दिन लॉकडाउन लगाकर हिन्दू भावनाओं का तिरस्कार कर रही है। घोष ने कहा, हमें लॉकडाउन की तिथि में बदलाव का अनुरोध किया था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।बंगाल में भगवान राम के श्रद्धालु बेहद साधारण तरीके से खुशियां मनाना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। तृणमूल कांग्रेस ने राज्य के हिन्दुओं की भावनाओं का तिरस्कार किया है। तृणमूल आने वाले दिनों में इसकी बड़ी कीमत चुकाएगी। उन्होंने बनर्जी से सवाल किया कि वह स्पष्ट करें कि मंदिर निर्माण के पक्ष में हैं या नहीं।

महाजन ने कहा, अब देश में होगी राम राज्य की शुरुआत

इंदौर (मध्यप्रदेश)। अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने बुधवार को कहा कि इस काम के बाद देश में राम राज्य की प्राचीन अवधारणा के साकार होने की शुरूआत होगी। महाजन ने स्थानीय भाजपा कार्यालय में पार्टी के अन्य नेताओं के साथ राम मंदिर के शिलान्यास समारोह का सीधा प्रसारण देखा। इसके बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कई लोगों की जन्म-जन्म की तपस्या के बाद अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर उनके मंदिर के निर्माण की शुरूआत हुई है। इससे दुनिया भर के लोगों में आनंद और तृप्ति का भाव है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहाकि हम सभी लोग राम राज्य की कल्पना बार-बार करते हैं। अब कहीं न कहीं उसकी शुरूआत होगी क्योंकि हरेक व्यक्ति के मन में इसके प्रति भाव बढ़ते जा रहे हैं।

हमारे लिए 15 अगस्त की तरह पांच अगस्त भी महत्वपूर्ण: विजयवर्गीय

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की आधारशिला रखे जाने पर प्रसन्नता जताते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने बुधवार को कहा कि सनातन हिन्दू धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए देश के स्वतंत्रता दिवस की तरह इस मंदिर की शिलान्यास तिथि भी महत्वपूर्ण है।

विजयवर्गीय ने यहां संवाददाताओं से कहा कि हमारे लिए जितना महत्वपूर्ण 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) है, उतना ही महत्वपूर्ण पांच अगस्त (राम मंदिर शिलान्यास तिथि) भी है क्योंकि यह तारीख सनातन धर्म को मानने वाले लोगों के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हम स्वतंत्रता दिवस भी गौरवमई तरीके से मनाते हैं। लेकिन अंग्रेजी राज से भारत की आजादी का पहला क्षण हमने नहीं देखा क्योंकि हमारा जन्म 15 अगस्त 1947 के बाद हुआ था। विजयवर्गीय ने दावा किया कि देश की स्वतंत्रता के लिए जितने लोगों ने बलिदान दिया, पिछले 492 साल में (अयोध्या में राम जन्मभूमि पर) राम मंदिर के लिए उससे ज्यादा लोगों ने बलिदान दिया।

उन्होंने एक सवाल पर कहा, "लोगों की इच्छा है कि कृष्ण जन्मभूमि (मथुरा) और काशी विश्वनाथ मंदिर (वाराणसी) के परिसर भी मुक्त हों। पर आगे देखते हैं होता है क्या। विजयवर्गीय ने कहा कि तेजी से बढ़ती जनसंख्या के नियंत्रण पर भी देश में बहस होनी चाहिए क्योंकि आबादी की विकराल होती समस्या के सामने विकास कहीं न कहीं बौना सिद्ध हो रहा है।

मरने से पहले जीवन में एक बार अयोध्या जाना चाहता हूं: सालकर

भाषा। पणजी

सेवानिवृत्त शिक्षक और भाजपा के वयोवृद्ध नेता सुभाष सालकर ने कहा कि वह मरने से पहले कम से कम एक बार अयोध्या जाना चाहेंगे। सालकर छह दिसंबर, 1992 को बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराए जाने वाले दिन अयोध्या में मौजूद थे। वह गोवा से गए करीब 750 कारसेवकों में शामिल थे। सालकर (71) याद करते हैं कि उस समूह में केंद्रीय आयुष मंत्री श्रीपद नाइक और पूर्व रक्षा मंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर भी शामिल थे। सालकर ने कहा, अगर कोविड-19 की पाबंदियां नहीं होतीं तो मैं निश्चित रूप से अयोध्या जाकर समारोह देखता। उन्होंने बताया, हम 1992 में सात दिन तक वहां रुके थे। मुझे याद है कि एक दिन पर्रिकर समेत हम सभी लालकृष्ण आडवाणी, साध्वी रितंभरा और अन्य के भाषण सुनकर एक पंडाल में सोए थे। गोवा में भाजपा की कोर टीम का हिस्सा रहे सालकर ने उक्त घटना के दो साल बाद 1994 में राज्य विधानसभा में चार सीटें जीतने के साथ भाजपा की उपस्थिति दर्ज होते देखी थी।

राम मंदिर जश्न को लेकर पश्चिम बंगाल में कुछ जगह झड़प

भाषा। कोलकाता

अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास के मौके पर बुधवार को पश्चिम बंगाल में पूर्ण लॉकडाउन के बीच जश्न मनाया गया। इस दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिमी मिदनापुर जिले के खादरपुर, उत्तरी 24 परगना के नारायणपुर और उत्तरी बंगाल के अलीपुरद्वार समेत कुछ जगहों से झड़प की खबरें मिली हैं।

उन्होंने बताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने खादरपुर में जुलूस निकाला, जिसे पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद झड़प हो गई। अधिकारी ने कहा, मार्च को आगे बढ़ने से रोके जाने पर पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। भाजपा के कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि घटना में कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। अलीपुरद्वार कस्बे में भाजपा कार्यकर्ताओं को पूर्ण लॉकडाउन के चलते भूमि पूजन आयोजित करने से रोका गया, जिससे तनाव बढ़ गया। भाजपा कार्यकर्ता ने नारायणपुर इलाके में यज्ञ आयोजित करने का प्रयास किया, लेकिन कुछ स्थानीय लोगों ने उन्हें रोक दिया। पुलिस ने कहा कि उसने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया। तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता तापस चटर्जी ने कहा, भाजपा इलाके में शांति भंग करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने उन्हें रोक दिया।

भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष दिलीप घोष ने अपने न्यू टाउन आवास पर भूमि पूजन का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की बर्बरता राज्य सरकार की हिंदू-विरोधी मानसिकता को दर्शाती है। घोष ने कहा, हम बीते कई दिन से पूर्ण लॉकडाउन की तारीख बदलने का अनुरोध कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जब भगवान राम के भक्त सादगी से इस दिन का जश्न मना रहे थे तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। टीएमसी सरकार ने जानबूझकर राज्य में हिंदुओं की भावनाओं का अपमान किया है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा सांसद सौगत रॉय ने पटलवार करते हुए इन आरोपों को बेबुनियाद करार दिया।

अमेजिंग अयोध्या: भगवान राम के जन्मस्थान का इतिहास बताती एक नई पुस्तक

नई दिल्ली। राम मंदिर भूमि पूजन बुधवार को हुआ और इसी दिन प्रकाशन कंपनी ब्लूम्सबरी ने अपनी नई पुस्तक की घोषणा की जो अयोध्या के इतिहास पर प्रकाश डालेगी। नीना राय की पुस्तक अमेजिंग अयोध्या शहर के बारे में प्रामाणिक जानकारी देने का वादा करती है, जो न केवल प्राचीन हिंदुओं के जीवन और समय को समझने में मदद करेगी, बल्कि राम और सीता के जीवन को समझने का भी मौका देगी। राय ने कहा भारत में पला-बढ़ा कोई भी व्यक्ति राम और सीता की सुंदर कहानी से अछूता नहीं है। प्रत्येक दीपावली हर कोई राम और सीता के अयोध्या वापस आने के बारे में सुनता है, लेकिन सभी समारोहों के बीच शायद ही किसी का ध्यान अयोध्या पर जाता होगा। हम अयोध्या के बारे में बस यही सुनते हैं कि कैसे राजा और रानी के स्वागत के लिए शहर में दीप जलाए गए थे। उन्होंने कहा, हम जिस अवतार की पूजा करते हैं, उसे समझने के लिए, हमें यह समझना चाहिए कि उनके युग में जीवन और समय कैसा था। अमेजिंग अयोध्या पुस्तक अयोध्या, इसकी वास्तुकला और अन्य विवरणों को जानने का एक प्रयास है- अयोध्या कितनी बड़ा थी? इसका आकार कैसा था? वहां घर कैसे थे? किसने अयोध्या की स्थापना की? वहां किस तरह के जानवर रहते थे?

बीकानेर में बजरंग दल के सदस्य अयोध्या में प्रस्तावित राम मंदिर के समारोह का जश्न मनाते हुए

पेज एक का शेष

श्री रामचन्द्र...

में आते ही पूरा वातावरण राममय लगे। अयोध्या में आने वाले राम भक्तों को लगे कि वो राम नगरी में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच राम मंदिर की आधारशिला रखी। राम मंदिर परिसर अद्भुत अकल्पनीय दिखा। अयोध्या में चहुँ ओर उत्सव और उल्लास था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वायुसेना का विशेष विमान जैसे ही साकेत महाविद्यालय में बने अस्थाई हेलीपैड पर उतरा उन्होंने उतरते ही राम की नगरी को प्रणाम किया और हनुमान गढ़ी में पहुंच कर माथा टेका। श्री राम जन्म परिसर में बने अस्थाई राम मंदिर में उन्होंने साष्टांग दंडवत कर प्रभु राम का आशीर्वाद लिया। मंच पर पहुंचते ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वहाँ पर उपस्थित संत समाज का करबद्ध अभिवादन किया। प्रधानमंत्री का यह जीवन दर्शन देख कर अयोध्या के लोग फूले ना समाये। शाम होते-होते अयोध्या की सभी सड़कें, प्रतिष्ठान, दुकान, मकान, मठ-मन्दिर दीपों से प्रकाशित हो गए। जगह-जगह प्रसाद, कीर्तन, भजन हो रहे थे। घंटे, घड़ियाल बज रहे थे।

जय सियाराम...

बाद प्रधानमंत्री ने एक समारोह को संबोधित किया और इसकी शुरुआत सियावर रामचंद्र की जय और जय सिया राम के उद्घोष से की। उन्होंने कहा कि यह उद्घोष सिर्फ राम की नगरी में ही नहीं, बल्कि इसकी गूंज पूरे विश्व में सुनाई दे रही है। उन्होंने सभी देशवासियों को और विश्व में फैले करोड़ों राम भक्तों को इस पवित्र अवसर पर कोटि कोटि बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बरसों से टाट और टेंट के नीचे रह रहे हमारे रामलला के लिए अब एक भव्य मंदिर का निर्माण होगा। उन्होंने कहा, टूटना और फिर उठ खड़ा होना, सदियों से चल रहे इस व्यतिक्रम से राम जन्मभूमि आज मुक्त हो गई है। पूरा देश रोमांचित है, हर मन दीपमय है। सदियों का इंतजार आज समाप्त हो रहा है। मोदी ने कहा कि राम सबके हैं, सब में हैं और उनकी यही सर्वव्यापकता भारत की विविधता में एकता का जीवन चरित्र है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीराम के नाम की तरह ही अयोध्या में बनने वाला भव्य राम मंदिर भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत का द्योतक होगा। मोदी ने कहा, राम का मंदिर भारतीय संस्कृति का आधुनिक प्रतीक बनेगा, हमारी शाश्वत आस्था का प्रतीक बनेगा, राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बनेगा। ए मंदिर करोड़ों-करोड़ों लोगों की सामूहिक शक्ति का भी प्रतीक बनेगा। यहां निर्मित होने वाला राम मंदिर भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत का द्योतक होगा, अनंतकाल तक पूरी मानवता को प्रेरणा देगा और मार्गदर्शन करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान राम की अद्भुत शक्ति देखिए कि इमारतें नष्ट कर दी गईं, अस्तित्व मिटाने का प्रयास भी बहुत हुआ, लेकिन राम आज भी हमारे मन में बसे हैं, हमारी संस्कृति का आधार हैं। उन्होंने कहा, श्रीराम भारत की मर्यादा हैं, श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। अपने संबोधन से पहले, प्रधानमंत्री ने मंदिर निर्माण की आधारशिला से संबंधित एक पट्टिका का अनावरण किया और इस मौके पर श्री राम जन्मभूमि मंदिर से संबंधित विशेष डाक टिकट भी जारी किया।

40 मिनट...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांदी का अपना एक कुंभ कलश स्थापित किया जिसको उसी ने रखा गया। संघ प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी भूमि पूजन में स्वर्ण मुद्राएं डालीं। वहां उपस्थित सभी लोगों ने भूमि पूजन के नींव में अपना कुछ ना कुछ अर्पित किया।

भूमि पूजन...

दीपोत्सव का कार्यक्रम शुरू किया था। आज उसकी सिद्धि हो रही है। सरकार की ओर से रामायण सर्किट का काम शुरू किया गया। साथ ही अयोध्या में विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान राम सबके हैं और सबको उनके दिखाए गए रास्तों पर चलना चाहिए। रामराज की परिकल्पना महात्मा गांधी ने भी देखी थी। आज अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर शिलान्यास के बाद यह परिकल्पना देश में पूरी हो जाएगी और सभी लोग मिल जुल कर देश को रामराज की तरफ ले जाएंगे।

अधिकांश विपक्षी...

दिन में राकांपा के प्रदेश प्रमुख एवं मंत्री जयंत पाटिल ने कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र सांगली जिले में हमेशा भगवान राम के मंदिर में पूजा करते हैं। पाटिल ने ट्वीट किया, राम मंदिर के लिए भूमि पूजन आज अयोध्या में हो रहा है। यह हम सभी के लिए खुशी की बात है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस अवसर पर सम्प्रदायों के बीच विविधता में एकता की पुरातन परंपरा को बनाए रखने की अपील की। उन्होंने ट्वीट किया है, हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई, आपस में हैं भाई-भाईउ मेरा भारत महान, महान हमारा हिंदुस्तान। हमारे देश को विविधता में एकता की सदियों पुरानी विरासत को सदैव बरकरार रखना चाहिए और हमें अंतिम सांस तक इसकी रक्षा करनी है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का श्रेय उच्चतम न्यायालय को देते हुए कहा कि अयोध्या विवाद में अदालत के फैसले को अब सभी लोगों को स्वीकार कर लेना चाहिए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक ट्वीट में आशा जताई कि मौजूदा और भावी पीढ़ियां भी मर्यादा पुरुषोत्तम के दिखाए मार्ग के अनुरूप सच्चे मन से सबकी भलाई और शांति के लिए मर्यादा का पालन करेंगी। हालांकि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भूमि पूजन के अवसर पर प्रधानमंत्री की उपस्थिति संविधान के खिलाफ है और यह बहुसंख्यकवाद की जीत को दर्शाती है। उन्होंने कहा, आज धर्मनिरपेक्षता पर हिन्दुत्व की जीत हुई है। ओवैसी कहाकि कार्यक्रम में शामिल होकर प्रधानमंत्री ने न सिर्फ मंदिर की, बल्कि हिन्दू राष्ट्र की भी आधारशिला रखी है।

वायरस ने...

गई। यहां बीते 224 घंटों में 5,175 केस भी आए और कुल मरीजों की संख्या 2.73 लाख से अधिक हो गई। आंध्र प्रदेश में 79,104, उत्तर प्रदेश में 44,222, पष्चिम बंगाल में 22,315 केस हो गए हैं। असम में भी कुल सक्रिय केस 13,625 हो गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कर्नाटक, गोवा, त्रिपुरा, मणिपुर और पुदुचेरी जैसे राज्यों में भी कोविड-19 का गंभीर असर दिख रहा है। इस बीच, वैश्विक स्तर पर कोरोनो वायरस के मामले बुधवार को बढ़कर 1,84,66,594 हो गए, जिनमें 6,99,134 की मौत हो चुकी है। जॉन हॉपकिंस के आंकड़ों से पता चला है कि अब तक कम से कम 1,10,58,317 लोग इस बीमारी से उबर चुके हैं।

स्वस्थ होने...

ज्यादा नमूनों की जांच गई है। देश में अब तक 2,14,84,402 जांच की जा चुकी है। प्रति दस लाख आबादी पर 15,568 जांच की जा रही है। देश में प्रयोगशालाओं की संख्या भी बढ़ाई गई है। वर्तमान में 920 सरकारी और 446 निजी प्रयोगशालाएं हैं।

धर्म को स्थापित रखने के लिए राज्य सत्ता का नियंत्रण हिंदुओं के हाथ में होना अनिवार्य: सूर्या

बेंगलुरु। बेंगलुरु दक्षिण से भाजपा के तेजर्तार सांसद तेजस्वी सूर्या ने बुधवार को कहा कि धर्म को स्थापित रखने के लिए राज्य सत्ता का नियंत्रण हिंदुओं के हाथ में होना बेहद अनिवार्य है। सूर्या ने लगातार कई ट्वीट करके यह बात तब कही जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। सूर्या ने ट्वीट किया, प्रिय हिन्दुओं, सबसे महत्वपूर्ण पाठ यह है कि धर्म को स्थापित रखने के लिए राज्य सत्ता का नियंत्रण हिंदुओं के हाथ में होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि जब हमने राज्य पर नियंत्रण नहीं रखा हमने अपने मंदिर खो दिए। जब हमने इसे हासिल किया, इसे दोबारा बनाया। भाजपा युवा प्रकोष्ठ के राज्य महासचिव सूर्या ने ट्वीट किया, श्री नरेन्द्र मोदी को वर्ष 2014 में 282 (सीट) और 2019 में 303 (सीट) ने आज यह संभव कर दिया। उन्होंने कहा कि भारत का टिके रहना सनातन धर्म के टिके रहने से जुड़ा है। सूर्या ने कहा कि श्री अरविंदो ने अपने उत्तरपाड़ा भाषण में कहा था सनातम धर्म राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि लेकिन इसका अर्थ क्या है? जय श्रीराम के साथ पुरोहितों ने भारत माता की जय के भी नारे लगाए- यही धार्मिक राष्ट्रवाद है। उन्होंने एक और ट्वीट में कहा, अगर धर्म टिका रहेगा तभी भारत टिका रहेगा।

सुमित को मुख्य ड्रा में सीधे प्रवेश मिला

न्यूयार्क। भारत के युवा टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को अमेरिकी ओपन एकल मुख्य ड्रा में सीधे प्रवेश मिला है चूंकि कई शीर्ष खिलाड़ियों ने 31 अगस्त से शुरू हो रहे इस ग्रैंडस्लैम से नाम वापिस ले लिया है। टूर्नामेंट की वेबसाइट के अनुसार दुनिया के 127वें नंबर के खिलाड़ी नागल प्रवेश पाने वाले आखिरी खिलाड़ी हैं। नागल इसमें एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं जबकि प्रजनेश गुणेश्वरन चूक गए जो रैंकिंग में 132वें स्थान पर हैं। फेडरर और रफेल नडाल इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं। पूर्व चैम्पियन स्टान वावरिंका, निक किर्गियोस, फेबियो फोगनिनी और गाएल मोंफिल्स ने भी नाम वापिस ले लिया है।

जुवान ने पहले दौर में वोंड्रूसोवा को हराया

पालेरमो (**इटली**)। स्लोवेनिया के क्वालीफायर काजा जुवान ने पालेरमो लेडीज ओपन के पहले दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य के मार्केटा वोंड्रूसोवा को 1-6, 7-5, 6-4 से हराया। वोंड्रूसोवा ने पहला सेट 29 मिनट में जीता और दूसरे सेट में भी 5-4 से बढत बना ली थी लेकिन बाद में लय कायम नहीं रख सके। शीर्ष वरीयता प्राप्त पेट्रा मार्टिच ने एलिसन वान यूवांक को 6-0, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। अब उसका सामना रूस की क्वालीफायर लुडमिला सैमसोनोवा से होगा जिसने कर्स्टन फ्लिपकेंस को 6-4, 6-2 से मात दी।

एक्सफिनिटी टीम पर जुर्माना लगा

चार्लोट (**अमेरिका**)। पांच अगस्त (एपी) नैसकार ने एक्सफिनिटी टीम पर 50,000 डालर का जुर्माना लगाया है क्योंकि ड्राइवर एलेक्स लाबे ने डेटोना इंटरनेशनल स्पीडवे पर रोड कोर्स के लिए परीक्षण नीति का उल्लघंन किया। नैसकार इस महीने के अंत में पहली बार इस कोर्स पर रेसिंग करेगी इसलिए वह मुख्य रेस से पहले इस पर कोई भी अभ्यास सत्र नहीं करा रही है। संस्था ने कहा था कि ड्राइवर केवल एक ही रेस में भाग ले सकते हैं ताकि उन्हें कोर्स का अनुभव हासिल नहीं हो, लेकिन लाबे सर्किट को पहचानने के लिए सर्किट पर अभ्यास करने चले गए जिससे उनकी टीम पर जुर्माना लगाया गया।

फुटबॉल दिल्ली की मदद की पेशकश

नई दिल्ली। जर्मन प्रीमियर लीग बुंदेसलीगा के एक शीर्ष अधिकारी ने दिल्ली फुटबॉल की मदद की पेशकश की है। बुंदेसलीगा इंटरनेशनल के वैश्विक मार्केटिंग प्रमुख पीयर नोबर्ट ने कहा कि उनका संगठन खेल के संचालन के लिए स्थानीय अधिकारियों से अनुभव साझा कर सकता है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली फुटबॉल की खेल के विकास में मदद कर सकते हैं। स्थानीय फुटबॉलप्रेमियों से जुड़कर हम बुंदेसलीगा के प्रशंसकों की संख्या में भी इजाफा कर सकेंगे। अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ के पूर्व महासचिव हिशाम अल अमरानी ने दिल्ली में फुटबॉल के विकास के लिए 10 साल की योजना का सुझाव दिया है।

वापसी को लेकर उत्साहित हैं हरमनप्रीत सिंह

मुंबई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर पहली बार संयुक्त अरब अमीरात में खेलने को लेकर काफी उत्साहित हैं और लंबे ब्रेक के बाद नवंबर में इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान होने वाले महिला टी-20 चैलेंजर में खेलने के लिए बेकरार हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने पिछले हफ्ते महिलाओं के प्रदर्शनी मैचों की पुष्टि की थी। भारतीय टीम मार्च में टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से नहीं खेली है। महिलाओं के टूर्नामेंट में तीन टीमें होंगी और इसमें चार मैचों के एक से 10 नवंबर तक खेले जाने की उम्मीद है। हरमनप्रीत ने बुधवार को बेबिनार के दौरान कहा कि हां, निश्चित रूप से मैं महिला चैलेंज के लिए उत्साहित हूं क्योंकि यह दुबई में हमारा पहला दौरा होगा और हम वहां पहले नहीं खेले हैं। हरमनप्रीत को डब्ल्यूटीएफ स्पोर्ट्स का वैश्विक ब्रांड दूत बनाया गया जिसने भारत में अपना एप लांच किया है।

हॉकी खिलाड़ी युवराज के घर में पानी भरा

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे हॉकी खिलाड़ी युवराज वाल्मिकी को बुधवार को अजीब समस्या का सामना करना पड़ा जब मुंबई में भारी बारिश के कारण उनके घर में पानी भर गया। युवराज ने अपने ट्विटर हैंडल पर वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्हें अपने फ्लैट के ड्राइंग रूम से टखने तक भरे पानी को बाहर निकालते हुए देखा जा सकता है।

कोहली व रोहित बल्लेबाजी में शीर्ष दो पर कायम

जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम

भाषा। दुबई

भारतीय कप्तान विराट कोहली और उप कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजों की आईसीसी वनडे रैंकिंग में शीर्ष दो स्थान बरकरार रखे जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बुधवार को जारी इस ताजा सूची में गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम हैं। कोहली ने 871 अंक के साथ शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाए रखा। रोहित (855) और पाकिस्तान के बाबर आजम (829) उनके बाद दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

वहीं बुमराह 719 अंक के साथ गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर काबिज हैं जिसमें न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट पहले स्थान पर हैं। बल्लेबाजी सूची में आयरलैंड के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी साउथम्पटन में इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम मैच में 113 रन की पारी खेलने के बाद चार पायदान के फायदे से 42वें स्थान पर जबकि उप कप्तान पॉल स्टर्लिंग अपनी 142 रन की पारी से 26वें स्थान पहुंच गए। कर्टिस कैम्फर ने पहली श्रृंखला में प्रभावित किया और वह दो बार बल्लेबाजी के लिए उतरे और दोनों बार अर्धशतक जमाने में सफल रहे जिससे वह बल्लेबाजों की सूची में 191वें स्थान से प्रवेश करने में सफल रहे। गेंदबाजी सूची में आयरलैंड के तेज गेंदबाज क्रेग यंग ने श्रृंखला में छह विकेट हासिल किए जिससे वह 40 पायदान के फायदे से अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 89वें स्थान पर पहुंच गए जबकि मार्क एडेर (छह पायदान के लाभ से 138वें स्थान) और जोशुआ लिटिल (38 पायदान के फायदे से 146वें स्थान) भी सूची में ऊपर की ओर बढ़ने में सफल रहे। इस श्रृंखला में इंग्लैंड ने 2-1 से जीत हासिल की थी।

इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने अंतिम वनडे में शतक जड़ा था, उन्हें एक पायदान का फायदा मिला और वह 22वीं रैंकिंग पर हैं। वहीं जॉनी बेयरस्टो एक पायदान के फायदे से 13वें स्थान पर पहुंच गए। सैम बिलिंग्स 132 रन जुटाने के बाद रैंकिंग में 146वें स्थान से प्रवेश करने में सफल रहे। इंग्लैंड के गेंदबाजों में लेग स्पिनर आदिल राशिद 29वें से 25वें स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड को श्रृंखला में मिली जीत से आईसीसी पुरूष विश्व कप सुपर लीग में 20 अंक मिले जिसमें 13 टीमें भारत में होने वाले अगले 2023 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाइंग स्थान हासिल करने की कोशिश करेंगी। आयरलैंड के 10 अंक हैं।

इंग्लैंड और भारत में टेस्ट सीरीज जीतना अंतिम लक्ष्य: स्टीव स्मिथ

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ स्टीव स्मिथ अपने करियर को अलविदा कहने से पहले दो चुनौतियों को पार करना चाहते हैं, एक तो चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड को उसकी ही मांद में हराना और दूसरा भारत में टेस्ट श्रृंखला में सफलता हासिल करना। आस्ट्रेलिया ने पिछले साल इंग्लैंड में 2-2 से ड्रा खेलने के बाद एशेज बरकरार रखी लेकिन ओवल में अंतिम टेस्ट में मिली हार अब भी स्मिथ को कचोटती है जो चार टेस्ट में 110.57 औसत से 774 रन बनाकर श्रृंखला के स्टार रहे थे। 31 साल के इस खिलाड़ी ने 2017 में भारत में चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान तीन शतक जड़े थे लेकिन आस्ट्रेलियाई टीम।-2 से हार गई थी और विराट कोहली की अगुआई वाली भारतीय टीम पर टेस्ट में जीत उनकी सूची में सबसे ऊपर है। आस्ट्रेलिया को अक्टूबर 2022 में भारत का दौरा करना है। स्मिथ ने क्रिकेटडाटकॉमडाटएयू से कहा कि दोनों बड़े पहाड़ हैं जिन्हें चढ़ना है और अगर आप ऐसा कर सकते हो तो यह काफी विशेष होगा। उम्मीद करता हूं कि मैं ऐसा कर पाऊं, देखते हैं कि हम कैसा करते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी उम्र भी अब बढ़ रही है। नहीं जानता कि कितने और साल का क्रिकेट बचा है और कुछ नहीं कह सकते कि भविष्य में क्या है।

यूएई में अब छह नहीं, तीन दिन का होगा पृथकवास

संपर्करहित खाने की डिलीवरी चाहती हैं आईपीएल टीमें

संवाददाता। नई दिल्ली

आईपीएल टीमें यूएई में छह की बजाय तीन दिन का पृथकवास चाहती हैं और पूर्व सूचना के साथ टीम और पारिवारिक डिनर के आयोजन के लिए उन्होंने बोर्ड की अनुमति भी मांगी है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि इसके साथ ही टीमों ने होटल में बाहर से संपर्क रहित खाने की डिलीवरी की अनुमति का भी अनुरोध किया है जिस पर बुधवार की शाम टीम मालिकों और आईपीएल अधिकारियों की बैठक में बात की जाएगी। बीसीसीआई की मौजूदा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की यूएई में पृथकवास के दौरान पहले, तीसरे और छठे दिन जांच की जाएगी। इसके बाद ही उन्हें अभ्यास की अनुमति दी जाएगी। इसके बाद भी 53 दिन तक चलने वाले टूर्नामेंट में हर पांचवें दिन उनकी जांच होगी। अधिकारी ने कहा कि अधिकांश खिलाड़ियों ने छह महीने से क्रिकेट नहीं खेला है तो वे ज्यादा से ज्यादा अभ्यास करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर क्या हम पृथकवास छह की बजाय तीन दिन का कर सकते हैं। क्या खिलाड़ियों को बायो बबल में अभ्यास की अनुमति दी जा सकती है। बीसीसीआई ने टीमों को 20 अगस्त के बाद ही यूएई रवाना होने के लिए कहा है। चेन्नई सुपर किंग्स समेत कुछ टीमें जल्दी जाना चाहती थी। इसमें यह भी कहा गया , क्या टीमों को 20 की बजाय 15 अगस्त के बाद जाने की अनुमति दी जा सकती है ताकि उन्हें अभ्यास और तैयारी के लिए उचित समय मिल सके। बीसीसीआई एसओपी के अनुसार खिलाड़ियों और टीम मालिकों के परिवार आईपीएल के दौरान जैव सुरक्षित माहौल में ही रहेंगे। टीमें चाहती है कि बीसीसीआई इसकी समीक्षा करे। उन्होंने कहा कि मौजूदा एसओपी के अनुसार वे टीम के साथ संपर्क नहीं कर सकते जब तक बबल का हिस्सा नहीं हों।

चुनौतियों से भरा होगा आईपीएल 2020: सुरेश रैना

मुंबई। चेन्नई सुपरकिंग्स के स्टार आलराउंडर सुरेश रैना का मानना है कि कोविड-19 महामारी के बीच संयुक्त अरब अमीरात में खेली जा रही आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों के सामने कई नई चुनौतियां पेश आएंगी और सफलता हासिल करने लिए विचारों की स्पष्टता अहम होगी। महामारी के चलते इस साल आईपीएल को संयुक्त अरब अमीरात कराया जा रहा है जहां इसका आयोजन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और भारतीय नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अंतर्गत 19 सितंबर से 10 नवंबर तक तीन स्थलों - दुबई, अबुधाबी और शारजाह- में किया जाएगा। डब्ल्यूटीएफ स्पोर्ट्स एप के वैश्विक ब्रांड दूत चुने जाने के बाद रैना ने वेबिनार में कहा, यह आईपीएल यह देखने के लिए काफी दिलचस्प होगा कि खिलाड़ी कैसे सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप विभिन्न तरह के हालात में खेलोगे और आईसीसी के भी बहुत सारे प्रोटोकॉल होंगे और साथ ही आपको हर दूसरे-तीसरे हफ्ते में कोविड-19 परीक्षण से गुजरना होगा। बीसीसीआई की मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार भारतीय खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को कम से कम पांच दफा कोविड-19 जांच में नेगेटिव आने की स्थिति में ही यूएई में ट्रेनिंग शुरू करने की अनुमति दी जाएगी और आईपीएल के दौरान हर पांचवें दिन उनका परीक्षण किया जाएगा। रैना ने कहा कि इसलिए मैं कहूंगा कि इन सभी जांच को कराने के बाद आपको दिमाग में स्पष्ट होना होगा कि आपको मैदान पर क्या करना है क्योंकि अंत में जब आप एक खेल का हिस्सा बन रहे हो तो आपको उस खेल का मजा लेने की भी जरूरत है। महामारी के कारण मार्च के बाद घर में रहने के बाद सफलता के लिए फिटनेस अहम होगी और वह बेताबी से टूर्नामेंट के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

मैं कप्तान के तौर पर टीम में सबसे कम अहम व्यक्ति: रोहित

भाषा। नई दिल्ली

रोहित शर्मा के लिए कप्तानी में सबसे अहम चीज है निस्वार्थ रहना और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस में उन्हें खुद को सबसे कम अहम व्यक्ति कहलाने में कोई हिचकिचाहट नहीं है। भारतीय क्रिकेट 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में आईपीएल से बहाल होगा जबकि पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी को रोकने की जद्दोजहद में लगी है। मुंबई इंडियंस को चार खिताब दिलाने वाले रोहित ने कहा कि मैं इस बात में विश्वास करता हूं कि जब आप कप्तान हो तो आप सबसे कम अहम व्यक्ति होते हो। जब बड़े हित की बात होती है तो अन्य काफी अहम बन जाते हैं। अलग अलग कप्तानों के लिए यह चीज अलग होती है लेकिन जहां तक मेरा संबंध है तो मैं इससे इत्तेफाक रखता हूं।

सुरेश रैना ने हाल में उनके कूल व्यवहार की तुलना महेंद्र सिंह धोनी से की। वह तुलना को तरजीह नहीं देते लेकिन दोनों में एक समानता तो है कि रोहित भी मुश्किल परिस्थितियों को देखते हुए पूर्व भारतीय कप्तान की तरह ही दिखते हैं। उन्होंने हंसते हुए कहा कि गुस्सा नहीं दिखाना कोई जानबूझकर किया गया प्रयास नहीं है। उन्होंने कहा कि यह मेरी प्रकृति है क्योंकि आप किसी और की तरह दिखाने की कोशिश नहीं करते। आप जो हो, हमेशा वही रहने की कोशिश करते हो।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Smt. Rashmi Manchanda is the absolute owner of South West Portion of third floor with roof rights of property No. VB-158 (Municipal No. WZ-99-A) area measuring 100 Sq. Yds., out of Khasra No. 795 at Virender Nagar, Gali No. 7, New Delhi purchased from Smt. Tarvinder Kaur, Smt. Maninder Marwah, Shri Prithpal Singh Marwah and Smt. Charanjeet Kaur all legal heirs of Late Surinder Singh vide Sale Deed dt. 18.04.2018 (doc. No. 9666) she is in process to sell out the same to Gurmeet Kaur. All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Shop No. 5 & 6, CSC, Pkt-E,
Mayur Vihar-II, Delhi-110091
Office: 011-43052822
Mobile: 9810063351
E: kamalkantgupta74@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public that Mr. Rakesh Kumar Malhotra, is the owner of First Floor of Property No. P-48, South Extension, Part-II, New Delhi, purchased from Mr. Anil Kumar Sood, Mr. Sunil Sud, Mrs. Mridula Sud & Mr. Gaurav Sood, vide sale deed dated 11.09.2018 original sale dated 23.05.1958 in favour of Mr. V.P. Sud was lost vide FIR LR No. 1259270/2018 dated 07.05.2018 all persons are hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone on the basis of said missing document. If anyone has already carried out or being carried out or found the original document, kindly inform the undersigned in writing with documentary proof on the below mentioned address within 14 days of the present, known our client, Mr. Kartik Seth & Mrs. Megha Seth want to purchase First Floor by taking a loan from ICICI Bank if anyone has any objection for sale or mortgage of the said floor or its ownership / title kindly inform the undersigned in writing with documents kindly inform the below mentioned address within 14 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N.Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE

My clients, Mr. Naval Kishore Bhagat, S/o Jamun Bhagat, and his wife Mrs. Sanju Devi both R/o- C-3/64A, Yamuna Vihar Delhi-110053, do and hereby state that they have severed all their relations and ties with their daughter Nikita, aged 21 years. She is debarred from claiming any right in their movable or immovable property. Anyone dealing with her shall do so at his or her own risk and cost. My clients shall not be liable for any of her acts, deed and things in any manner nor she shall inherit any property through my clients. My clients disown any of the representations, promises or actions made by her.

Ramnesh Kumar Jerath,
Advocate & Partner
T & R Associates

सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में लगातार पांचवें महीने गिरावट

लाकडाउन का असर

संवाददाता। नई दिल्ली

देश के सेवा क्षेत्र में जुलाई माह के दौरान भी गिरावट रही। कोरोना वायरस के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में लगने वाले लॉकडाउन ने कंपनियों को परिचालन में कमी लाने और कर्मचारियों की संख्या में कटौती रखने को मजबूर किया जिससे सेवा क्षेत्र में संकुचन बरकरार रहा। बुधवार को जारी एक सर्वेक्षण में यह कहा गया है। आईएचएस मार्किट इंडिया सर्विसिज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स जुलाई माह में 34.2 अंक पर रहा। हालांकि, जून के 33.7 अंक के मुकाबले यह मामूली सुधार में रहा। यह लगातार पांचवां महीना है जब सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में संकुचन रहा है। आईएचएस मार्किट इंडिया के सेवा क्षेत्र के खरीद प्रबंधकों के सूचकांक (पीएमआई) के मुताबिक जुलाई में सूचकांक में मामूली वृद्धि होने के बावजूद सेवा क्षेत्र में लगातार पांचवें माह संकुचन रहा।

पीएमआई का 50 अंक से ऊपर रहना क्षेत्र में विस्तार को बताता है जबकि 50 अंक से नीचे रहने पर यह संकुचन को दर्शाता है। आईएचएस मार्किट के अर्थशास्त्री लेविस कूपर ने कहा कि इतने लंबे समय तक ऐसी बड़ी गिरावट में किसी तरह का व्यापक सुधार आने में सालों नहीं पर कई महीने लग सकते हैं। आईएचएस मार्किट के अनुमान को देखते हुए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मार्च 2021 में समाप्त होने वाले वर्ष में 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का संकेत मिलता है। सर्वेक्षण में भाग लेने वालों ने कोविड- 19 महामारी के कारण समय समय पर लगने वाले लॉकडाउन संबंधी उपायों, कमजोर मांग की स्थिति और कंपनियों में कामकाज का अस्थाई तौर पर निलंबन को सेवा क्षेत्र की गतिविधियों और आर्डर बुक दोनों में आई गिरावट से जोड़ा है। कुल मिलाकर सकल मांग की स्थिति काफी दबी हुई है, इससे सेवा प्रदाताओं ने जुलाई में रोजगारों में और कटौती की है। रोजगार में कमी की रफ्तार तेज रही है।

भागीदारों ने उपयागकर्ताओं की ओर से कमजोर मांग और व्यवसायों के अस्थाई तौर पर बंद होने को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। सेवा क्षेत्र और विनिर्माण क्षेत्र दोनों का संयोजित पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जून के 37.8 से घटकर जुलाई में 37.2 अंक पर आ गया।

भारत में 140 इंजीनियरों को नौकरी देगी उबर

बेंगलुरू । मोबाइल ऐप से टैक्सी बुकिंग सेवा देने वाली कंपनी उबर देश में 140 इंजीनियरों की भर्ती कर रही है। यह कंपनी की बेंगलुरू और हैदराबाद स्थित प्रौद्योगिकी टीम का हिस्सा होंगे जहां वे ग्राहकों और ड्राइवरों की वृद्धि, आपूर्ति और ग्राहक सेवा से जुड़े विभिन्न उत्पाद विकसित करेंगे। भारतीय बाजार में अमेरिकी कंपनी उबर की प्रतिस्पर्धा घरेलू कंपनी ओला से है। कंपनी के हैदराबाद और बेंगलुरू स्थित कार्यालय में 600 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। कोविड-19 संकट के चलते कंपनी का ड्राइवर और ग्राहक सहायता परिचालन बाधित हुआ, साथ ही उसका कामकाज भी लगभग बंद हो गया। इसके चलते कंपनी ने मई में अपने करीब 600 कर्मचारियों को अगले तीन महीने में निकालने की घोषणा की थी। उबर ने कहा कि कंपनी अपनी बेंगलुरू और हैदराबाद स्थिति प्रौद्योगिकी टीम के लिए 140 इंजीनियर की और भर्ती कर रही है।

सरकारी खरीद के नियमों के अनुपालन में निविदाओं की जांच को एजेंसी नियुक्त करेगा विभाग

भाषा। नई दिल्ली

औद्योगिक और आंतरिक व्यापार विभाग सार्वजनिक खरीद नियम के अनुपालन के लिए सरकारी खरीद इकाइयों की निविदाओं की जांच को लेकर परामर्श एजेंसी की सेवा की सेवा लेगा। सार्वजनिक खरीद नियमन का मकसद भारत में विनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा देना है। डीपीआईआईटी ने नोटिस जारी कर इसमें रूचि रखने वाली एजेंसियों से अनुरोध प्रस्ताव आमंत्रित किया है। सरकार ने देश में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा आय एवं रोजगार सृजित करने के इरादे से 15 जून, 2017 को सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश, 2017 जारी किया था। आदेश का मकसद उत्पादन को स्थानीय उपकरणों, सामानों के उपयोग से जोड़कर घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है। ताकि व्यापार के लिए केवल आयात अथवा एसेंबल करने पर निर्भर व्यापारियों के मुकाबले घरेलू विनिर्माता की भागीदारी को सार्वजनिक खरीद गतिविधियों में प्रोत्साहन मिले। यह केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, उनके संबद्ध कार्यालयों, केंद्र सरकार के अंतर्गत आने वाले स्वायत्त निकायों, सरकारी कंपनियों, उनके संयुक्त उद्यम और विशेष उद्देश्ईय इकाइयों द्वारा वस्तु एवं सेवाओं की खरीद पर लागू है। आदेश के तहत कुछ मामलों को छोड़कर सभी वस्तुओं, सेवाओं या अन्य कार्यों की खरीद में जिसका अनुमानित मूल्य 50 लाख रुपए से कम है, केवल स्थानीय आपूर्तिकर्ता ही बोली के लिए पात्र होंगे।

पारिजात पेपर मिल्स लिमिटेड
सीआईएन : एल21012यूपी1989पीएलसी010589
पंजी. कार्यालय : ग्राम जाट मुझेड़ा, 10.6 केएम स्टोन भोपा रोड, मुजफ्फरनगर- 251308 (उत्तर प्रदेश)
वेबसाइट : www.parijatpapermills.com ई-मेल : parijatpapermills@yahoo.com

सूचना

सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 29 तथा 47(1)(क) के अनुसरण में, एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कम्पनी के निदेशक मंडल की एक बैठक बृहस्पतिवार, 13 अगस्त, 2020 को अप. 3.00 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु कम्पनी के पृथक्कृत अ-लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों पर विचार तथा अनुमोदन किया जाएगा।

यह सूचना कम्पनी की वेबसाइट (www.parijatpapermills.com) पर तथा स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (https://www.msei.in/) पर भी उपलब्ध है।

वास्ते पारिजात पेपर मिल्स लिमिटेड
हस्ता./-
अमित मित्तल
पूर्ण कालिक निदेशक
डीआईएन : 00754471

तिथि : 05-08-2020
स्थान : मुजफ्फरनगर

हिन्दुस्तान अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
सीआईएन : एल31300डीएल1959पीएलसी003141
पंजीकृत कार्यालय : 7वां तल, कंचनजंगा बिल्डिंग,
18 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001, फोन : +91-11-23310001-05
ई-मेल : investors@hindusthan.co.in, वेबसाइट : www.hindusthanurban.com

60वीं वार्षिक सामान्य बैठक तथा ई-मेल पता और बैंक विवरण के अद्यतनीकरण हेतु सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कम्पनी की साठवीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम), शुक्रवार, 18 सितम्बर, 2020 को अप. 02.00 बजे, वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग ("वीसी")/अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स ("ओएवीएम") के माध्यम से, एजीएम की सूचना, जो एजीएम के आयोजन हेतु सर्कुलेट की जा रही है, में सूचीबद्ध व्यवसाय के निष्पादन हेतु आयोजित की जानी निर्धारित है।

कोविड-19 वैश्विक महामारी जारी रहने को ध्यान में रखते हुए, कार्पोरेट मंत्रालय ("एमसीए") ने अपने सर्कुलर नंबर 14/2020, 17/2020 तथा 20/2020 क्रमानुसार दिनांकित 08 अप्रैल, 2020, 13 अप्रैल, 2020 तथा 05 मई, 2020 ("एमसीए सर्कुलर") के माध्यम से वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग ("वीसी")/अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स ("ओएवीएम") सुविधा के माध्यम से, सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बगैर, करने की अनुमति दी है। तदनुसार, एमसीए सर्कुलर्स तथा कम्पनी अधिनियम, 2013 के संबद्ध प्रावधानों एवं तदधीन विरचित नियमों, भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के साथ पठित सेबी द्वारा जारी सर्कुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी1/सीआईआर/पी/2020/79 दिनांकित 12 मई, 2020 के अनुपालन में, कम्पनी के सदस्यों की एजीएम वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

उपरोक्त सर्कुलर्स के अनुपालन में, साठवीं एजीएम की सूचना तथा वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु कम्पनी की वार्षिक रिपोर्ट कम्पनी के उन सभी सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक विधि से भेजी जाएगी, जिनकी ई-मेल आईडी'ज कम्पनी/डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट्स ("डपॉजिटरी") तथा/अथवा स्काईलाइन फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड ("आरटीए")के पास पंजीबद्ध हैं। एजीएम की सूचना तथा वार्षिक रिपोर्ट कम्पनी की वेबसाइट www.hindusthanurban.com पर तथा बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर भी उपलब्ध कराई जाएगी।

एजीएम में भाग लेने तथा रिमोट ई-वोटिंग द्वारा और एजीएम में ई-वोटिंग के माध्यम से वोट डालने हेतु विस्तृत अनुदेश साठवीं एजीएम की सूचना में दिए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कम्पनी के ऐसे सदस्य, जिनके द्वारा अपना ई-मेल पता पंजीकृत नहीं करवाया गया है, वे भी एजीएम में भाग ले सकते हैं और एजीएम की सूचना में दी गई प्रक्रिया का पालन करते हुए अपना वोट डाल सकते हैं।

कम्पनी के ऐसे सदस्य, जिनके द्वारा अपना ई-मेल पता और बैंक विवरण पंजीकृत नहीं करवाया गया है, वे उसको नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन कर पंजीकृत करवा सकते हैं :

(क) भौतिक रूप में शेयरों के धारक सदस्य कम्पनी को investors@hindusthan.co.in/RTA को ई-मेल आईडी info@skylinerta.com पर आवश्यक विवरण जैसेकि फोलियो नंबर, शेयरधारक का नाम, वैध शेयर सर्टिफिकेट की स्कैन की गई प्रति (फ्रंट और बैक दोनों), पैन (स्कैन की गई स्व-सत्यापित प्रति), आधार (स्कैन की गई स्व-सत्यापित प्रति), ई-मेल आईडी तथा मोबाइल नंबर प्रस्तुत कर अपनी ई-मेल आईडी'ज पंजीकृत करवा सकते हैं। भौतिक रूप में शेयरों के धारक सदस्यों के लिए बैंक विवरण पंजीकृत करवाने हेतु सुविधा www.hindusthanurban.com पर उपलब्ध है अथवा फोलियो नंबर, शेयरधारक का नाम और पता, बैंक खाते का विवरण (बैंक नाम, शाखा पता, बैंक खाता नंबर, आईएफएससी कोड, एमआईसीआर नंबर) युक्त अनुरोध कम्पनी के आरटीए को पैन की स्कैन की गई स्व-सत्यापित प्रति और निरस्त चैक के साथ भेजें, ताकि ईसीएस सुविध उपलब्ध कराई जा सके।

(ख) अभौतिक रूप में शेयरों के धारक सदस्य भी डीमैट खाता विवरण (सीडीएसएल-16 अंकीय लाभार्थी आईडी अथवा एनएसडीएल - 16 अंकीय डीपीआईडी + सीएलआईडी), नाम, क्लाइंट मास्टर अथवा समेकित खाता विवरण की प्रति, पैन (स्कैन की गई स्व-सत्यापित प्रति), आधार (स्कैन की गई स्व-सत्यापित प्रति) कम्पनी को investors@hindusthan.co.in/RTA ई-मेल आईडी info@skylinerta.com पर उपलब्ध करवा कर अपनी ई-मेल आईडी अस्थायी रूप से पंजीकृत करवा सकते हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि ई-मेल पता के स्थायी पंजीकरण के लिए, सदस्यों से उसका पंजीकरण अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट के पास पंजीकृत करवाया जा सकता है। अभौतिक रूप में शेयरों के धारक सदस्यों को अपना बैंक विवरण अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट के पास अद्यतन करवाना होगा।

सदस्यों (भौतिक या अभौतिक रूप में शेयरों के धारक) को ई-वोटिंग के माध्यम से वोट डालने हेतु लॉगइन विवरण उनके इस प्रयोजन हेतु पंजीकृत ई-मेल पते पर उपलब्ध करवाया जाएगा।

वास्ते हिन्दुस्तान अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
हस्ता./-
एम.एल. बिरमीवाला
सीनि. वी.पी. फाइनेंस एवं सेक्रेटरी

तिथि : 05-08-20120
स्थान : नई दिल्ली

शुरूआती बढ़त को कायम नहीं रख पाए शेयर बाजार, निवेशकों की नजर मौद्रिक नीति पर

भाषा। मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों के मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी बुधवार को शुरूआती बढ़त को बरकरार नहीं रख पाए और लगभग पिछले दिन के स्तर पर बंद हुए। बाजार में अच्छी हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में मुनाफावसूली की गई जिसका असर बाजार पर पड़ा। कारोबारियों के अनुसार रिजर्व बैंक की बृहस्पतिवार को मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले निवेशक बाजार से दूर रहे। बीएसई का तीस शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 452 अंक तक मजबूत हुआ था लेकिन बाद में इसमें गिरावट आई। अंत में यह 24.58 अंक यानी 0.07 प्रतिशत घट कर 37,663.33 अंक पर बंद हुआ। वही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 6.40 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 11,101.65 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में गिरावट का कारण एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों का नीचे आना है। इन शेयरों में हाल की तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली से इनमें एक प्रतिशत से अधिक गिरावट दर्ज की गई।

पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, नेस्ले इंडिया और एचसीएल टेक भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ टाटा स्टील में 6.33 प्रतिशत की तेजी आई। उसके बाद टाइटन, मारुति, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा का स्थान रहा। कारोबारियों के अनुसार वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह जारी रहने के बावजूद शेयर केंद्रित गतिविधियों से घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आया।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों के स्थिर बंद होने से पहले उतार-चढ़ाव रहा। वैश्विक रुख सकारात्मक रहा जबकि सोना उछलकर रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। दुनिया भर में कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजे शेयरों और बाजारों को दिशा दे रहे हैं। भारतीय बाजार में भी यही प्रवृत्ति है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में बाजार में अनिश्चितताएं बनी रह सकती है। बजार की नजर आरबीआई की मौद्रिक नीति पर होगी।

लुपिन ने कोविड- 19 की दवा कोविहाल्ट को बाजार में उतारा 49 रुपये की एक गोली

भाषा। नई दिल्ली

दवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लुपिन ने बुधवार को कोविड- 19 के हल्के और कम गंभीर रोगियों के इलाज के लिए दवा फेविपिराविर को कोविहाल्ट ब्रांड नाम के साथ बाजार में उतारा है। इसकी एक गोली का मूल्य 49 रुपए रखा गया है। लुपिन ने शेयर बाजारों को भेजी नियामकीय जानकारी में कहा है कि फेविपिराविर को आपात स्थिति में इस्तेमाल के लिए भारत के औषधि महा नियंत्रक से अनुमति मिल गई है। इसमें कहा गया है कि कोविहाल्ट में दवा की मात्रा को प्रशासन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। उसने कहा कि यह दवा 200 मिलीग्राम की गोली के रूप में 10 गोलियों की स्ट्रिप के रूप में उपलब्ध होगी। प्रत्एक गोली का दाम 49 रुपये रखा गया है। लुपिन के भारत क्षेत्रीय फाम्र्यूलेशन (आईआरएफ) के अध्यक्ष राजीव सिब्बल ने कहा कि कंपनी को तपेदिक जैसे तेजी से फैलने वाले संक्रमण रोगों को व्यवस्थित करने के क्षेत्र में जो अनुभव है उसका लाभ वह उठा सकेगी। वह अपने मजबूत वितरण नेटवर्क और मैदानी क्षेत्र में काम करने वाले कार्यबल के बलबूते देशभर में कोविहाल्ट की पहुंच सुनिश्चित कर सकेगी।

एयरटेल ने एडब्ल्यूएस के साथ रणनीतिक समझौता किया

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने भारत में व्यवसायों को क्लाउड समाधान की पेशकश करने के लिए अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के साथ बहु-वर्षीय रणनीतिक समझौता करने की घोषणा की। एयरटेल अपने उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ 2,500 से अधिक बड़ी कंपनियों और 10 लाख से अधिक उभरते व्यवसायों को सेवाएं मुहैया कराता है। इन सेवाओं में मल्टी-क्लाउड और समाधान कारोबार एयरटेल क्लाउड शामिल है। भारती एयरटेल के क्लाउड और सुरक्षा कारोबार की प्रमुख हरमीन मेहता ने कहा कि एयरटेल और एडब्ल्यूएस के बीच रणनीतिक गठजोड़ के जरिए भारत में व्यवसायों के डिजिटल परिवर्तन के लिए क्लाउड समाधानों की पेशकश की जा सकेगी।

लेबनान की राजधानी बेरूत में मंगलवार को हुए भीषण विस्फोट के बाद हेलीकाप्टर से बुझाई गई आग

बेरूत में विस्फोट सौ से ज्यादा लोगों की मौत

एपी। बेरूत

लेबनान की राजधानी बेरूत में मंगलवार को हुए एक भीषण विस्फोट में कम से कम 100 लोगों की मौत हो गई। इस विस्फोट में शहर के बंदरगाह का एक बड़ा हिस्सा और कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

लेबनान रेड क्रॉस के अधिकारी जॉर्ज केथानेह ने बताया कि इस विस्फोट में कम से कम 100 लोगों की जान चली गई और इस संख्या के अभी और बढ़ने की आशंका है।

बंदरगाह से अब भी धुआं निकल रहा है। क्षतिग्रस्त वाहनों तथा इमारतों का मलबा अब भी सड़कों पर फैला है। अस्पतालों के बाहर लोग अपने परिवार वालों के बारे में जानने के लिए जमा हो गए हैं। वहीं कई लोगों ने ऑनलाइन भी मदद की गुहार लगाई है।इससे पहले, अधिकारियों ने मंगलवार को बताया था कि 70 से अधिक लोगों की जान गई है और 3,000 से अधिक लोग घायल हैं। जर्मनी के जियोसाइंस केन्द्र जीएफजेड के अनुसार विस्फोट से 3.5 की तीव्रता का भूकम्प भी आया। विस्फोट इतना भीषण था कि उसकी आवाज 200 किलोमीटर से अधिक दूरी तक सुनी गई। कोरोना वायरस और आर्थिक संकट से जूझ रहे देश में

● ऐसा प्रतीत होता है कि बंदरगाह के गोदाम में पड़े 2,700 टन अमोनियम नाइट्रेट में विस्फोट से यह हादसा हुआः गृहमंत्री

विस्फोट के बाद एक नया संकट आ खड़ा हुआ है। लेबनान के गृह मंत्री ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि बंदरगाह पर बड़ी मात्रा में रखे अमोनियम नाइट्रेट में विस्फोट से यह हादसा हुआ।देश के गृह मंत्री मोहम्मद फहमी ने एक स्थानीय टीवी स्टेशन से कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि बंदरगाह के गोदाम में पड़े 2,700 टन अमोनियम नाइट्रेट में विस्फोट से यह हादसा हुआ। लेबनान के प्रधानमंत्री हसन दीब ने संकल्प किया कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी होगी।वहीं इज़राइल सरकार के एक अधिकारी ने पहचान उजागर ना करने की शर्त पर कहा कि इज़राइल का विस्फोट के साथ कोई लेना-देना नहीं है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह विस्फोट एक हमला हो सकता है। ट्रम्प ने कहा, मैंने कुछ जनरलों से मुलाकात की और उनका मानना है कि यह किसी विनिर्माण गतिविधि के कारण हुआ विस्फोट नहीं था... उन्हें लगता है कि यह एक हमला था। यह कोई बम था। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने बेरूत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि अमेरिका स्थिति पर करीबी नजर बनाए है।

अमोनियम नाइट्रेट से हुआ और विनाशक

बेरूत। विशेषज्ञों और धमाके के वीडियों से संकेत मिलता है कि लेबनान की राजधानी बेरूत में हुआ धमाका पटाखों और अमोनियम नाइट्रेट के इस्तेमाल से और भीषण हुआ। इस धमाके के कारण हुए नुकसान से संकेत मिलता है कि इसमें उन रसायनों का इस्तेमाल किया गया जो आमतौर पर उर्वरक में किया जाता है। इस आपदा की शुरुआत के जो वीडियो मिले हैं उसमें दिख रहा है कि भारी धमाके से कुछ देर पहले तक लपटों से निकल रहे धुंए के भीतर चिंगारी और रोशनी दिख रही है। इजराइली कंपनी तमार समूह के मालिक बोयज हेओउन ने कहा, इससे संकेत मिलता है कि पटाखे की वजह से धमाका हुआ। उल्लेखनीय है कि तमार समूह विस्फोटक की सुरक्षा और प्रमाणन में इजराइली सरकार के साथ काम करता है। उन्होंने कहा, धमाके से पहले आप आग के केंद्र में देखिए, आप चिंगारी देख सकते हैं, आप पॉपकार्न बनाते समय जैसी आवाज निकलती हुई सुन सकते हैं, आप सीटी की आवाज सुन सकते हैं। कैलिफोर्निया के मोंटेरी स्थित मिडिलबरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के मिसाइल विशेषज्ञ जेफरी लिविस का भी इसी तरह का आकलन है। उन्होंने कहा, यह पटाखों के फूटने का गुन है, दृश्य, आवाज और छोटी से आग से विशाल धमाका। यह हादसा जैसा लगता है। उन्होंने कहा, सबसे पहले, धमाके से पहले आग दिखाई देती है, जो हमला नहीं है और कुछ वीडियो युद्ध सामग्री दिखा रहे है जिन्हें मैं पॉपकॉर्न फूटने जैसा कहूंगा। यह आग से विस्फोट करने के दौरान बहुत सामान्य है। लिविस ने कहा, धमाके के बाद सफेद बादलों का संघनन लगता है जो आर्द्र परिस्थिति में धमाके बाद बहुत सामान्य है। उन्होंने कहा कि विस्फोट के बाद नांरगी रंग के बादल संभवत जहरीली नाइट्रोजन डाइ ऑक्साइड गैस है जो विस्फोट में मौजूद नाइट्रेट की वजह से निकली।

श्रीलंका के आम चुनाव में जमकर हुआ मतदान, राजपक्षे की जीत की संभावना

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका में चल रहे संसदीय चुनाव के दौरान अपने मत का प्रयोग करने जाते प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे व अन्य परिजन

श्रीलंका में कोविड-19 के प्रकोप के बीच लोगों ने मास्क पहनकर और सावधानियां बरतते हुए बुधवार को संसदीय चुनाव में बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और मतदान किया जिसमें राजपक्षे परिवार द्वारा संचालित श्रीलंका पीपुल्स पार्टी (एसएलपीपी) के जीतने की संभावना है। इससे पहले ए चुनाव दो बार स्थगित हो चुके हैं। राष्ट्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष महिंदा देशप्रिय के अनुसार कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच हुए चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए जिसमें 70 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।

स्थानीय समयानुसार शाम पांच बजे मतदान संपन्न हुआ और मतपेटियों को मतगणना केंद्रों को भेज दिया गया। मतदान वाली रात ही आठ बजे से मतपत्रों की गिनती शुरू होने की परंपरा से हटते हुए इस बार वोटों की गिनती बृहस्पतिवार को की जाएगी। देशप्रिय न कहा कि बृहस्पतिवार शाम को चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, हमें कोरोना वायरस के डर के बावजूद इतने बड़े स्तर पर मतदान के लिए मतदाताओं का आभार जताना होगा। चुनाव निगरानी समूहों ने बताया कि कुछ समूहों की अवैध गतिविधियों की शिकायतों को छोड़कर चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने कोलंबो के एक मतदान केंद्र पर वोट डाला, वहीं उनके भाई और प्रधानमंत्री पद के दावेदार महिंदा राजपक्षे ने दक्षिणी जिले हंबनटोटा में अपने गृह क्षेत्र में मतदान किया।

74 वर्षीय महिंदा राजपक्षे ने मतदान के बाद संवाददाताओं से कहा, हमें दो-तिहाई बहुमत से जीत की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उनके छोटे भाई को पिछले साल दिसंबर में 69 लाख मतदाताओं ने समर्थन देकर राष्ट्रपति बनाया था और उन्हें इसी तरह का समर्थन इस बार मिलने की उम्मीद है।

भारतीय मूल के डॉक्टर को न्यूयॉर्क शहर का नया स्वास्थ्य आयुक्त नियुक्त किया गया

न्यूयॉर्क। जन स्वास्थ्य में विशेषज्ञता वाले भारतीय मूल के 39 वर्षीय डॉक्टर डी ए चोकसी को न्यूयॉर्क शहर का नया स्वास्थ्य आयुक्त नियुक्त किया गया है। शहर के मेयर बिल डे ब्लासियो ने शहर में कोरोना वायरस की अभूतपूर्व चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभाने के लिए उनकी तारीफ की।चोकसी को मंगलवार को शहर के स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य विभाग विभाग का आयुक्त नामित किया गया। स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. ओक्सिरिस बारबोट ने पद से इस्तीफा दे दिया है।ब्लासियो ने कहा कि चोकसी ने अपना करियर ऐसे लोगों के लिए लड़ने में बिताया जिन्हें अक्सर पीछे छोड़ दिया जाता है।उन्होंने कहा, कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान उन्होंने अभूतपूर्व चुनौतियों में हमारे शहर की जन स्वास्थ्य प्रणाली का नेतृत्व करने में मदद की। मुझे पता है कि एक निष्पक्ष और स्वस्थ शहर के लिए हमारी लड़ाई को आगे बढ़ाने का प्रभार संभालने के लिए वह तैयार हैं। चोकसी ने याद किया कि अवसरों के कारण दो पीढ़ियों पहले उनके दादाओं को गुजरात के छोटे गांवों से मुंबई जाना पड़ा था।उनके पिता परिवार में पहले सदस्य थे जो अमेरिका में आकर बस गए और यही उनका जन्म तथा पालन-पोषण हुआ।रोड्स शोधार्थी चोकसी ओबामा प्रशासन में व्हाइट हाउस फेलो रहे और वेटरन्स अफेयर्स मंत्री के प्रधान स्वास्थ्य सलाहकार रहे।चोकसी ने कहा, मुझे जीवन में अब तक सबसे अभूतपूर्व जन स्वास्थ्य संकट से निपटने के हमारे के तौर-तरीकों पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा कि वह न्यूयॉर्क शहर के लोगों की सेवा करके गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के अनुसार न्यूयॉर्क शहर में कोरोना वायरस के 28,710 मामले आए और 2,507 लोगों ने जान गंवा दी।

क्विक न्यूज

पाक में कोरोना वायरस से मौत का आंकड़ा छह हजार के पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस से 15 और लोगों की जान चली गई। इसके बाद कोविड-19 से जान गंवाने वालों का आंकड़ा 6,014 हो गया है। वही इस महामारी के कुल मामले 2.81 लाख से ज्यादा हो गए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि मुल्क में 675 नए मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने एक बयान में बताया, 675 नए मामले सामने आने के बाद, संक्रमण के कुल मामले 2,81,136 हो गए है। मृतकों की संख्या बढ़कर 6,014 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि 2,54,286 मरीज बीमारी से पूरी तरह ठीक हो गए है। हालांकि 872 मरीजों की हालत नाजुक है। सिंध प्रांत में कोविड-19 के।,22,016 मामले है, जबकि पंजाब प्रांत मे 93,571, खैबर-पख्तूनख्वा में 34,324, इस्लामाबाद में 15,122, बलूचिस्तान में 11,780, गिलगित-बाल्तिस्तान में 2,218 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2,105 मामले है।देश मे पिछले 24 घंटे मे 11,915 नमूनो की जांच की गई है। अबतक कुल 20,43,870 नमूनों की जांच की जा चुकी है।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति को नजरबंद किया गया

बोगोटा। कोलंबिया में गृह युद्ध से जुड़े मामलों में संभावित गवाहों को रिश्वत देने और धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रहे देश के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरिबे को नजरबंद रखा जाएगा।देश की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार देर रात प्रकाशित और सर्वसम्मति से दिए गए आदेश में कहा कि मजिस्ट्रेटों ने पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ मामले में न्याय को बाधित किए जाने का संभावित जोखिम पाया।सुप्रीम कोर्ट के अध्यक्ष हेक्टर जेवियर अलारकोन ने कहा, वह (उरिबे) अपने आवास में हिरासत में रहेंगे। मानवाधिकार समूहों ने इस फैसले का स्वागत किया है, लेकिन देश के राष्ट्रपति इवान डुके समेत पूर्व राष्ट्रपति के समर्थकों ने इसकी आलोचना की है। गूगल के पूर्व इंजीनियर को रोबोकार संबंधी खुफिया जानकारी चुराने के मामले में जेलसैन रेमन (अमेरिका), पांच अगस्त (एपी) गूगल के एक पूर्व इंजीनियर को रोबोटिक वाहन बनाने के उबर के प्रयासों से जुड़ने से पहले खुफिया जानकारी चुराने के मामले में दोषी पाए जाने पर 18 महीने कारावास की सजा सुनाई गई। अमेरिका के डिस्ट्रिक्ट जज विलियम अल्सुप ने गूगल के पूर्व इंजीनियर एंटनी लेवानदोवस्की को मंगलवार को सजा सुनाई। लेवानदोवस्की के खिलाफ पिछले अगस्त आपराधिक आरोप लगाए गए थे। उसने बाद में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। लेवानदोवस्की पर 8,50,000 डॉलर से अधिक का जुर्माना भी लगाया गया।

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर मे कोरोना वायरस पाबंदियों के मद्देनजर सड़क पर छाई वीरानी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में कोरोना वायरस से संबंधित अब तक की सबसे सख्त पाबंदियों के लागू होने की पूर्व संध्या पर बुधवार को उन सड़कों पर वीरानी छाई रही जो कभी लोगों से गुलजार रहा करती थी। ऑस्ट्रेलिया के हिप्स्टर कैपिटल कहे जाने वाले इस शहर में बुटिक और रेस्तरां गैर-आवश्यक उद्योगों पर प्रतिबंध के मद्देनजर बंद रहे। इस प्रतिबंध से बृहस्पतिवार से 250,000 से अधिक कामकाजी लोग अपने घरों तक सिमट जाएंगे।महामारी संबंधी नियमों को सख्ती से लागू कराने के लिए रक्षा कर्मियों और पुलिस अधिकारियों ने गलियों में गश्त की। इन पाबंदियों में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाना अनिवार्य है। ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे बड़े शहर को बंद करने से अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान पहुंच सकता है। देश की आर्थिक गतिविधि में इस शहर का अक्सर एक चौथाई योगदान रहता है। हेयरड्रेसर निकी फोइका ने कहा कि हाल के दिनों में उनके पास ग्राहकों की बुकिंग थी लेकिन अब सैलून कम से कम छह हफ्तों के लिए बंद रहेंगे। उन्होंने मेलबर्न में कोविड-19 के बढ़ रहे मामलों का जिक्र करते हुए कहा, मैं बस उम्मीद करती हूं कि यह सब हमारे काम आए। अगर सभी ने सही व्यवहार किया होता तो शायद यह नही हुआ होता। साथ ही उन्होने यह भी माना कि वह थोड़ी तनाव में है। विक्टोरिया में बुधवार को एक दिन में कोरोना वायरस के सबसे अधिक 725 मामले सामने आए जबकि ऑस्ट्रेलिया में अन्य शहरों में संक्रमण के महज 14 नए मामले ही सामने आए।

अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री करेंगे ताइवान की यात्रा, 1979 के बाद किसी अमेरिकी कैबिनेट मंत्री की होगी पहली यात्रा

ताइपे। अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा (एचएचएस) मंत्री एलेक्स अजार आगामी दिनों में ताइवान की यात्रा करेंगे। अमेरिका और ताइवान के बीच 1979 में औपचारिक द्विपक्षीय संबंध समाप्त होने के बाद से किसी अमेरिकी कैबिनेट मंत्री की यह पहली यात्रा होगी।अमेरिका और चीन के बीच पहले से मौजूद तनाव इस यात्रा के कारण और बढ़ सकता है। चीन ताइवान पर अपना दावा पेश करता आया है। अमेरिका और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर, व्यापार, प्रौद्योगिकी और कोरोना वायरस महामारी से निपटने के तरीके को लेकर पहले ही तनाव मौजूद है।ताइवान में अमेरिका के दूतावास के रूप में काम करने वाले अमेरिकी इंस्टीट्यूट इन ताइवान (एआईटी) ने बुधवार को बताया कि अजार की ऐतिहासिक यात्रा अमेरिका और ताइवान के संबंधो को मजबूत करेगी।

एच-1 बी वीजा प्रतिबंधः डेमोक्रेटिक सांसदों ने स्वास्थ्य कर्मियों को छूट देने की अपील की

भाषा। वाशिंगटन

डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ प्रभावशाली सांसदों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन से एच- ।बी वीजा धारकों के देश में प्रवेश पर लगाए प्रतिबंध से कुछ स्वास्थ्यसेवा कर्मियों को छूट देने की अपील की है।राष्ट्रपति ट्रम्प प्रशासन ने 23 जून को इस महत्वपूर्ण चुनावी वर्ष में अमेरिकी कर्मचारियों के संरक्षण के लिए एच- ।बी वीजा और अन्य प्रकार के विदेशी कार्य वीजा को 2020 के अंत तक स्थगित कर दिया था।

एच- ।बी वीजा भारतीय आईटी पेशेवरों में काफी लोकप्रिय है। यह एक गैर-आव्रजक वीजा है। इसके जरिए अमेरिकी कंपनियां तकनीकी या अन्य विशेषज्ञता वाले पदों पर विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकती हैं। अमेरिका की प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां हर साल इस वीजा के आधार पर चीन और भारत से हजारों पेशेवरों की नियुक्त करती हैं।

विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, होमलैंड सुरक्षा के कार्यकारी मंत्री चाड वुल्फ और श्रम मंत्री युजिन स्कालिया को लिखे एक पत्र में सांसदों ने मंगलवार को कहा कि प्रतिबंधों ने बड़े पैमाने पर, विशेष रूप से ग्रामीण और अशिक्षित समुदायों की स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित किया है, जो अधिकतर आव्रजक चिकित्सकों के आसरे हैं।उन्होंने कहा कि भले ही कोविड-19 संबंधित देखभाल और अनुसंधान पर काम करने वाले व्यक्तियों को रियायत दी गई है लेकिन इस संकट के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या सीमित करना सभी अमेरिकियों को जोखिम में डालता है।

भारतीय-अमेरिकियों ने राम मंदिर की नींव रखे जाने पर मनाया जश्न

वाशिंगटन (भाषा)। अयोध्या में एतिहासिक राम मंदिर की नींव रखे जाने का अमेरिका में भारतीय-अमेरिकियों ने दीप जलाकर जश्न मनाया। कैपिटल हिल में राम मंदिर की तस्वीरों की एक झांकी भी निकाली गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में बुधवार को राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया और मंदिर की आधारशिला रखी। भारत की सर्वोच्च अदालत ने पिछले साल दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करते हुए अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। अमेरिका में हिंदू समुदाय के विभिन्न समूहों ने समारोह की महत्ता को इंगित करते हुए कई ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन किया है। वाशिंगटन में विश्व हिंदू परिषद, अमेरिका के सदस्यों ने मंगलवार को एक ट्रक पर झांकी निकाली, जिसमें राम मंदिर की एक डिजिटल तस्वीर थी। इस ट्रक ने कैपिटल हिल में जय श्री राम के नारों के बीच शहर के चक्कर लगाए।

वाशिंगटन के कैपिटल हिल में राम मंदिर शिलान्यास की खुशी मनाते भारतीय लोग

कोविड-19 के बाद चीन के प्रति अमेरिका का रवैया काफी बदला : ट्रंप

भाषा। वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में कोरोना वायरस का प्रकोप होने के बाद उनके देश का रवैया चीन के प्रति काफी बदला है। ट्रंप ने साथ में यह भी दोहराया कि चीन को वुहान में ही इस जानलेवा संक्रमण को रोक लेना चाहिए था।

ट्रंप ने कोविड-19 प्रकोप से निपटने को लेकर चीनी सरकार को पहले भी आड़े हाथ लिया है।उन्होंने व्हाइट हाउस में मंगलवार को पत्रकारों से कहा, चीनी वायरस से हमारे प्रभावित होने के बाद से, मेरे ख्याल से हमारा रवैया चीन को लेकर काफी बदला है। उन्हें इसे रोकने में सक्षम होना चाहिए था। इसलिए हम अलग महसूस करते हैं। न

पिछले महीने ट्रंप ने कहा था कि चीन को उसकी गोपनीयता, कपट और छुपानै के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इसी वजह से दुनिया भर में जानलेवा विषाणु फैला। हालांकि चीन ने आरोपों से इनकार किया है। जॉन हॉपकिन्स कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर के मुताबिक, दुनिया भर में 1.80 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं और सात लाख से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। अमेरिका इस महामारी से सबसे बुरी तरह से प्रभावित है।

देश में 47 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों का आंकड़ा भी।,56,000 से ज्यादा है। कोरोना वायरस की उत्पत्ति पिछले साल दिसंबर में चीनी शहर वुहान में हुई थी। इसने दुनिया की अर्थव्यवस्था को भी बुरी तरह से प्रभावित किया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का कहना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में गंभीर मंदी आने के संकेत हैं। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि 70 फीसदी क्षेत्रों में मामले घट रहे हैं। ए पिछले सोमवार को 36 प्रतिशत थे। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि मृत्यु दर में भी कमी आई है। इससे पहले दिन में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केयली मैकइनेनी ने कहा कि राष्ट्रपति देश के लाखों लोगों के निजी डेटा की सुरक्षा के लिए टिकटॉक पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।

वायु सेना के पहले काले प्रमुख के शपथ ग्रहण की ट्रंप ने की मेजबानी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को वायु सेना के पहले काले चीफ ऑफ स्टाफ जनरल चार्ल्स क्यू ब्राउन के शपथ ग्रहण समारोह की मेजबानी की। उप राष्ट्रपति माइक पेंस ने ब्राउन को पद की शपथ दिलाई। उनकी नियुक्ति की पुष्टि इस साल जून में 98-0 वोट से सीनेट में हुई थी। ट्रंप ने उस क्षण को खास बताते हुए ब्राउन की प्रशंसा की थी और कहा था कि उनका करियर शानदार रहा है। ब्राउन ने ट्रंप से कहा था कि यह उनके लिए अद्भुत उपलब्धि है और शानदार क्षण है। वह इस सप्ताह के अंत में पदभार ग्रहण करेंगे।

भारत में हथियारों की बिक्री बढ़ाने की योजना बना रहा है अमेरिका : रिपोर्ट

वाशिंगटन(भाषा)। अमेरिका, भारत में हथियारों की बिक्री बढ़ाने की योजना बना रहा है। मीडिया की एक खबर के अनुसार इन हथियारों में सशस्त्र ड्रोन भी शामिल हैं, जो ।,000 पौंड से अधिक बम और मिसाइल ले जा सकते हैं।भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद यह कदम काफी मायने रखता है। भारतीय सेना के 20 जवान 15 जून को हुई झड़प में शहीद हो गए थे। चीनी सैनिक भी हताहत हुए थे, लेकिन उसने इसकी आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है।अमेरिकी खुफिया एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन के 35 सैनिक हताहत हुए थे।फॉरेन पॉलिसी पत्रिका ने अमेरिकी अधिकारियों और संसद के सहयोगियों के साक्षात्कारों के आधार पर एक रिपोर्ट में कहा, (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रम्प का प्रशासन भारत और चीन के बीच सीमा पर हिंसक झड़प के मद्देनजर भारत में हथियारों की बिक्री बढ़ाने की योजना बना रहा है, जिससे वाशिंगटन और बीजिंग के बीच तनाव का एक और मुद्दा खड़ा हो गया जाएगा। पत्रिका ने अधिकारियों के हवाले से कहा कि अमेरिका ने हाल के महीनों में भारत को नए हथियारों की बिक्री की योजना तैयार की है, जिसमें सशस्त्र ड्रोन जैसी उच्च स्तर की हथियार प्रणाली और उच्च स्तर की प्रौद्योगिकी शामिल हैं। ट्रम्प ने आधिकारिक रूप से उन नियमों में संशोधन किया है, जो भारत जैसे विदेशी भागीदारों के लिए सैन्य-स्तर ड्रोन की बिक्री को प्रतिबंधित करते थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे अमेरिका को सशस्त्र ड्रोन की बिक्री पर विचार करने की अनुमति मिलेगी, जो पहले उनकी गति और पेलोड के कारण प्रतिबंधित था। मामले से अवगत एक सांसद ने फॉरेन पॉलिसी से कहा, वे भारत को सशस्त्र (श्रेणी-1) प्रीडेटर्स मुहैया कराने वाले हैं। उन्होंने बताया कि एमक्यू- । प्रीडेटर ड्रोन ।,000 पौंड से अधिक बम और मिसाइल ले जा सकता है।

कोविड-19 से गायक एसपी बालासुब्रमण्यम संक्रमित पाए गए

चेन्नई। प्रसिद्ध गायक-अभिनेता एसपी बालासुब्रमण्यम ने बुधवार को कहा कि कोरोनो वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तेलुगू, तमिल, कन्नड, हिंदी और मलयालम फिल्मों में अपनी आवाज देने वाले 74 वर्षीय गायक ने फेसबुक पर एक वीडियो संदेश में यह खबर साझा की। बालासुब्रमण्यम ने कहा कि वह दो-तीन दिन से बुखार, सीने में जकड़न और ठंड महसूस कर रहे थे जिसके बाद उन्होंने कोविड-19 की जांच करवाई। उन्होंने कहा कि उनमें कोरोनो वायरस के हल्के लक्षण हैं। उन्होंने कहा, डॉक्टरों ने मुझे घर में पृथक रह कर कुछ दवाएं लेने के लिए कहा है। 1966 में तेलुगू फिल्म श्री श्री श्री मर्यादा रामन्ना से अपने गायन की शुरुआत के बाद से, बालासुब्रमण्यम ने कई राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं और 16 भारतीय भाषाओं में 40,000 से अधिक गाने गाए हैं।

दिशा पाटनी के पिता कोरोना से संक्रमित

बरेली। बालीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता सहित बिजली विभाग के तीन अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। जिला सर्विलांस अधिकारी डा. अशोक कुमार ने बुधवार को बताया कि दिशा के पिता जगदीश चंद्र पाटनी और विभाग के दो अन्य अधिकारी ट्रांस्फार्मर घोटाले की जांच के सिलसिले में लखनऊसे यहां आए थे। तीनों अधिकारियों की जांच रिपोर्ट से संक्रमण की पुष्टि हुई है। कुमार ने बताया कि अभिनेत्री के पिता बिजली विभाग की विजिलेंस इकाई में डिप्टी एसपी के पद पर हैं। इस बीच जोनल मु य अभियंता कार्यालय को 48 घंटे के लिए बंद कर दिया गया है।

‘वास्तविक जीवन के सामान्य चरित्रों को करना प्रिय है’

दंगल टीवी पर चलने वाले शो प्यार की लुका छुप्पी में सार्थक यादव की भूमिका निभा रहे अभिनेता **राहुल शर्मा** ने पायनियर संवाददाता **शालिनी सक्सेना** के साथ एक रोचक बातचीत में कोरोना महामारी के इस दौर में काम पर वापस जाने की राह में आने वाली चुनौतियों के बारे में तो बताया ही, साथ ही उन्होंने अवसाद के बारे में बात करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश...

■ आप अभिनेता किस प्रकार बने?

पहले तो मैं अभिनेता बनना ही नहीं चाहता था। लेकिन मेरे पास मॉडलिंग का एक काम आया और मेरे भाई ने मुझसे इसे करने को कहा। उन्होंने मुझसे एक 10 दिन की वर्कषॉप भी करने का आग्रह किया। इस वर्कषॉप के दौरान ही एक परफॉर्मेंस राउंड भी था। मैं इसे लेकर आषंकित था। एक मैनेजर ने मुझे 5 मिनट का एक ऐक्ट करने को दिया, मैंने इसे किया और इसके समाप्त होने पर वहां उपस्थित 200 लोग मेरे लिए तालियां बजा रहे थे तो मुझे लगा कि मैं ये काम कर सकता हूं। इसके बाद मैंने एनएसडी में 20 दिन थियेटर ज्वाइन किया। मुझे इसे करने में इतना आनंद आया कि मैंने निर्णय कर लिया कि कॅरियर के रूप में मैं अभिनय को चुन सकता हूं।

■ क्या आपको किसी प्रकार का पछतावा है? अब तक आपकी यात्रा कैसी रही है?

नहीं कोई पछतावा नहीं हुआ। मेरे जीवन में जो कुछ भी हुआ है उसने मुझे एक अच्छा मनुष्य बनना सिखाया है। मैं हर काम से सकारात्मकता ले लेता हूं और सीख लेने के बाद आगे बढ़ जाता हूं। मेरे यात्रा अद्भुत रही है। भगवान का लाख लाख धन्यवाद कि लोगों द्वारा टीवी इंडस्ट्री को महिलोन्मुख बताने के बाद भी मुझे कई प्रमुख शोज़ मिले, मेरा इस क्षेत्र में अनुभव दूसरों से अलग है। इस इंडस्ट्री में अपने पिछले 10 सालों के दौरान मुझे विविध प्रकार के रोल मिले। अभी तक मेरा यहां अनुभव अच्छा रहा है।

■ प्यार की लुका छुप्पी को आपने क्या सोचकर स्वीकार किया था?

मुझे इसके निर्माताओं से मिलने के लिए कहा गया था। मैंने कहानी को सुना और अपने चरित्र के विविध शेड्स के बारे में जानकर प्रभावित भी हुआ। मैं लव स्टोरी वाला कोई ऐसा शो करना चाहता था जिसमें मेरे चरित्र में कई परतें हों। मुझे इसमें ये दोनों बातें एक साथ मिल गईं। इसकी पटकथा अद्भुत है और मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत प्रसन्न हूं।

■ क्या इंडस्ट्री में आपको अपना पहला काम मिलने में किसी प्रकार की कठिनाई हुई थी?

जी हां, ये कुछ कठिन तो था ही। जब मैं मुंबई आया तो मैं यहां किसी को जानता नहीं था। मुझे ये भी नहीं पता था कि मुझे ठहरना कहां था। दो साल का समय संघर्ष वाला रहा था। मैं विभिन्न ऑडिषन देता रहता था। मेरा संघर्ष वास्तविक था। मैं जहां भी ऑडिषन देने जाता था मुझे बताया जाता था कि मुझे शॉर्टलिस्ट कर लिया गया है, लेकिन मुझे कहीं से भी बुलाया नहीं जाता था। यदि मैंनं 600 ऑडिषन दिये तो उनमें से 300 में मुझे शॉर्टलिस्ट कर लिया जाता था। लेकिन मुझे एक विज्ञापन, सीरीज़ या फिल्म तक करने का अवसर नहीं मिला। लेकिन एक बिंदु के बाद मुझे विज्ञापन मिलना प्रारंभ हो गया। मुझे मेरे पहले शो ‘कहानी चंद्रकांता की’ मिलने की एक रोचक कहानी है। मुझे उसमें चुन तो लिया गया था लेकिन वर्कषॉप के बाद मुझे निकाल दिया गया। मुझे बताया गया कि मैं अभिनय नहीं कर सकता। एक महीने बाद मुझे वापस बुलाया गया। मुझे बताया गया कि वर्कषॉप लेने वाले व्यक्ति के पास योग्यता नहीं थी और ये कि मुझमें प्रतिभा थी।

■ आपने अपने अवसाद को किस कारण से सार्वजनिक किया और फिर इससे संघर्ष भी किया?

जब आप ये बता देते हैं कि आपको अवसाद है तो लोग आपको दया की दृष्टि से देखने लगते हैं। मैं ये नहीं चाहता था। मैंने अपनी कहानी को चार साल बाद बताया। मैं लोगों को बताना चाहता था कि इस बीमारी से लड़ा जा सकता है और ये कि सितारों को भी अवसाद हो सकता है। हमें समझना होता है कि इससे संघर्ष वास्तविक होता है और जब आप इससे लड़ते हैं तो आप अपनी सफलता को लोगों के सामने एक उदाहरण के रूप में रख सकते हैं। तब लोग इसेस प्रेरित हो सकते हैं। मैंने इससे आठ माह तक संघर्ष किया और अंततः इसे हराया। इससे मुक्त होते ही मैं भावनात्मक और व्यावसायिक रूप से एक परिवर्तित व्यक्ति बन चुका था। इससे इंडस्ट्री के भीतर उन लोगों को प्रेरणा मिल सकती है जो समान स्थिति में हैं।

■ अभिनेताओं द्वारा अपने अवसाद के बारे में बात करना दूसरों को कितनी मदद पहुंचा सकता है?

हमें समझना होगा कि हम भी सामान्य व्यक्ति हैं और अवसाद भी हो सकता है। हम अभिनेताओं के जीवन में ये सामान्य है क्योंकि हमें कई परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है और लगातार संघर्ष करना पड़ता है। हमारी एक सार्वजनिक छवि होती है और हम इसे तोड़ना नहीं चाहते। कुछ लोग इसके बारे में बात करने से डरते हैं क्योंकि वे उस स्थिति में पहुंच चुके होते हैं जहां वे इसके बारे में बात नहीं कर सकते। उन्हें इसे लेकर आषंका रहती है और यही कारण है कि वे और अवसादग्रस्त होते चले जाते हैं। मैं इंडस्ट्री में लोगों से आग्रह करता हूं कि वे अपने परिवार और मित्रों से बात करते रहें। इसमें खोते न चले जाएं। छोटे छोटे कदम उठाएं और आगे बढ़ते रहें।

■ क्या आपके अनुसार अभी हमारे यहां वो स्थिति नहीं आई है कि हम अवसाद को भी एक सामान्य रोग जैसा समझें? इसके लिए क्या करने की आवश्कता है?

हमारे यहां ये आज भी प्रतिषिद्ध है। यहां तो जब लोगों को ये पता चलता है कि किसी को अवसाद है तो उन्हें लगता है कि ये विक्षिप्त है। ये गलत है। इस बारे में ये नहीं सोचना चाहिये कि लोग क्या कहेंगे। आपको इसके विशेषज्ञ से मिलना चाहिये जो इससे उबरने में आपकी मदद कर सकता है।

■ आपने कई शो किये हैं क्या ऐसा कोई रोल है जो आपके व्यक्तित्व से मेल खाता हो?

ऐसा रोल प्यार की लुका छुप्पी में सार्थक यादव का रोल ऐसा ही है। इस चरित्र में जीवन की वास्तविकता परिलक्षित होती है। उसकी भावनाएं भी वास्तविक हैं जो किसी दूसरे शो में नहीं दिखतीं। मुझे सार्थक का चरित्र करना अच्छा लगता है क्योंकि वो जो करता है वो सामान्यतः जीवन में दिखाई देता हैं। लोग विचित्र बातें करते हैं और फिर पछताते हैं।

■ क्या अब काम पर वापस आना चुनौतीपूर्ण है?

एक डर रहता है। लेकिन काम तो करना ही है। मैं हर प्रकार की सावधानी रखता हूं। हम पिछले एक माह से शूटिंग कर रहे हैं। हम आज कोविड-19 काल में रह रहे हैं अतः अब हमें नए सामान्य के अनुसार स्वयं को अभ्यस्त करना होगा।

अर्चना सोरेंग : पूर्वजों के पारंपरिक ज्ञान से प्रकृति को बचाने की हिमायती

भाषा। नई दिल्ली

ओडिशा के एक छोटे से गांव की खड़िया जनजाति की लड़की अर्चना सोरेंग को चार दिन पहले तक ज्यादा लोग नहीं जानते थे लेकिन अब उन्हें उनके गांव, जिला, राज्य और देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के बहुत से लोग जानते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने उन्हें अपने नए सात सदस्ईय सलाहकार समूह में शामिल करने का निर्णय किया है, जो जलवायु संकट से निपटने के वास्ते जरूरी सलाह और समाधान उपलब्ध कराएगा। आदिवासी बहुल सुंदरगढ़ जिले के रांची रोड से करीब पांच किलोमीटर के फासले पर स्थित बिहाबंध गांव की रहने वाली अर्चना अपने इस नए दायित्व को लेकर बहुत उत्साहित हैं और उनका मानना है कि हमारे पूर्वजों ने युगों तक प्रकृति और इसकी आबोहवा को बचाए रखा तथा अब उसी पारंपरिक ज्ञान का इस्तेमाल करते दुनिया पर मंडराते खतरे को कम किया जा सकता है। मुंबई के टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज से रेग्युलेटरी गवर्नेंस की पढ़ाई के दौरान अर्चना का रुझान पर्यावरण नियमन से जुड़े विषय की तरफ हुआ क्योंकि इसके पाठ्यक्रम में कुछ ऐसी बातें थीं, जो उन्होंने बचपन में अपने पिता से सीखी थीं। उनका कहना है, मेरे स्वर्गीय पिता ने अपने बुजुर्गों से प्रकृति के संरक्षण का जो सबक सीखा था, वह उन्होंने मुझे भी सिखाया और मुझे लगा कि इस पारंपरिक ज्ञान का प्रसार और संरक्षण होने के साथ ही इसे प्रकृति की धाती को बचाने में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। ओडिशा के वसुंधरा में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्रबंधन और सतत आजीविका पर काम करने वाले एक अनुसंधान और नीति सलाहकार संगठन में काम करने वाली अर्चना का कहना है कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें जलवायु संरक्षण के क्षेत्र में विभिन्न स्वदेशी समुदायों के परंपरागत ज्ञान के दस्तावेजीकरण का मौका मिला, जिसका इस्तेमाल वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के संरक्षण के लिए किया जा सकेगा। अर्चना सोरेंग विश्व के छह अन्य युवा जलवायु कार्यकर्ताओं के साथ उस समूह में शामिल होंगी जो बिगड़ते जलवायु संकट से निपटने के लिए समाधान और सलाह उपलब्ध कराएंगे। समूह के अन्य सदस्यों में सूडान से निसरीन एल्सिम, फीजी से अर्नेस्ट गिब्सन, माल्दोवा से व्लादिस्लाव काइम, अमेरिका से सोफिया कियानी फ्रांस से नाथन मेतेनियर और ब्राजील से पालोमा कोस्ता को शामिल किया गया है। संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में सोरेंग को इस समूह में शामिल करने की जानकारी देते हुए बताया कि वह शोध और अनुसंधान में अनुभवी हैं तथा वह स्वदेशी समुदायों के पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण, संरक्षण और प्रोत्साहन के लिए काम कर रही हैं। अर्चना ने सेंट जॉन मेरी वियानी स्कूल कुतरा से प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद राउरकेला, हमीरपुर स्थित कारमेल कान्वेंट स्कूल से इंटर किया। पटना वूमेंस कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद उन्होंने मुंबई के टीआईएसएस से स्नातकोत्तर की पढ़ाई की और इस दौरान छात्रसंघ की अध्यक्ष भी रहीं। परिवार की बात करें तो उनके पिता बिजय कुमार सोरेंग का 2017 में कैंसर के कारण निधन हो गया। उनकी मां उषा केरकेटटा सेंट जॉन मेरी वियानी स्कूल में लाइब्रेरियन और खेल शिक्षक हैं।

जीवन के इस चरण में मैं अपनी पसंद का काम करना चाहता हूं: नसीरुद्दीन

भाषा। नई दिल्ली

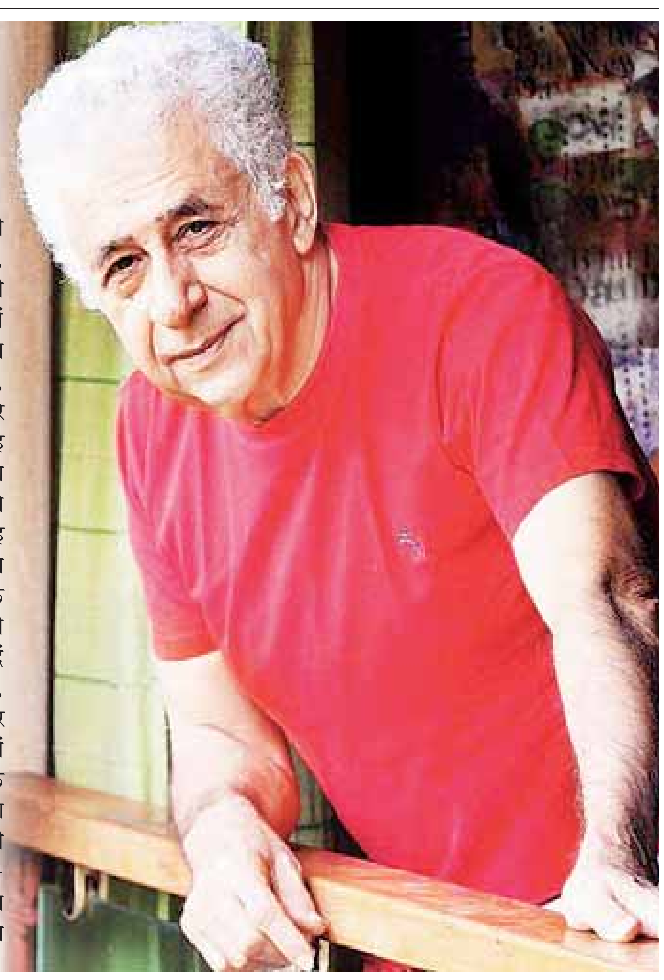

अभिनेता नसीरुद्दीन शाह का कहना है कि वह सामान्यतः अपने मन के अनुसार काम करते हैं लेकिन अब वे ऐसे काम करना चाहते हैं जिनमें उन्हें आनंद मिले। अभिनेता ने कहा कि नीरज पांडेय की फिल्म अ वेडनसडे भी उनकी कुछ यादगार फिल्मों में शामिल है जिसमें उन्होंने अपनी पसंद का काम किया था लेकिन इसके साथ ही फिल्म से जुड़ी कुछ बातों का उन्हें पछतावा भी है।

उन्होंने पीटीआई-भाषा से एक जूम साक्षात्कार में कहा, जीवन के इस स्तर पर, मैं महान किरदार नहीं निभाना चाहता हूं। अब तक मैंने बहुत सारे ऐसे किरदार निभा लिए हैं। मैं उन परियोजनाओं में काम करना चाहता हूं जहां मैं खुद आनंद ले सकूं और जिससे मुझे कुछ सीखने को मिले। मैं किसी फिल्म में पिता का किरदार नहीं निभा सकता चाहे वह फिल्म मेरे किसी करीबी की ही क्यों ना हो। भारत के सबसे चहेते अभिनेताओं में से एक शाह ने कहा कि 15 साल पहले जब वे छोटे किरदार निभाते थे तबसे अब तक उनके नजरिए में काफी बदलाव आया है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने के बाद 1970 में फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) में अध्ययन करने वाले शाह ने 70 और 80 के दशक के दौरान भारतीय सिनेमा में खुद को स्थापित किया। निशांत , जाने भी दो यारो , इजाज़त , बाजार , कथा , मासूम और मिर्च मसाला जैसी फिल्मों में अपनी बेबाक अदाकारी से छाप छोड़ने के साथ ही उन्होंने हीरो हीरालाल , कर्मा , त्रिदेव , विश्वात्मा , चमत्कार और मोहरा जैसी व्यवसायिक फिल्मों में भी काम किया।। अभिनेता ने कहा कि जब वह फिल्मों में आए थे तो उस समय प्रशिक्षित अभिनेताओं के प्रति इंडस्ट्री में एक प्रकार की नाराजगी थी। उन्होंने कहा, आक्रोश अनुचित नहीं था, क्योंकि इनमें से बहुत सारे तथाकथित प्रशिक्षित अभिनेता अभिनय करने में पूरी तरह अक्षम थे। वे अभिनेता होने और मैं जो किरदार निभाना चाहता हूं उसमें ढलना चाहता हूं या चरित्र के नाम से मुझे पुकारा जाए जैसे बकवास का बोझ लिए घूम रहे थे। शाह ने युवा अभिनेताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे इस तरह के नहीं हैं। उन्होंने कहा, ए बच्चे तारीफ के लायक हैं ... पिछले 10 वर्षों में मैंने जो कुछ छोटी फिल्में देखी हैं, वे बहुत प्रभावी हैं। मुझे युवा पीढ़ी से काफी उम्मीदें है। उन्होंने कहा, हमारे पास नवाजुद्दीन सिद्दीकी, राजकुमार राव, गुलशन देवैया, आयुष्मान खुराना और कई अन्य शानदार कलाकार हैं, जो सिनेमा के सभी रूपों में सहज हैं। वे मेरी पीढ़ी की तुलना में बहुत अधिक कुशल हैं और मुझे इन लोगों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला हैं।मुझे कभी-कभी उनसे और उनकी क्षमताओं से ईर्ष्या होती है। शाह हाल ही में अभिनेता-निर्देशक आनंद तिवारी की वेब सीरिज बंदिश बैंडिट्स में नजर आ रहे हैं जिसका प्रीमियर मंगलवार को अमेजन प्राइम वीडियो पर हुआ।

सर्जिकल स्ट्राइक विषय पर एक अच्छी सीरीज़

कहने को कोई भी कह सकता है कि ये सीरीज़ भी फिल्म उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक के समान और छोटी होगी। लेकिन कहना होगा कि पहले ही दृष्य से जिसमें पत्थरबाज सेना का एक पथ रक्षक दल पर पत्थर बरसा रहे हैं, ये आपको आगे देखने पर बाध्य कर देगी। इसमें एक नई बात ये है कि इसमें दिल्ली के सत्ता के गलियारों में हो रही गतिविधियों पर, जो सीमा पर हो रही गतिविधियों के बारे में निर्णय करते हैं, अधिक फोकस किया गया है, फिर चाहे प्रधानमंत्री का सख्त चेहरा हो या फिर एनआईआई मुखिया या फिर राजनीतिक सलाहकार की ही क्यों न हो। इन चरित्रों को निभाने वाले कलाकारों ने अच्छा काम किया है और ये दर्षकों को प्रभावित करने में सक्षम है।

इसके साथ ही एक कहानी और चल रही होती है। एक टीवी पत्रकार और संवेदनशील क्षेत्र में उसकी घुसपैठ जिसके कारण कई बार ऑपरेषन संबंधी कठिनाईयां पैदा हो जाती हैं। सरकार द्वारा मीडिया को सेंसर करने की बात को पूरी सच्चाई के साथ दिखाया गया है।

इन बातों को छोड़ दें तो इसमें पठानकोट और उरी के हमलों के बाद सेना द्वारा जवाबी हमले की तैयारियों को पूरी वास्तविकता के साथ दिखाने का प्रयास किया गया है। सरकार द्वारा अपनी रणनीति पर पूरी तरह से अमल किया जाना और पाकिस्तान की आक्रामकता का समुचित जवाब देने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना देखने योग्य है।

इसके बाद इसमें स्पेषल ऑपरेषन करने वाले मेजर बने अमित साद का पदार्पण होता है। उन्हें अपने आदमियों को लेकर एक सर्जिकल स्ट्राइक का दायित्व दिया जाता है जिसके अंतर्गत उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ सैनिकों को लेकर पीओके के तीन किलोमीटर के अंदर जाकर आतंकी प्रतिष्ठानों को नष्ट करने, उनके मुखिया को मारने और कम से कम हानि के साथ वापस आने का दायित्व दिया जाता है।

अवरोधः द सीज विदइन

प्लेटफॉर्मः	सोनी लिव
एपिसोड्सः	9
कलाकारः	अमित साद तथा अन्य
रेटिंगः	7/10

इस गुप्त ऑपरेशन के अलावा, जिसे सही ढंग से प्रस्तुत किया गया है, इस पूरे कथानक को धीमी रोषनी में फिल्माया गया है ताकि स्पेषल इफेक्ट और भी प्रभावी सिद्ध हो सकें। इसके अलावा इसमें दो आतंकी समूहों के बीच भी तनाव होते दिखाया गया है, अमेरिकी अकड़ तथा आईएसआई द्वारा सभी शक्तियों से संतुलन स्थापित करने के क्रम मे धोखाधड़ी को भी प्रदर्शित किया गया है। आतंकी समूहों द्वारा अच्छे परिवारों से भी लड़कों को बरगलाकर परिवार की इच्छा के विरुद्ध आतंकी बनने पर विवष करने के कृत्य को भी सामने लाया गया है।

साद अब सोनी लिव की हर सीरीज़ में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अपने चरित्र को गहनता से निभाया है। अपने चरित्र के अनुकूल शरीर को ढालने के लिए उन्होंने कमांडो ट्रेनिंग तक प्राप्त की है।

इस सीरीज़ को देखा जा सकता है, अच्छा होता ये उरी पर बनी फिल्म बाद की बजाय पहले आई होती!